संघ प्रमुख मोहन भागवत बोले- समय के साथ विकसित हो रहा है आरएसएस
- 12

अडाणी समूह करेगा 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश
- 12

ईरान की चेतावनी... हम पर हमला हुआ तो अमेरिका-इजराइल को निशाना बनाएंगे
- 13

स्विट्जरलैंड को हराकर पोलैंड ने पहली बार जीता यूनाइटेड कप का खिताब
- 14

आज का मौसम

16.0° अधिकतम तापमान

7.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.58

सूर्यास्त 05.36

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

अयोध्या

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष नवमी 12:43 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 12 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 149, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

अनंतनाग में सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग शहर में सुरक्षा बलों ने रविवार को घेराबंदी एवं तलाशी अभियान (सीएएसओ) चलाया। अधिकारियों ने बताया कि अनंतनाग में जंगलात मंडी इलाके के दांतर में यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में राष्ट्रविरोधी तत्वों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि दक्षिण कश्मीर के इस शहर में यह दूसरा ऐसा अभियान है। इससे पहले सुरक्षा बलों ने शनिवार को भी इसी तरह घेराबंदी एवं तलाशी की थी।

तुर्कमान गेट हिंसा मामले में पुलिस ने दो और लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने तुर्कमान गेट इलाके में हुई पत्थरबाजी के मामले में रविवार को दो और लोगों को गिरफ्तार किया, जिसके बाद कुल गिरफ्तार व्यक्तियों की संख्या बढ़कर 18 हो गई। पुलिस ने बताया कि तुर्कमान गेट के संवेदनशील इलाकों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और वहां पुलिस व अर्धसैनिक बल तैनात हैं। दिल्ली के रामलीला मैदान क्षेत्र में स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास छह और सात जनवरी की दरम्यानी रात को अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान हिंसा हो गई थी।

26 जनवरी से पूर्व आंख कान के रूप में काम करें नागरिक : दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस समारोह से पहले दिल्ली पुलिस ने रविवार को अपनी 'आंखें और कान योजना' के तहत शहरव्यापी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। विभिन्न जिलों के पुलिस थानों के साथ-साथ मेट्रो और इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआई) की इकाइयों में आयोजित कार्यक्रम में अनेक नागरिकों ने भाग लिया। अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय आयोजन से पहले सामुदायिक सतर्कता को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस पहल में आरडब्ल्यूए, एमडब्ल्यूए, होटल मालिक, कार विक्रेता, दुकानदार, सुरक्षा गार्ड, पोर्टर और अन्य सामुदायिक प्रतिनिधियों सहित हितधारकों की सक्रिय भागीदारी रही। होटल मालिकों को प्रवेश के समय अतिथियों का पूरी तरह से सत्यापन करने और विस्तृत रिकॉर्ड रखने के निर्देश दिए।

दिल्ली के पालम में न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली के पालम में रविवार को पिछले 13 वर्षों में सबसे कम न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.3 डिग्री कम है। इससे पहले, पालम स्टेशन पर सात जनवरी, 2013 को न्यूनतम तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। हालांकि, पालम में अब तक का सबसे कम न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 2.2 डिग्री सेल्सियस है, जो 11 जनवरी, 1967 को दर्ज किया गया था। शहर भर के कई मौसम केंद्रों पर शीतलहर की स्थिति देखी गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि आयानगर में न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री से. दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.2 डिग्री कम है।

देश विरोधी ताकतें अब भी सक्रिय, हराना जरूरी : मोदी

गुजरात में गरजे प्रधानमंत्री, कहा- गजनी से लेकर औरंगजेब तक अतीत में दफन हुए, सोमनाथ वहीं खड़ा

सोमनाथ, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि आजादी के बाद गुजरात में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें हमारे बीच अब भी सक्रिय हैं और भारत को उन्हें हराने के लिए सतर्क, एकजुट तथा शक्तिशाली बने रहने की जरूरत है। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में स्थित ऐतिहासिक मंदिर पर अतीत में हुए हमलों और हर बार इसके पुनर्निर्माण का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि लोगों का दिल तलवार की नोक पर कभी नहीं जीता जा सकता। उन्होंने कहा कि सोमनाथ का 1,000 वर्षों का इतिहास विनाश और पराजय का नहीं, बल्कि विजय और पुनर्निर्माण का है। दूसरों को नष्ट करके उन्नति करने वाली सभ्यताएं अंततः स्वयं को ही नष्ट कर लेती।

वह सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में आयोजित एक विशाल सभा को संबोधित कर रहे थे, जो भारतीय सभ्यता के लचीलेपन को चिह्नित करने के लिए यहां आयोजित किया गया था, जिसका प्रतीक सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण है, जिसे 1026 ईस्वी में महमूद गजनी के आक्रमण से शुरू होकर विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा बार-बार तबाह किया गया था। उन्होंने कहा, सोमनाथ का इतिहास हमारे पूर्वजों की वीरता का गीत है। यह उनके बलिदान और समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि आततायी अब इतिहास के पन्नों में सिमट गए हैं, लेकिन सोमनाथ मंदिर आज भी शान से खड़ा है। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने शौर्य यात्रा का नेतृत्व किया। इसका आयोजन सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए प्राणों की आहुति देने वालों के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए किया गया। इस यात्रा में 108 अश्वों की झांकी निकाली गई, जो वीरता और बलिदान का प्रतीक है। सदियों पहले इस मंदिर को नष्ट करने के कई बार प्रयास किए जाने के बावजूद सोमनाथ मंदिर आज विश्वास, साहस और राष्ट्रीय गर्व के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में खड़ा है। यह सब इसे इसकी प्राचीन महिमा में बहाल करने के सामूहिक संकल्प और प्रयासों के कारण संभव हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर हमले नफरत से प्रेरित थे, लेकिन इसे केवल लूटपाट के रूप में पेश करने की कोशिश की गई।

उन्होंने कहा, धार्मिक उद्देश्य को छुपाने के लिए किताबें लिखी गईं, जिनमें इसे महज सामान्य लूटपाट के रूप में दर्शाया गया। सोमनाथ मंदिर को बार-बार नष्ट किया गया। यदि आक्रमण केवल लूटपाट के लिए होते, तो 1,000 साल पहले हुई पहली बड़ी लूट के बाद ही वे रुक गए होते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमनाथ के पवित्र देवता का अपमान किया गया। मंदिर के स्वरूप को ही बदलने के बार-बार प्रयास किए गए। और हमें यह सिखाया गया कि सोमनाथ को लूट के लिए नष्ट किया गया था। नफरत, अत्याचार और आतंक का सच्चा इतिहास हमसे छुपाया गया।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान करते सदस्य।

मंदिर के बाहर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत निश्चितता का गवाह बन रहा : प्रधानमंत्री

वाइब्रेंट गुजरात स्वदेशी मेले का दीदार करते मोदी।

राजकोट। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत वर्तमान में अभूतपूर्व निश्चितता और राजनीतिक स्थिरता के युग का साक्षी है, विशेषकर एक ऐसे समय में जब दुनिया अनिश्चितता का सामना कर रही है।राजकोट में वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) का उद्घाटन करने के बाद मोदी ने कहा, वैश्विक स्तर पर व्याप्त भारी अनिश्चितता के बीच, हम भारत में अभूतपूर्व निश्चितता के युग के साक्षी बन रहे हैं। आज भारत में राजनीतिक स्थिरता और नीतियों में निरंतरता है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बुनियादी ढांचे के साथ-साथ उद्योग के लिए तैयार कार्यबल सबसे बड़ी आवश्यकता है।

पटेल ने मंदिर के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उनके रास्ते में बाधाएं डाली गईं

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद जब सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की शपथ ली, तो उनके रास्ते में बाधाएं डाली गईं और जब भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के उद्घाटन के लिए यहां आए, तब भी आपत्तियां उठाई गईं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का विरोध करने वाली ताकतें अब भी हमारे देश में मौजूद हैं और वे बहुत सक्रिय हैं। तलवारों के बजाय अन्य तरीकों से भारत के खिलाफ साजिशें रची जा रही हैं। मोदी ने कहा, इसीलिए हमें सतर्क और एकजुट रहने की जरूरत है। हमें खुद को और अधिक शक्तिशाली बनाना होगा, ताकि हम उन ताकतों को हरा सकें, जो हमें बांटने की साजिश रच रही हैं।

औरंगजेब ने मंदिर को मस्जिद में बदलने की कोशिश की अहिल्याबाई ने पुनर्निर्माण किया

मोदी ने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर कई बार हमले हुए, जिनकी शुरुआत 1026 में महमूद गजनी के हमले से हुई और 17वीं और 18वीं शताब्दी में मुगल शासक औरंगजेब के हमलों तक जारी रही। महमूद बेगड़ा और औरंगजेब ने आक्रमण के दौरान मंदिर को मस्जिद में बदलने की कोशिश भी की, लेकिन हर हमले के बाद मालवा की रानी अहिल्याबाई होलकर सहित भगवान शिव के भक्तों द्वारा मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया। कहा कि जो व्यक्ति अपने धर्म के प्रति सच्चे भाव रखता है, वह ऐसी चरमपंथी विचारधारा का समर्थन नहीं करेगा। हालांकि, तुष्टीकरण में लिप्त लोग ऐसे धार्मिक चरमपंथ के आगे घुटने टेक देते हैं।

पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर टीएमसी समर्थकों का हमला

कोलकाता, एजेंसी

- गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट, पश्चिम मेदिनीपुर जिले में हुआ हमला

पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर शनिवार देर शाम हमला हुआ। गृह मंत्रालय ने हमले को लेकर उनके कार्यालय से रिपोर्ट तलब की है। एक भाजपा नेता ने बताया कि शुभेंदु अधिकारी का कार्यालय घटना की वीडियो फुटेज केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंपने की तैयारी कर रहा है। विपक्ष के नेता का कार्यालय इस पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रहा है और इसे जल्द ही भेज दिया जाएगा।

शुभेंदु ने शनिवार को आरोप लगाया कि पश्चिम मेदिनीपुर में तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने उन पर हमला किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर घटना का वीडियो साझा करते हुए पोस्ट किया, शनिवार रात लगभग 8:20 बजे, जब मैं पुरुलिया से लौट रहा था तब पश्चिम मेदिनीपुर जिले में चंद्रकोना रोड पर तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने मुझ पर बेरहमी से हमला किया। शुभेंदु ने दावा किया कि हमला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में हुआ और पुलिस मूकदर्शक बनी रही। भाजपा नेता ने कहा कि यह राज्य में विपक्ष की हर आवाज पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया, तृणमूल कांग्रेस की हताशा साफ दिख रही है, वे गुंडागर्दी का सहारा ले रहे हैं क्योंकि वे जनता के बढ़ते गुस्से का सामना नहीं कर सकते।

हमले के दौरान टूटा कार का शीशा।

हमले के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

कोलकाता। शुभेंदु अधिकारी पर टीएमसी समर्थकों द्वारा किए गए हमले के बाद भाजपा के कार्यकर्ताओं ने रविवार को विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा नेता की गाड़ी में आग लगाकर उनकी हत्या करने की साजिश रचने का आरोप लगाया और इसमें शामिल लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। भाजपा समर्थकों ने मेदिनीपुर शहर और बांकुरा के सोनमुखी में प्रदर्शन कर सड़कों को अवरुद्ध कर टायर जलाए।

बुजुर्ग दंपती को डिजिटल अरेस्ट कर 14.85 करोड़ ठगे

नई दिल्ली, एजेंसी

- एनआरआई कपल को करीब 15 दिन तक रखा डिजिटल अरेस्ट

शातिर ठगों ने एनआरआई बुजुर्ग दंपती को करीब 15 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रख कर 14.85 करोड़ ठग लिए। ठगी होने के बाद बुजुर्ग दपंती को यही मलाल है कि उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी।

ओम तनेजा (81) और पेशे से डॉक्टर उनकी पत्नी इंदिरा (77) को साइबर ठगों ने ईडी के अधिकारी बनकर कॉल किया और 15 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। दक्षिण दिल्ली के ग्रेटर कैलाश निवासी बुजुर्ग दंपती ने कहा, हमें बार-बार गिरफ्तारी और गंभीर परिणामों की धमकी दी। यह धोखाधड़ी 24 दिसंबर से 9 जनवरी के बीच की गई और इस दौरान दंपति को लगातार ऑडियो और वीडियो कॉल पर रहने के लिए मजबूर किया गया और सत्यापन के नाम पर कई बैंक खातों में बड़ी रकम अंतरण करने के लिए दबाव डाला गया।

कोहली के सभी प्रारूपों में सबसे तेज 28 हजार रन

वडोदरा। भारत के महान बल्लेबाज विराट कोहली रविवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूप में सबसे तेजी से 28 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मुकाबले के दौरान सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। अपनी 624वीं पारी खेलते हुए कोहली ने न्यूजीलैंड के लेग स्पिनर आदित्य अशोक पर चौका लगाकर यह मुकाम हासिल किया। तेंदुलकर ने यह मुकाम अपनी 644वीं पारी में हासिल किया था जबकि 28000 रन बनाने वाले क्लब में तीसरे खिलाड़ी श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा ने यह उपलब्धि अपनी 666वीं पारी में हासिल की थी। सैंतीस साल के कोहली ने इस मैच से पहले सभी प्रारूप में 27,975 रन बनाए थे।

एक्स ने गलती मानी, 600 खाते हटाए

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच एक्स को ग्रोक एआई के अश्लील सामग्री मुद्दे पर चेतावनी दिए जाने के बाद माइक्रोब्लॉगिंग साइट ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और कहा है कि वह भारतीय कानूनों का पालन करेगी। लगभग 3,500 सामग्री ब्लॉक की गई हैं और 600 से अधिक खाते हटा दिए गए हैं।

यह कदम ऐसे वक्त उठाया गया है, जब ग्रोक पर दुनिया भर की सरकारों का दबाव बढ़ता जा रहा है। नियामक हाल के दिनों में एक्स पर बड़ी संख्या में सामने आई आपत्तिजनक और बिना सहमति वाली यौन सामग्री, कंटेंट मॉडरेशन और डेटा सुरक्षा को लेकर जेनरेटिव एआई इंजन की कड़ी जांच कर रहे हैं। साथ ही यह भी कहा है कि भविष्य में यह मंच अश्लील चित्रों की अनुमति नहीं देगा। इस सोशल मीडिया मंच के 'सेफ्टी' हैंडल ने पिछले रविवार को कहा कि वह अपने मंच पर अवैध सामग्री, जिसमें बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) भी शामिल है, के खिलाफ कार्रवाई करता है।

- ग्रोक से अश्लील सामग्री तैयार करने का मामला, 3,500 सामग्री ब्लॉक की गई

कांग्रेस से निष्कासित विधायक दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार, जेल भेजा गया

केरल। कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटाथिल को रविवार को यौन उत्पीड़न के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें शनिवार देर रात पलक्कड़ से हिरासत में लिया गया था।

पतनमथिट्टा जिले की एक महिला द्वारा आठ जनवरी को दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पलक्कड़ विधायक के खिलाफ यौन उत्पीड़न का तीसरा मामला हाल ही में दर्ज किया गया है। पीड़िता इस समय कनाडा में है और उसने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पुलिस को अपना बयान दिया। शिकायतकर्ता विवाहित महिला है, वैवाहिक जीवन में समस्याओं के बाद उसकी ममकूटाथिल से जान-पहचान हुई। उसने पुलिस को बताया कि ममकूटाथिल ने उससे शादी करने का वादा करके अप्रैल 2024 में एक होटल में उससे दुष्कर्म किया। उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई थी। गर्भवती हुई तो गर्भपात कराने की धमकी दी।

क्रिप्टो पर भारत का शिकंजा, लाइव सेल्फी, जियो-टैगिंग की अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए वित्तीय खुफिया इकाई ने सख्त दिशा-निर्देश किए जारी

क्रिप्टो मार्केट में अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए भारत की वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने सख्त नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। अब क्रिप्टो एक्सचेंजों के लिए नए धनशोधन रोधी और अपने ग्राहक को जाने दिशानिर्देशों के तहत ग्राहकों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए शारीरिक मौजूदगी की जांच और जियो-टैगिंग जैसे नियम अनिवार्य कर दिए गए हैं।

इस महीने आठ तारीख को जारी इन ताजा दिशानिर्देशों के अनुसार क्रिप्टो एक्सचेंजों को 'आभासी डिजिटल संपत्ति' सेवा प्रदाता के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अब इन्हें सिर्फ दस्तावेजों के अपलोड से आगे बढ़कर गहन जांच का सामना करना पड़ेगा। इसके तहत उपयोगकर्ताओं को

अब एक 'सजीव सेल्फी' लेनी होगी। इसमें ऐसे सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाएगा, जो यह पुष्टि करेगा कि व्यक्ति खुद वहां मौजूद है। इसमें पलक झपकाने या सिर हिलाने को कहा जाएगा। यह कदम फोटो या 'डीपफेक' के जरिए होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए उठाया गया है।

तैयारी

विकसित उत्तर प्रदेश के लिए पांच वर्षों में 15 लाख उद्यम स्थापित करने का रोडमैप

योगी सरकार का लक्ष्य, गांवों से तैयार होंगे एक करोड़ उद्यमी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश को आत्मनिर्भर व उद्यमशील राज्य बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। आगामी पांच वर्ष में 15 लाख नए उद्यम स्थापित करने का व्यापक प्लान तैयार किया गया है। साथ ही दीर्घकालिक लक्ष्य के रूप में गांवों से एक करोड़ उद्यमी तैयार करने की रणनीति पर काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने की योजना बनाई गई है। इसके तहत प्रत्येक स्वयं सहायता समूह से कम से कम एक सदस्य या समूह को अपना उद्यम स्थापित करने के लिए

प्रोत्साहित किया जाएगा। इस महाअभियान का आधार राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) बनेगा, जिसके माध्यम से प्रदेश की लाखों स्वयं सहायता समूहों को सीधे उद्यमिता से जोड़ा जाएगा। सरकार का फोकस आत्मनिर्भर गांव, सशक्त महिलाएं और टिकाऊ ग्रामीण अर्थव्यवस्था के निर्माण पर है। योजना में कृषि आधारित आजीविका के साथ-साथ गैर-कृषि क्षेत्रों जैसे खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, डेयरी, सिलाई-कढ़ाई, स्थानीय उत्पादों की पैकेजिंग और मार्केटिंग को भी शामिल किया गया है। इससे न केवल रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, बल्कि गांवों में आय के स्थायी स्रोत भी विकसित होंगे।

महिलाओं की नई पहचान

प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसी महिलाएं हैं जो सीमित संसाधनों और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बावजूद आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लेकर उसे साकार कर रही हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से शुरू किए गए छोटे-छोटे उद्यम आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनते जा रहे हैं। सरकार के प्रयासों का परिणाम यह है कि प्रदेश में 14 लाख 'लखपति दीदियां' उभरकर सामने आई हैं। इन महिलाओं ने न केवल अपनी आय बढ़ाई है, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी हैं। खास बात यह है कि इन लखपति दीदियों को गणतंत्र दिवस पर दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने का अवसर भी मिलने जा रहा है।

विकसित उप्र की ओर मजबूत कदम

सरकार का मानना है कि जब गांव मजबूत होंगे, तभी प्रदेश और देश मजबूत होंगे। उद्यमिता आधारित यह मॉडल ग्रामीण पलायन को रोकने, स्थानीय रोजगार बढ़ाने और समावेशी विकास को गति देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री योगी के विजन के अनुरूप यह पहल न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देगी, बल्कि विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को भी जमीन पर उतारने का काम करेगी।

अमृत विचार

अयोध्या, सोमवार, 12 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

वाराणसी में बनेगा 500 बेड का मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल

अमृत विचार, लखनऊ : वाराणसी में संचालित शिव प्रसाद गुप्ता (एसएसपीजी) मंडलीय जिला चिकित्सालय के जर्जर भवनों को ध्वस्त कर वहां एक अत्याधुनिक 500 बेड का मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल बनाया जाएगा। यह अस्पताल राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत निर्मित किया जाएगा। प्रस्तावित अस्पताल के निर्माण पर कुल 11 करोड़ 58 लाख 18 हजार रुपये की लागत आएगी। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा पहली किश्त के रूप में 3 करोड़ 15 लाख 48 हजार रुपये स्वीकृत कर जारी कर दिए गए हैं। अगले चार वर्षों में अस्पताल का निर्माण पूर्ण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के मरीजों को आधुनिक संसाधनों और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव विनोद कुमार ने इस संबंध में एनएचएम के मिशन निदेशक को पत्र जारी किया है।

राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता आज से

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता का आयोजन सोमवार से किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों से चयनित 1651 से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे और 20 विभिन्न स्किल्स में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता इंडिया स्किल्स कंपटीशन-2026 की चयन प्रक्रिया का अहम चरण है। इसके माध्यम से प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाली श्रेष्ठ प्रतिभाओं का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता तीन चरणों में 23 जनवरी तक आयोजित होगी, जबकि 24 जनवरी को एक विशेष समारोह में चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

प्रेरणास्रोत हैं शास्त्री के आदर्श : केशव मौर्य

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा की प्रतिमूर्ति थे। उनके जीवन के आदर्श हम सभी को सदैव कर्तव्यपथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देते रहेंगे। उप मुख्यमंत्री रविवार को कालिदास मार्ग स्थित अपने कैंप कार्यालय में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि देने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि स्व. शास्त्री ने आज़ादी की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई और स्वतंत्र भारत को सशक्त व यशस्वी नेतृत्व प्रदान किया।

एड्स जागरूकता कार्यक्रम आज

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आकाशवाणी लखनऊ की ओर से उप्र. राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार 12 जनवरी को एक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम दोपहर 2:30 बजे से शहीद पथ स्थित लुलु मॉल में होगा। कार्यक्रम प्रमुख सुमोना एस. पांडे ने बताया कि "स्वैग से अवेयरनेस- करें संवाद तो बनेगी बात" शीर्षक वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और आमजन को एड्स के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में एफएम रेनबो के जाने-माने रेडियो जॉकी, आकाशवाणी के प्रसारण से जुड़े अधिकारी एवं विशेषज्ञ अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से जागरूकता का संदेश देंगे। आकाशवाणी की लोकगीत कलाकार संजोली पांडेय, डॉ. रंजना अग्रहरि और सुरेंद्र राजेश्वरी अपनी प्रस्तुतियां देंगी।

पारदर्शी प्रवेश पर ही अब मिलेगी छात्रवृत्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एससी व एसटी से लेकर सामान्य वर्ग तक, अब केवल वास्तविक पात्रों को मिलेगा लाभ
- निजी शिक्षण संस्थानों पर सरकार की सख्ती, नियमावली-2023 में हुआ संशोधन

अमृत विचार: पात्र विद्यार्थियों को ही छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का वास्तविक लाभ दिलाने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की नियमावली-2023 में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं। संशोधित प्रावधान अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के साथ-साथ सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों पर भी समान रूप से लागू होंगे।

यह योजना समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित की जा रही है। सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि निजी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए, ताकि छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ केवल वास्तविक पात्र विद्यार्थियों तक ही सीमित रहे। लंबे समय से मैनेजमेंट कोटा, स्पॉट एडमिशन और गैर-पारदर्शी तरीकों के जरिए योजना के दुरुपयोग की शिकायतें सामने आ रही थीं, जिन्हें रोकने के लिए यह संशोधन किया गया है।

समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक आनंद कुमार सिंह के अनुसार संशोधित नियमों के तहत निजी शिक्षण संस्थानों में व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों को योजना का लाभ तभी मिलेगा, जब उनका प्रवेश पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया से हुआ हो। इसके लिए संस्थान को सार्वजनिक विज्ञापन जारी करना, आवेदन आमंत्रित करना, रैंक सूची तैयार करना और चयन सूची प्रकाशित करना अनिवार्य होगा। साथ ही छात्रों से केवल वही शुल्क लिया जा सकेगा, जिसे सक्षम प्राधिकारी अथवा शुल्क नियामक समिति से स्वीकृति प्राप्त हो। संशोधन का दायरा केवल आरक्षित वर्ग तक सीमित नहीं है। सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों को भी शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ तभी मिलेगा, जब उनका प्रवेश निर्धारित पारदर्शी प्रक्रिया के तहत हुआ हो और उनसे केवल अनुमोदित शुल्क ही वसूला गया हो। इससे सभी वर्गों के छात्रों के लिए समान नियम लागू होंगे और निजी संस्थानों की मनमानी पर अंकुश लगेगा।

सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि मैनेजमेंट कोटा, स्पॉट एडमिशन या किसी भी प्रकार की गैर-पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया से प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा यदि कोई संस्था निर्धारित से अधिक फीस वसूलती पाई गई, तो ऐसे मामलों में भी छात्रों को योजना से वंचित किया जाएगा।

श्रद्धांजलि...

लखनऊ : अपर महाधिवक्ता विनोद शाही के पुत्र जयंत शाही के निधन पर उनके अलीगंज स्थित आवास पर रखे पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

प्रदेश में एसआईआर पर 19 को पहली सुनवाई

1.04 करोड़ मतदाताओं को निर्वाचन आयोग भेज रहा नोटिस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

6 फरवरी तक दर्ज करा सकेंगे दावा और आपत्ति

चुनाव आयोग की ओर से नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाता 6 फरवरी तक अपने दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि जिन मतदाताओं का पता नहीं चल पा रहा था, जो लापता हैं या जिनके नाम सूची से हटा दिए गए हैं, वे दोबारा नाम जुड़वाने के लिए वर्ष 2003 की एसआईआर सूची में शामिल होने का प्रमाण या चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। आयोग का कहना है कि एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन और पारदर्शी बनाना है, ताकि चुनावी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की त्रुटि या फर्जीवाड़े की गुंजाइश न रहे। सुनवाई प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी।

अमृत विचार: प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत अब सुनवाई की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। ड्राफ्ट लिस्ट जारी करने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में सुनवाई की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। पहली सुनवाई 19 जनवरी को होने की संभावना है।

आयोग ने रविवार से उन मतदाताओं को नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है, जिनका रिकॉर्ड वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नहीं पाया गया है। प्रदेश में ऐसे मतदाताओं की संख्या करीब 1.04 करोड़ बताई जा रही है। नियमों के अनुसार नोटिस जारी होने के सात दिन बाद सुनवाई की तिथि निर्धारित की जाती है। चूंकि रविवार और राजपत्रित अवकाश में सुनवाई नहीं होती, इसलिए पहली सुनवाई 19 जनवरी को तय मानी जा रही है।

एसआईआर में 2.89 करोड़ नाम हटाए गए : एसआईआर प्रक्रिया के दौरान प्रदेश में लगभग 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। इनमें मृत्यु हो जाना, राज्य परिवर्तन, अन्य स्थान पर नाम दर्ज होना, लंबे समय से अनुपस्थित रहना या निर्धारित प्रपत्र जमा न करना जैसे कारण शामिल हैं। उत्तर प्रदेश में यह विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 4 नवंबर 2025 से शुरू होकर 26 दिसंबर 2025 तक चला। इस दौरान कई बार समय-सीमा भी बढ़ाई गई। अभियान के तहत प्रदेश के लगभग 15.44 करोड़ मतदाताओं के रिकॉर्ड की गहन जांच की गई।

एसआईआर पर राजनीतिक दलों ने दर्ज कराए 1,919 दावे

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी सामने आई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा द्वारा जारी दैनिक बुलेटिन में रविवार को बताया गया कि दावे-आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि 6 जनवरी से 6 फरवरी 2026 तय की गई है। बुलेटिन के मुताबिक, राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 57,661 बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) सक्रिय हैं। इनके माध्यम से मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6/6क के तहत 1,919 दावे जमा किए गए, जबकि नाम विलोपन के लिए फॉर्म-7 के तहत कोई आवेदन नहीं आया। इसके अलावा आम लोगों की ओर से 2003 की सूची के संदर्भ में अंतिम सूची से पहले मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए 1,618,574 दावे प्राप्त हुए हैं। अंतिम सूची से पहले नाम विलोपित कराने के 49,399 आवेदन आए हैं। जबकि अंतिम सूची के प्रकाशन के बाद नाम शामिल कराने (फॉर्म-6/6क) के 1,26,984 और नाम विलोपन (फॉर्म-7) के 175 आवेदन आए हैं। अधिकारियों के अनुसार, वैध दस्तावेजों के आधार पर निस्तारण के बाद ही अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी। राष्ट्रीय दलों में भाजपा ने 1,458 दावे दर्ज कराए, बसपा ने 108, कांग्रेस ने 85, जबकि आप और सीपीआई(एम) से कोई दावा नहीं आया। सपा ने 268 दावे दर्ज कराए, जबकि अपना दल (सोनेलाल) से कोई दावा नहीं मिला।

यूपी एआई एंड हेल्थ इनोवेशन कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन आज

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश को देश में आधुनिक, सुलभ और तकनीक-सक्षम स्वास्थ्य व्यवस्था का मॉडल राज्य बनाने की दिशा में योगी सरकार एक ऐतिहासिक पहल करने जा रही है। सोमवार को लखनऊ में दो दिवसीय 'यूपी एआई एंड हेल्थ इनोवेशन कॉन्फ्रेंस' का शुभारंभ होगा, जिसका उद्घाटन योगी आदित्यनाथ करेंगे। यह सम्मेलन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़कर आम नागरिक तक बेहतर, सटीक और समयबद्ध इलाज पहुंचाने के सरकार के विजन को मजबूत आधार देगा।

एक्स-रे टेक्नीशियन नियुक्ति के फर्जीवाड़े में एक और केस जुड़ा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एक छोड़ कर भागा, सीएमओ रिकॉर्ड में सिर्फ तीन कार्यरत मानव संपदा पोर्टल पर चार

अमृत विचार : प्रदेश में एक्सरे टेक्नीशियन भर्ती से जुड़े पुराने फर्जीवाड़े के खुलासों के बाद अब पीलीभीत जिले से एक और संदिग्ध मामला सामने आया है। विभाग के मानव संपदा पोर्टल पर जिले में चार एक्स-रे टेक्नीशियन कार्यरत हैं, जबकि मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में केवल तीन ही कार्यरत हैं। यानी चल रही जांच के बीच एक टेक्नीशियन विभाग से छोड़कर भाग चुका है। इतना ही नहीं, पूर्व में हुए खुलासे और जांच के दायरे में गुजर ही एक्स-रे टेक्निशयनों की नियुक्ति, प्रकरण में शाहपुर सीएचसी में कार्यरत अंकुर नामक एक्सरे टेक्नीशियन को पहले हटाया गया था, लेकिन वर्तमान में उसके दोबारा कार्य करने की सूचना है, जिसके बाद फर्जीवाड़े के रैकेट के फिर सक्रिय होने की संभावना बन गयी है।

मानव संपदा पोर्टल के अनुसार पीलीभीत जिले में सीएचसी बीसलपुर में धीरेंद्र सिंह, सीएचसी न्यूरिया में विमल प्रकाश, जिला क्षयरोग केंद्र में मुकेश कुमार गौतम और सीएचसी पूरनपुर में चंद्रप्रकाश एक्सरे टेक्नीशियन के पद पर तैनात हैं। हालांकि आरटीआई के जवाब में सीएमओ कार्यालय ने पूरनपुर, न्यूरिया और जिला क्षयरोग केंद्र में ही एक्सरे टेक्नीशियन के कार्यरत होने की जानकारी दी, जबकि बीसलपुर में पद रिक्त बताया गया। इस विरोधाभास के बाद नियुक्ति प्रक्रिया में फर्जीवाड़े की आशंका गहराती जा रही है। इसकी संभावना पूर्व में एक्स-रे टेक्नीशियन भर्ती घोटाले की कड़ी हो सकती है।

गौरतलब है कि अमृत विचार ने पूर्व में अर्पित व अंकुर नाम के कई व्यक्ति द्वारा अलग-अलग जिलों में एक साथ नौकरी करने का खुलासा किया था।

एसआईआर प्रक्रिया पर सपा ने उठाए सवाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विधानसभा और पंचायत चुनावों की मतदाता सूचियों में विरोधाभास : अखिलेश यादव

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

सपा प्रमुख ने रविवार को जारी बयान में कहा कि केंद्रीय चुनाव आयोग की ओर से विधानसभा चुनाव की वोटर लिस्ट का एसआईआर कराया गया, वहीं उसी समय राज्य चुनाव आयोग ने पंचायत चुनाव की मतदाता सूची का एसआईआर कराया। हैरानी की बात यह है कि दोनों ही जगह एक ही बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) ने सर्वे किया। उन्होंने बताया कि विधानसभा एसआईआर के बाद प्रदेश में मतदाताओं की संख्या 2.89 करोड़ घटकर 12.56 करोड़ रह गई, जबकि पंचायत एसआईआर के बाद ग्रामीण मतदाताओं की संख्या 40 लाख बढ़कर 12.69 करोड़ हो गई। अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग को स्पष्ट करना चाहिए कि दोनों में से कौन सा एसआईआर सही है, क्योंकि दोनों आंकड़े एक साथ सही नहीं हो सकते। आरोप लगाया कि भाजपा के दबाव में वोट लूट का समीकरण साधने की कोशिश की गई।

आउटसोर्सिंग का डॉक्यूमेंट्स व पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भ्रष्टाचार-मुक्त और पारदर्शी प्रशासन के विजन के तहत फर्जी नियुक्तियों पर प्रभावी रोक लगाने की पहल शुरू कर दी गई है। समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने विभाग में आउटसोर्सिंग के जरिए की जाने वाली नियुक्तियों को लेकर तीन माह में हर कर्मचारी का डॉक्यूमेंट्स व पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से करने का आदेश दिया है।

दरअसल, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत कुछ कोर्स कोऑर्डिनेटरों द्वारा फर्जी अभिलेखों के आधार पर नियुक्ति प्राप्त करने के मामले सामने आए थे। इसके बाद राज्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसी किसी भी अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने विभाग को निर्देश दिए हैं कि आउटसोर्सिंग नियुक्तियों के लिए स्पष्ट और सख्त शासनादेश जारी किया जाए, ताकि सभी भर्तियां तय नियमों, मानकों और प्रक्रिया के अनुरूप ही हों।

प्रस्तावित शासनादेश में यह साफ किया जाएगा कि आउटसोर्सिंग के माध्यम से नियुक्त किए जाने वाले प्रत्येक कर्मचारी के शैक्षिक एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ण जांच अनिवार्य होगी।

समरस मैराथन में रवि और शशिलता रहे अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ : समरस मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मंत्री जयवीर सिंह।

- 'खेलेगा भारत, खिलेगा भारत' का दिया संदेश : जयवीर

अमृत विचार : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि खेलेगा भारत, खिलेगा भारत की भावना को साकार करने के लिए 'समरस मैराथन' जैसे आयोजन बेहद जरूरी हैं।

पर्यटन मंत्री रविवार को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर अभ्युदय यूथ क्लब के तत्वावधान में लखनऊ के कुड़ियाघाट (ग्रीन कॉरिडोर रोड) पर आयोजित पांच किमी की 'समरस मैराथन' को झंडी दिखाकर रवाना करने के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं में फिटनेस, अनुशासन और सामाजिक समरसता का संदेश देने के उद्देश्य से मैराथन का आयोजन किया गया है। स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित इस मैराथन में देश के विभिन्न राज्यों से आए पुरुष व महिला धावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बालक वर्ग के परिणाम : प्रथम स्थान रवि कुमार पाल ने 15 मिनट 32 सेकंड में दूरी पूरी कर पहला पुरस्कार जीता। द्वितीय स्थान इस्लाम अली (16 मिनट 02 सेकंड) और तृतीय स्थान राजेश सिंह (16 मिनट 09 सेकंड) को मिला।

बालिका वर्ग के परिणाम : बालिका वर्ग में शशिलता ने 18 मिनट 40 सेकंड में दौड़ पूरी कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान वर्षा सिंह (20 मिनट 10 सेकंड) और तृतीय स्थान सृष्टि सिंह (20 मिनट 30 सेकंड) को मिला।

पुरस्कार वितरण : पुरुष वर्ग में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले धावकों को क्रमशः 10 हजार, 5 हजार और 3 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा सात धावकों को 500-500 रुपये के सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। महिला वर्ग में भी इसी तरह कुल 10 पुरस्कार वितरित किए गए।

प्राथमिकताएं बदलीं तो आईएएस एसोसिएशन भी हाशिए पर

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- किसी भी संगठन के लिए एजीएम अनिवार्य, फिर भी वर्षों से खामोशी
- नौकरी के अहम मुद्दों पर खुली चर्चा चाहते हैं यूपी के आईएएस

अमृत विचार : किसी भी पंजीकृत संगठन के लिए वार्षिक आम सभा (एजीएम) केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उसकी वैधानिक पहचान और संस्थागत मजबूती की बुनियाद होती है। लेकिन प्रदेश के शीर्ष नौकरशाही संगठन आईएएस एसोसिएशन के लिए यह अनिवार्यता बीते कई वर्षों से कागजों तक सिमट कर रह गई है। न एजीएम हो रही है, न सिविल सर्विस वीक का आयोजन और न ही सेवा से जुड़े उन अहम मुद्दों पर खुला संवाद, जिनके लिए यह मंच कभी नौकरशाही की सामूहिक आवाज माना जाता था।

यह ठहराव केवल प्रशासनिक उदासीनता नहीं, बल्कि इस बात का संकेत है कि सिस्टम के भीतर प्राथमिकताएं बदली हैं। नतीजतन, आईएएस जैसे संगठित मंच धीरे-धीरे हाशिए पर चले गए हैं। औपचारिक सूचनाओं के जरिए कभी-कभार यह जरूर बता दिया जाता है कि एसोसिएशन का अध्यक्ष कौन है, लेकिन संगठन संचालन की नियमावली और उसकी मूल भावना धूल फांकती नजर आती है। वर्तमान में अनिल कुमार यूपी आईएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं। उनसे पहले मोनिका गर्ग अध्यक्ष थीं, जो 30 अप्रैल 2025 को सेवानिवृत्त हो गईं। दिलचस्प तथ्य यह है कि अनिल कुमार भी मई में सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

एक समय था, जब यूपी में आईएएस अधिकारियों के संगठन के पास अपार संस्थागत शक्ति हुआ करती थी। मतभेदों के बावजूद एसोसिएशन ने कई बड़े फैसले किए। किसी भी आईएएस अधिकारी पर संकट आया तो संगठन एकजुट होकर खड़ा हुआ। हर वर्ष लखनऊ में आयोजित होने वाला आईएएस वीक महज औपचारिक आयोजन नहीं होता था। तीन-चार दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ प्रशासन और सेवा से जुड़े गंभीर विषयों पर खुलकर चर्चा होती थी। यही मंच नौकरशाही के भीतर संवाद, आत्ममंथन और सामूहिक सोच को दिशा देता था।

बदलती सरकारों से आईएएस वीक भी प्रभावित

बसपा सरकार के कार्यकाल (2007-2012) में लगातार पांच साल तक एजीएम नहीं हो सकी थी। उस दौर में नौकरशाही और राजनीतिक नेतृत्व के रिश्ते सहज नहीं माने जाते थे। 2012 में सत्ता परिवर्तन के बाद माहौल बदला। समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान 19 जनवरी 2013 को लखनऊ के सिविल सर्विस इंस्टीट्यूट में एजीएम हुई। स्पष्ट संकल्प लिया गया कि हर वर्ष एजीएम और सिविल सर्विस वीक अनिवार्य रूप से आयोजित होंगे। जनवरी 2019 तक एजीएम और सिविल सर्विस वीक नियमित रूप से हुए। तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने स्वयं अधिकारियों को संबोधित किया था। लेकिन फिर सरकार बदलते ही हाशिए पर चले गए।

अब फरवरी में कॉन्फ्रेंस की चर्चा

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों का मानना है कि आईएएस एसोसिएशन पूरी तरह स्वतंत्र संस्था नहीं है, उसके कार्यक्रमों के लिए सरकार की सहमति और सहयोग जरूरी होता है। जब ऐसे मंच प्राथमिकता में होते हैं, तब वे सक्रिय रहते हैं और प्राथमिकता बदली तो स्वत: हाशिए पर चले जाते हैं। अब वर्षों के सन्नाटे के बाद फरवरी 2026 में वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों की एक कॉन्फ्रेंस की चर्चा चल रही है। लेकिन इसे लोग एजीएम का विकल्प नहीं मानते। एजीएम में एजेंडा अधिकारी तय करते हैं, जबकि सरकारी कॉन्फ्रेंस में एजेंडा सरकार तय करती है।

संवाद रुका तो सामूहिक आवाज भी पड़ी कमजोर

एजीएम का न होना इस बात का संकेत है कि संवाद के मंच सबसे पहले प्रभावित होते हैं। इसका असर नौकरशाही की सामूहिक आवाज पर पड़ा है। कई आईएएस अधिकारी निलंबन या आरोपों से घिरे रहे हैं, जिनकी भूमिका ऐसे मंचों पर स्पष्ट होती थी और न्याय का रास्ता खुलता था। अब वह रास्ता भी बंद नजर आता है। केंद्र में प्रतिनियुक्ति के लिए इम्पैनलमेंट प्रक्रिया में पारदर्शिता, 360 डिग्री मूल्यांकन, चाइल्ड केयर लीव में लैंगिक समानता, युवा अधिकारियों को शहरी प्रशासन में ज्यादा जिम्मेदारी देने और रिटायर्ड अफसरों को मेंटरशिप से जोड़ने जैसे मुद्दों पर खुली बहस इन्हीं बैठकों की देन थी।

जांच में खुलासा | मान्यता रद्द करने के लिए डेढ़ वर्ष तक एटीएस व प्रशासनिक रिपोर्ट का किया गया इंतजार

बोर्ड के आदेशों का पालन नहीं कर रहा था मदरसा अशरफिया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मनमाना पाठ्यक्रम व शुल्क और शासकीय धनराशि का हिसाब न रखने का आरोप

अमृत विचार: मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशरफिया, मुबारकपुर (आजमगढ़) की मान्यता रद्द करने के लिए करीब डेढ़ वर्ष तक एटीएस व प्रशासनिक रिपोर्ट का इंतजार किया गया। रिपोर्ट आने के बाद कई राज सामने आये। मदरसा प्रबंधन पूरी तरह से मनमाना रवैया अख्तियार किये थे। वह बोर्ड के आदेशों व निर्देशों का पालन नहीं कर रहा था। यहां तक कि मनमाने तरीके से पाठ्यक्रम भी लागू कर दिया था। जबकि नियमानुसार बिना बोर्ड की अनुमति के कोई बदलाव नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा सरकारी धनराशि व छात्रों से शुल्क का हिसाब प्रबंधन नहीं दे सका। शासन और परिषद स्तर पर उपलब्ध तथ्यों के आधार पर मदरसे की मान्यता को निलंबित कर दिया।

बोर्ड के अधिकारी के अनुसार, विनियमावली 2016 के भाग-1 की धारा-10 में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक मान्यता प्राप्त मदरसे को वित्तीय संसाधनों की समुचित व्यवस्था, परिषद की अनुमति के बिना अतिरिक्त पाठ्यक्रम लागू न करने, परिषद अधिनियम व निर्देशों का पालन, नियमित निरीक्षण, सोसाइटी पंजीकरण का नवीनीकरण, सहायता प्राप्त मदरसों में शुल्क न लेने तथा शासकीय धनराशि का पारदर्शी संचालन सुनिश्चित करना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त शिक्षण का माध्यम उर्दू, अरबी एवं फारसी निर्धारित है। एटीएस जांच रिपोर्ट में शमशुल हुदा की गतिविधियों के साथ-साथ मदरसा अशरफिया की प्रबंध समिति की कार्यप्रणाली को अत्यंत संदिग्ध बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मदरसे की गतिविधियां राज्य की आंतरिक सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और शासन की पारदर्शी अनुदान प्रणाली के प्रतिकूल हैं। इससे संस्था की विश्वसनीयता, उद्देश्य और वैधानिक चरित्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। मदरसा प्रबंधक द्वारा परिषद की नोटिस का जवाब दिया। उमसें भ्रामक व तथ्यों को छिपाकर जानकारी दी गई थी।

वित्तीय हेराफेरी का भी आरोप, शुरू हुई जांच

जांच में यह भी सामने आया है कि मदरसे द्वारा विभागीय दिशा-निर्देशों, मदरसा सेवा नियमावली और वित्तीय अनुशासन का घोर उल्लंघन किया गया। संस्था का संचालन अनियमित, अवैध और शासन-विरोधी गतिविधियों से दूषित पाए जाने का दावा किया गया है। इसकी जांच के लिए बोर्ड विशेष कमेटी गठित कर कराएगा। जांच में सामने आया कि मदरसा अशरफिया की मान्यता बनाए रखना न केवल नियमों के विपरीत है, बल्कि लोकहित और कानून के शासन की दृष्टि से भी उचित नहीं है। ऐसे में मदरसे की मान्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

दो अपराधी की हिस्ट्रीशीट खोली

अयोध्या, अमृत विचार : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देश पर थाना तारुन के दो अपराधियों को दुराचारी घोषित करते हुए उसके आपराधिक इतिहास के अनुरूप (अ) प्रकार की हिस्ट्रीशीट खोली है। एचएस नंबर-03ए शुभम सिंह निवासी गयासपुर थाना तारुन के खिलाफ छह व एचएस नंबर-01ए मोहम्मद अली उर्फ भूकी निवासी सीताराम का पुरवा शहाबुद्दीनपुर के खिलाफ पांच मुकदमे दर्ज हैं।

रंजिश में मारपीट, तीन घायल, पांच पर केस

पूराबाजार, अयोध्या। अमृत विचार : पूराकलंदर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीदासपुर मजरे सकरी का पुरवा में पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट में एक पक्ष के तीन लोग घायल हुए हैं। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने पांच के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर दिया है। लक्ष्मीदासपुर मजरे सकरी का पुरवा निवासी फूलचंद पुत्र स्व श्यामलाल ने अपनी तहरीर में बताया कि गांव के ही मनोज, विशाल, राज कपूर, नंदनी और सुनीता ने पुत्री सोनी के साथ मारपीट की। बीच बचाव करने दौड़ी पत्नी कमलेश व पुत्र विक्कू को भी मारा पीटा तथा जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पूराकलंदर थाना प्रभारी मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। कार्रवाई की जा रही है।

स्वास्थ्य मेले में मरीजों को नहीं मिले डाक्टर

बड़ागांव, अमृत विचार : प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बड़गांव में प्रत्येक रविवार को लगने वाला स्वास्थ्य मेले में डॉक्टर व अन्य कर्मचारी न होने से स्वास्थ्य मेला मजाक बनकर रह गया। रविवार को यहां तैनात डॉक्टर नदारद रहे। मरीज राम आधार, राम सुमेर, बृजेश श्रीपता, सुनीता डॉक्टर को दिखाने गई तो मुलाकात किसी डॉक्टर से नहीं हुई। सीएमओ डा. सुशील कुमार बलियान ने बताया मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रामायणा पैलेस में लगी आग, लाखों का नुकसान

सोहावल, अयोध्या। अमृत विचार : रौनाही थाना क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर पिलखावां ग्राम सभा मे नवनिर्मित रामायणा पैलेस में स्टील वेल्डिंग के दौरान निकली चिंगारी से आग लग गई। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी लाल चंद सरोज ने दमकलकर्मियों की मदद से दो घंटे में आग पर काबू पाया। आग लगने से लाखों रुपये के फर्नीचर, खिडकी, दरवाजे जल गए। थाना प्रभारी ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

आज आकाशवाणी से सुनें मुकेश पांडे को

अयोध्या, अमृत विचार : नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडे की वार्ता आकाशवाणी अयोध्या से सोमवार को प्रसारित होगी। प्रणाम अयोध्या कार्यक्रम के तहत प्रसारित होने वाली वार्ता का विषय ''तकनीक'' के साथ नए आयाम ग्रहण करती आज की पत्रकारिता है। वार्ता 12 जनवरी 2026 को सुबह 8:30 बजे आकाशवाणी अयोध्या चैनल पर सुनी जा सकेगी। यह जानकारी आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रमुख संजय दत्त द्विवेदी ने दी।

अनमैप कैटेगरी को लेकर अधिकारियों ने की बैठक

रुदौली अयोध्या। अमृत विचार : विधानसभा की मतदाता सूची के अनमैप कैटेगरी के मतदाताओं को नोटिस जारी करने के लिए तहसील सभागार में सहायक निवाचक अधिकारियों की बैठक उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में अनमैप कैटेगरी तीन के मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुसार सांकेतिक दस्तावेज के साथ घोषणा के समर्थन में प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेजों की सांकेतिक सूची के स्वयं, पिता और माता के लिए अलग-अलग स्व-सत्यापित दस्तावेज के बारे में जानकारी दी गई। कहा कि ऐसे सभी मतदाताओं के दावों की सुनवाई एक सप्ताह के बाद एडिशनल एईआरओ करेंगे। उप जिलाधिकारी ने बताया कि 33 नए एडिशनल एईआरओ को इसका प्रशिक्षण दिया जा चुका है। बैठक में तहसीलदार विजय गुप्ता, नायब तहसील शेखर शुक्ला, राजस्व निरीक्षक अनिल यादव, जितेंद्र विश्वकर्मा, अशोक समेत सुपरवाइजर रहे।

आज आएंगे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, 28 जगहों पर होगा स्वागत

ढोल नगाड़ों के बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत की तैयारी

अयोध्या कार्यालय

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में लगाने के लिए राम पथ पर वाहन से पार्टी का झंडा ले जाते कार्यकर्ता।

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी सोमवार को अयोध्या आएंगे। वह रामलला का दर्शन पूजन करेंगे। अवध विश्वविद्यालय के विवेकानंद प्रेक्षागृह में संगठन की बैठक में शामिल होंगे। उनके स्वागत की तैयारियों में भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। जिले की सीमा से श्रीरामजन्मभूमि तक 28 स्थलों पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित होगा।

- विवि के विवेकानंद प्रेक्षागृह में संगठन की बैठक में होंगे शामिल

प्रदेश अध्यक्ष का काफिला सोमवार 12 बजे जिले की सीमा में प्रवेश करेगा। सीमा रामसनेही घाट पेट्रोल पंप पर पूर्व सांसद लल्लू सिंह, विधायक रामचंद्र यादव और जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, जिला प्रभारी मिथिलेश त्रिपाठी के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया जाएगा। महानगर की सीमा में प्रवेश करते ही सहादतगंज ब्रिज के पास विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव और मीडिया प्रभारी दिवाकर सिंह की अगुवाई में अभिनंदन किया जाएगा।

मीडिया प्रभारी दिवाकर सिंह ने बताया कि जिले की सीमा से लेकर अयोध्या नगर तक विभिन्न प्रमुख स्थलों पर स्वागत कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। इनमें वीपी मवई के पास मंदिर, कुढ़ा सदात अम्बेडकर प्रतिमा, अख्तियारपुर मोड़ (लोहिया पुल), चौधरी चरण सिंह द्वार महोली, मुबारकगंज चौराहा, रौनाही टोल प्लाजा, मंगलसी चौराहा जुबेरगंज बाजार, उदय धर्म कांटा कोटसराय, कोटसराय होटल, गरुड़ द्वार, सहादतगंज हनुमानगढ़ी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रतिमा बस स्टेशन, पुलिस लाइन तिराहा, रिकाबगंज चौराहा, नियावां चौराहा, गुदडी बाजार, आंख अस्पताल तिराहा, जलकल विभाग कार्यालय के सामने, उदया चौराहा, निषाद राज चौराहा, श्रीराम चिकित्सालय के सामने, श्री रामजन्म भूमि के मुख्य द्वार, संस्कृत महाविद्यालय के सामने और हनुमानगढ़ी तिराहा शामिल हैं। प्रदेश अध्यक्ष हनुमानगढ़ी, श्री राम जन्मभूमि में दर्शन-पूजन करेंगे। अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह अवध क्षेत्र की क्षेत्रीय बैठक में भाग लेंगे। संगठनात्मक क्षेत्रीय बैठक कुलपति कार्यालय के सभागार में आयोजित की जाएगी। बताया कि हर स्वागत स्थल पर पुष्प वर्षा, स्वस्तिवाचन, ढोल-नगाड़ा, डमरू, शंखनाद, डीजे और मानव श्रृंखला बनाकर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया जाएगा।

होर्डिंग्स कह रही साल 2027 के सियासी संग्राम की कहानी

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

होर्डिंग से पटा सिविल लाइन स्थित रामपथ।

अमृत विचार : नवनियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की पहली अयोध्या यात्रा के जरिए भाजपा चुनावी पृष्ठभूमि तैयार करने की कोशिश में है। इसे इवेंट के रूप में प्रस्तुत करने की तैयारी है। इस इवेंट के भागीदार भाजपा नेता और कार्यकर्ता हैं। हाईवे से शहर तक की होर्डिंग्स साल 2027 के सियासी संग्राम की कहानी जरूर बयां कर रही हैं। भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी महराजगंज के सांसद और केंद्र सरकार में वित्त राज्य मंत्री है। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद वह पहली बार रामलला के दरबार में मत्था टेकने आ रहे हैं। उन पर सबसे बड़े प्रदेश की बड़ी जिम्मेदारी है। खासतौर से वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव की दृष्टि से। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का पहला अयोध्या दौरा चुनावी दृष्टि से खासा महत्वपूर्ण भी है। अयोध्या आज भी सियासी ऊर्जा भूमि के रूप में चर्चा में है। सियासत अयोध्या से ही शुरू हो जाती है। जिले की सीमा से राम मंदिर तक होर्डिंग्स भविष्य के सियासी संग्राम की कहानी कह रही हैं। होर्डिंग्स पर नजर दौड़ाइए तो इस संग्राम की तस्वीर कुछ-कुछ साफ हो जाती है। राम मंदिर आंदोलन से जुड़े दो नेताओं की चर्चा तो आम आदमी के बीच पहुंच चुकी है। अब कई अन्य चेहरे भी तस्वीरों में जगह-जगह सामने आ गए हैं। भाजपा के सत्ता में आने के बाद यह जैसे भूमिगत हो गए थे, लेकिन अब यह भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए होर्डिंग्स पर मौजूद है। ऐसे एक नहीं कई नाम इन पर दिख रहे हैं, जिनके चेहरे अब तक भाजपा के कार्यक्रमों में देखने के लिए लोग उत्सुक रहते थे, लेकिन दिखते नहीं थे, कार्यकर्ताओं में चर्चाएं भी सुनी गई। कई की टिप्पणी रही, अब तक आइसोलेट थे, अब समय आ रहा है। इनको पार्टी की जरूरत है और पार्टी को इनकी भी जरूरत है। इन होर्डिंग्स का संकेत है कि वर्ष 2027 में मैदान में आने के लिए भीषण सियासी संग्राम होगा। भाजपा भी प्रदेश अध्यक्ष की इस यात्रा को आम लोगों के बीच कैश कराना चाहती है। इसलिए स्वागत कार्यक्रम को इवेंट के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है। इसके लिए बाकायदा रणनीति बनाई गई। जिम्मेदारी सौंपी गई। भीड़ का लक्ष्य दिया गया। वर्ष 2027 के चुनाव के लिए सभी विधानसभा क्षेत्र से मैदान में आने वाले अब सक्रिय हैं। भाजपा की सियासत के यह सिपहसालार पूरी तन्मयता से भविष्य के लिए अपने को प्रस्तुत कर रहे हैं।

भाजपा के पक्ष में शक्ति दिखाने का प्रयास

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की यात्रा के जरिए तस्वीर बदली दिखाने का भी प्रयास है, जिस मकसद से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की ताजपोशी की गई है। उस पर खासा फोकस है। उनके भी अपने यहां हैं।वह सक्रिय हो गए हैं। फिलहाल अयोध्या में तो रणनीति किसी हद तक सकारात्मक होने के संकेत भी हैं।

- प्रदेश अध्यक्ष की यात्रा के जरिए चुनावी पृष्ठभूमि तैयार करने का प्रयास
- कार्यक्रमों में खोजे जाने वालों की तस्वीरें दर्ज करा रहीं उपस्थिति

यूपी में सक्रिय होगी जद यू, अयोध्या से सदस्यता अभियान

अयोध्या, अमृत विचार : बिहार में भाजपा की सहयोगी जनता जल यूनाइटेड अब यूपी में सक्रिय होगी। रविवार को जद यू ने अयोध्या से सदस्यता अभियान शुरू कर दिया। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री और यूपी के संगठन प्रभारी श्रवण कुमार रविवार को अयोध्या पहुंचे थे। उन्होंने सरकिट हाउस में अपने लोगों के साथ बैठक की। पत्रकारों को बताया कि रामनगरी से उत्तर प्रदेश में सदस्यता अभियान की शुरुआत की गई है। यह उनकी यहां पहली संगठनात्मक बैठक है। बैठक में पार्टी को विस्तार और संगठन की मजबूती पर मंथन किया गया। उन्होंने कहा कि अयोध्या पवित्र भूमि है। इसीलिए अभियान की शुरूआत यहां से की गई। बताया कि इसके बाद जदयू प्रदेश के सभी जिलों में चरणबद्ध सदस्यता अभियान चलाएगी। यूपी की राजनीति में जदयू की एंट्री से सियासी हवा में चर्चा शुरू हो गई। 2027 के विधानसंभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि पहले संगठन मजबूत हो। इसके बाद चुनाव पर फैसला लिया जाएगा।

नो मैपिंग वोटर्स को नोटिस जारी किए जाने की तैयारी

अयोध्या कार्यालय

- जिले में बड़ी संख्या में नो मैपिंग वोटरों का आंकड़ा

अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग से कराए जा रहे विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) में बड़ी संख्या में वोटरों की मैपिंग नहीं की जा सकी। अब ऐसे वोटरों को नोटिस जारी किए जाने की तैयारी है। विधानसभा निर्वाचन नामावली के विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) का ड्राफ्ट प्रकाशन कर दिया गया। बता दें कि अभियान के पहले जिले में कुल 1907800 मतदाता थे। एसआईआर के बाद बीती छह जनवरी को ड्राफ्ट प्रकाशन कर दिया गया। जिलाधिकारी निखिल टी. फुंडे के अनुसार लगभग 18 फीसदी वोटर एएसडी कैटेगरी में कटे हैं। लगभग 93 फीसदी वोटरों की मैपिंग की गई। शेष नो मैपिंग कैटेगरी में हैं। इनकी संख्या लगभग 1.12 लाख हैं। इनके नाम मतदाता सूची में शामिल हैं, लेकिन यह वैरीफाई नहीं है। इन्हीं मतदाताओं को नोटिस जारी की जा रही है। यदि यह अभिलेख उपलब्ध करा देते हैं तो इनको सूची में शामिल किया जाएगा।

बूथों पर फिर से सुनाए गए मतदाता सूची के नाम

अयोध्या, अमृत विचार : मतदाताओं को एसआईआर के बाद सूची को दिखाने के लिए रविवार को बूथों पर बीएलओ ने एक बार फिर प्रकाशन किया। सूची को पढ़कर सुनाया। लोगों से नाम न होने पर उन्हें फार्म भरने की जानकारी दी। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से संबंधित आलेख्य निर्वाचक नामावली का प्रकाशन छह जनवरी को किया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एक बार फिर मतदाता सूची को रविवार को मतदेय स्थलों पर मतदाताओं के समक्ष बूथ लेवल अधिकारियों से सूची पढ़कर सुनाए जाने का निर्देश दिया था। बीएलओ ने रविवार को मतदेय स्थल पर उपस्थित होकर आलेख्य निर्वाचक नामावली को पढ़कर सुनाया। सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने अपन-अपने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारियों ने निरीक्षण किया गया। सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को फार्म छह, फार्म सात और फार्म आठ उपलब्ध करा दिए गए। जिससे बूथ लेबल अधिकारी इसके जरिए आवेदन ले सकें।

मकर संक्रांति पर रामलला को लगेगा खिचड़ी का भोग

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : रामनगरी में मकर संक्रांति का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाए जाने की तैयारी है। 5000 मंदिरों में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। गर्भगृह में विराजमान देवी देवताओं को विशेष भोग लगाया जाएगा। इस दौरान दर्शन के लिए भी लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। रामनगरी

अयोध्या में मकर संक्रांति की अलग ही चमक-दमक रही है। राम मंदिर में मकर संक्रांति पर आने वाले भक्तों के लिए विशेष तैयारी है। सुबह 6 बजे से राम मंदिर में दर्शन प्रारंभ हो जाएगा। मंदिर में ही गायन वादन का भी आयोजन संपन्न होगा और दोपहर में रामलला को खिचड़ी, घी, दही, पापड़, आचार के साथ 56 प्रकार की व्यंजनों का भी भोग लगाया जाएगा। दूसरी तरफ श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा निकास मार्ग पर हजारों राम भक्तों को खिचड़ी प्रसाद भी उपलब्ध कराएगा। मुख्य पुजारी बताते हैं कि भगवान सूर्य के उत्तरायण होने पर मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है। रामलला को खिचड़ी का भोग लगेगा। उन्हें खिचड़ी के साथ घी, दही, अचार, पापड़ और तिल से बने व्यंजन विधि विधान के साथ चढ़ाए जायेंगे। इसके बाद यह प्रसाद राम भक्तों में भी वितरित होगा। ट्रस्ट के मुताबिक राम मंदिर के परिसर के अंगद टीला के पास भक्तों को खिचड़ी का प्रसाद वितरित करने के लिए व्यापक स्तर पर इंतजाम हैं। 50000 से अधिक श्रद्धालुओं को खिचड़ी और हलवा का प्रसाद भी वितरित किया जाएगा।

मानसिक रोगी निकला कश्मीर का अब अहद शेख

अयोध्या कार्यालय।

- राम मंदिर परिसर के दक्षिणी परकोटे के पास की थी नमाज पढ़ने की कोशिश
- वर्ष 2024 से जम्मू मेडिकल कॉलेज में चल रहा है इलाज, मंगाई गई मेडिकल हिस्ट्री, पुलिस ने ली राहत की सांस

अमृत विचार : राम मंदिर में नमाज पढ़ने की कोशिश करने वाला कश्मीरी व्यक्ति मानसिक रोगी निकला। वर्ष 2024 से उसका जम्मू मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। अयोध्या पुलिस व जांच एजेंसियों ने उसकी मेडिकल हिस्ट्री मंगवाई तो इसकी जानकारी हुई। यही नहीं जम्मू पुलिस व सीआरपीएफ व अन्य खुफिया इकाइयों के माध्यम से उसका सत्यापन भी कराया, जिसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

ध्यान रहे कि शनिवार की दोपहर राम मंदिर परिसर में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक कश्मीरी मुस्लिम व्यक्ति ने रामलला का दर्शन करने के बाद दक्षिणी परकोटे के पास नमाज पढ़ने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद सुरक्षा बलों ने उसे दबोच लिया था। इस दौरान उस पर धार्मिक नारे लगाने का आरोप भी लगा था। आरोपी के पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान अब अहद शेख निवासी शोपियां जम्मू कश्मीर के रूप में हुई। सूचना पर पहुंचे विभिन्न जांच एजेंसियों के अधिकारियों ने उससे पूछताछ की थी। उसके पते का सत्यापन के जम्मू कश्मीर पुलिस व वहां तैनात खुफिया विभाग के अधिकारियों से संपर्क साधा गया था। गहन जांच के बाद सभी इस नतीजे पर पहुंचे कि आरोपी मानसिक रूप से बीमार था, उसके बेटे ने पिता की पूरी मेडिकल हिस्ट्री भी जांच अधिकारियों को उपलब्ध कराई, जिसका जम्मू मंडिकल कॉलेज से सत्यापन भी कराया, जो सही निकला। वहीं, जम्मू कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ व खुफिया इकाइयों द्वारा जांच में भी कुछ संदिग्ध नहीं निकला। इसके बाद अयोध्या पुलिस ने राहत की सांस ली। पुलिस ने उसके परिवार को अयोध्या बुलाया है।

आगरा से लखनऊ, फिर पहुंचा था अयोध्या

बताया जा रहा है कि अब अहद शेख अकसर घूमने निकल जाता है, वह आगरा से लखनऊ फिर वहां से ट्रेन के माध्यम से अयोध्या पहुंचा था।

अब अहद शेख

अयोध्या पुलिस ने सीसीटीवी के माध्यम से अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन से राम मंदिर परिसर, गर्भगृह व दक्षिणी परकोटे तक पहुंचने की सभी एक्टिविटी को खंगाला है, जिससे कुछ हासिल नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार अयोध्या पुलिस अब अहद शेख को उसके परिजनों को सुपुर्द करने की तैयारी में हैं। मामला जांच एजेंसियों के पास होने के कारण पुलिस को कोई अधिकारी इस संदर्भ में बयान देने को तैयार नहीं है।

क्रिकेट : हर्षित इलेवन बारुन बनी चैंपियन

बारुन, अयोध्या

ट्राफी के साथ विजेता टीम व मुख्य अतिथि। अमृत विचार

- केपीएल सीजन 5 क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन

अमृत विचार : मिल्कीपुर के करमडांडा में आयोजित केपीएल सीजन 5 क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल जीतकर हर्षित इलेवन बारुन बाजार ने खिताब अपने नाम लिया। फाइनल मुकाबले में शानदार गेंदबाजी के लिए मोहम्मद सरताज को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हर्षित इलेवन बारुन बाजार संडौली ने निर्धारित 15 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 172 रन का विशाल स्कोर बनाया।

173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नौशाद खान की अगुवाई वाली एपीएस क्रिकेट क्लब खिहारन की शुरुआत खराब रही। सरताज और ऋषभ की घातक गेंदबाजी के सामने एपीएस की पूरी टीम 92 रनों पर ऑल आउट हो गई। मुख्य अतिथि अमरनाथ तिवारी मानस'' ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने खेलों को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इन प्रतियोगिताओं से प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। पूरी सीरीज में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का खिताब ऋषभ को और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का पुरस्कार लाला मेरठ को दिया गया। जीत के बाद ट्रॉफी के साथ तीन किलोमीटर लंबी शोभायात्रा निकाली गई, खिहारन गांव पहुंचने पर ग्राम प्रधान अजीत मौर्य के नेतृत्व में सभी खिलाड़ियों को 21 किलो की माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया।

बैनर-पोस्टर लगाने को लेकर निगम व प्रशासन को घेरा

अयोध्या, अमृत विचार : कांग्रेस ने सत्ताधारी दल से अपने पार्टी के निजी कार्यक्रमों की होर्डिंग सरकारी संपत्तियों पर लगाए जाने की निंदा की है। कहा कि सरकारी संपत्तियों पर लगी होर्डिंग नगर निगम और प्रशासन का दोहरा चरित्र उजागर करती है।

महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा शहर में नगर निगम और प्रशासन से दोहरा रवैया अपनाया जा रहा है। सवाल किया कि क्या नगर निगम के नियम सिर्फ विपक्ष के लिए हैं? क्या कानून केवल कांग्रेस और अन्य दलों पर ही लागू होता है? क्या सत्ताधारी दल के लिए नगर निगम के सारे नियम-कायदे खत्म हो जाते हैं? आरोप लगाया कि यह साफ तौर पर सत्ता के संरक्षण में नियमों का खुला उल्लंघन है। सरकारी खंभों पर पार्टी की होर्डिंग्स लगना न सिर्फ नियमों के खिलाफ है, बल्कि यह प्रशासन की निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। कहा कि नगर निगम और प्रशासन भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। मांग उठाया कि भाजपा की सभी अवैध होर्डिंग्स तत्काल हटाई जाएं।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार चाचा की मौत, भतीजा घायल

पटरंगा, अयोध्या।

- पटरंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत पूरे शाह लाल चौराहा पर हुई दुर्घटना

अमृत विचार : पटरंगा थाना अंतर्गत लखनऊ-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर पूरे शाह लाल चौराहा पर शनिवार की देर शाम अज्ञात वाहन ने एक बाइक में टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार चाचा की मौत हो गई है, जबकि भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया।

मवई थाना क्षेत्र के बरौली गांव निवासी अमर यादव (26) पुत्र राम सूरत यादव व उनका भतीजा मोहित यादव (24) पुत्र रमेश यादव शनिवार की देर शाम को अपनी बाइक से घर जा रहे थे। इस दौरान पूरे शाह लाल चौराहा के ओवर ब्रिज के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरनपुर रुदौली भेजवाया। जहां पर मौजूद डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल अमर यादव को लखनऊ रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। भतीजे मोहित यादव को जिला अस्पताल भेज दिया गया है। सूचना मिलने पर रुदौली विधायक रामचंद्र यादव ने सीएचसी पहुंच कर परिजनों को ढांढस बंधाया। थाना प्रभारी शशिकांत यादव ने बताया कि तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

निर्माण की तैयारी श्रीराम कथा कुंज में रामायण के 84 प्रसंगों पर लगेंगी अद्भुत मूर्तियां

रामकथा कुंज के लिए 1991 में आवंटित हुई थी 42 एकड़ भूमि

सत्य प्रकाश, अयोध्या

रामसेवक पुरम में स्थापित रामकथा कुंज की कार्यशाला, एवं तैयार हुई मूर्तियां।

अमृत विचार : राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद श्रीराम कथा कुंज के निर्माण की भी तैयारी है। इसके लिए रामसेवकपुरम में रामायण के 84 प्रसंगों पर अद्भुत मूर्तियों के निर्माण का कार्य चल रहा है, जिसे असम के कारीगर तैयार कर रहे हैं।

राम मंदिर आंदोलन के दौरान सन 1991 में जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के साथ श्रीराम कथा कुंज की स्थापना के लिए स्वर्गीय अशोक सिंघल ने संकल्प लिया था। इसके लिए तत्कालीन कल्याण सिंह की सरकार के द्वारा 42 एकड़ भूमि आवंटित हुई थी, जिसके बाद 2013 में रामसेवकपुरम में यह कार्यशाला प्रारंभ किया। रामजन्म से लेकर राजाराम के राज्याभिषेक तक के प्रसंग मूर्तियों का निर्माण किया जा रहा है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय की देखरेख में अंतिम रूप दिया जा रहा है। असम के मूर्तिकार रंजीत मंडल का कहना है कि रामायणकालीन प्रसंगों पर आधारित मूर्तियों को स्व. अशोक सिंघल के कहने पर बनाने की शुरुआत हुई थी। इसके निर्माण के लिए सीमेन्ट, लोहे की छड़ व स्टील की जाली से इन मूर्तियों का निर्माण किया जा रहा है। इसके बाद इसमें रंग भरने का कार्य किया जाना है। विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने कहा कि राम जन्मभूमि न्यास को 1991 में लगभग 42 एकड़ भूमि 99 वर्ष के लिए लीज पर प्रदान की गई थी, लेकिन 6 दिसंबर 1992 में विवादित ढांचा समाप्त हुआ तो केंद्र में कांग्रेस की सरकार ने 1993 में उस स्थान को भी प्रतिबंधित कर दिया। लोगों के आवागमन पर रोक लगा दिया था। 9 नवंबर 2019 में राम मंदिर के पक्ष में फैसला आने के बाद मंदिर निर्माण किया गया। अशोक सिंघल के संकल्प को पूरा करते हुए ट्रस्ट ने मंदिर में पत्थरों से रामायण प्रसंगों पर बने मूर्तियों की स्थापना कर दी है। अगर पूर्व की घटना क्रम को देखें तो राम कथा कुंज के निर्माण के लिए राम कथा कुंज कार्यशाला प्रारंभ किया गया। जहां आज भी इन मूर्तियों को बनाया जा रहा है। और अब इस कथा कुंज के लिए ट्रस्ट जल्द ही स्थान निर्धारित करेगा।

रामायण के प्रसंग पर मूर्तियों का होगा दर्शन : ट्रस्ट

राम मंदिर निर्माण के साथ भगवान श्रीराम के प्रसंग पर आधारित पत्थरों से मूर्तियों को तैयार कर स्थापित किया गया है। जहां आने वाले श्रद्धालु रामलला का दर्शन करने के बाद पूरे रामायण का भी दर्शन प्राप्त करेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि राम मंदिर परिसर में भगवान राम के जीवन से जुड़े 150 प्रसंगों को श्रद्धालु देख सकेंगे, जिसे मंदिर के लोवर प्लिंथ पर श्रीडी में मूर्तियों को बनाया गया है।

डिजिटल अरेस्ट कर ठगे 5.50 लाख

अयोध्या। अयोध्या निवासी एक व्यक्ति को साइबर ठगों द्वारा डिजिटल अरेस्ट कर 5.50 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। मामले में कोतवाली नगर पुलिस ने केस दर्ज किया है। पीड़ित आशाराम गुप्ता निवासी आदर्श नगर कालोनी कोतवाली नगर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका सिविल लाइन स्थित सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया में खाता है। 11 अगस्त 2025 को मेरे मोबाइल नंबर पर फोन आया और कहा गया कि आपके खाते में साइबर फ्रॉड का रुपये जमा हुआ है। इसलिए आपके नाम पर एफआईआर दर्ज हो रही है। इस प्रकार मुझे डरा धमकाकर डिजिटल अरेस्ट करके मुझसे 5,50 लाख रुपये हड़प लिए। बताया कि बाद में मुझे अपने साथ साइबर फ्रॉड होने का अहसास हुआ तो मैंने सइबर क्राइम हेल्प लाइन 1930 पर फोन करके शिकायत दर्ज कराई। बाद में साइबर थाना अयोध्या गया तो मुझे बताया गया कि आपने जो रुपये जिस खाते में आरटीजीएस किए हैं, उसे होल्ड पर रखा गया है। नगर कोतवाल अश्विनी पांडेय ने बताया कि केस दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है।

अमृत विचार

अयोध्या, सोमवार, 12 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

प्रधान ने की चकरोड से अतिक्रमण हटवाने की शिकायत

बड़ागांव, अमृत विचार। सोहावल ब्लाक के सारंगपुर ग्राम प्रधान रामचंद्र रावत ने थानाध्यक्ष रौनाही लालचंद सरोज से चकरोड से अतिक्रमण हटवाने की शिकायत की। बताया कि ग्राम पंचायत के बदन का पूरा में लावारिस जानवरों के वास्ते को आश्रय केंद्र निर्माणाधीन है। उसके निर्माण के लिए निर्माण सामग्री ले जाने वाले रास्ते पर कुछ लोगों ने खाई लगवा दी है, जिससे निर्माण कार्य बंद है। वह लोग इसे अपनी बगिया बताते हैं। बगल में स्थित जमीन चकरोड के लिए आरक्षित है। इसमें कुछ लोगों कब्जा करके उसे बंद कर दिया है। शिकायत पर थानाध्यक्ष ने राजस्व निरीक्षक उदय राज के नेतृत्व में राजस्व व पुलिस टीम गठित कर उसे खाली कराने का निर्देश दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि राजस्व संबंधी कुल पांच शिकायतें आई हैं। एक का तत्काल निस्तारण कर दिया गया। अन्य का निस्तारण कराया जा रहा है।

विराट हिन्दू सम्मेलन व समरसता भोज का आयोजन

गोसाईगंज, अयोध्या। श्रृंगी ऋषि बाबा धाम में रविवार को विराट हिन्दू सम्मेलन एवं समरसता भोज का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम सुन्दर काण्ड के पाठ के साथ हुआ। कवि शनि गुप्ता ने मां भारती चालीसा का पाठ कर लोगों को सनातन संस्कृति से जुड़ने और राष्ट्र के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। श्रृंगी ऋषि धाम के महंत महेंद्र गोस्वामी ने अपने संबोधन में समाज से आपसी भेदभाव समाप्त कर समरसता एवं संगठन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। अध्यक्षता विन्देश्वरी श्रीवास्तव ने व संचालन राम बक्स सिंह ने किया। कार्यक्रम का समापन मां भारती की आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। रवि प्रताप सिंह, राम विभूति सिंह, योगेश्वर, आकाश, संदीप, सतेन्द्र सिंह, गजेन्द्र पांडेय समेत अन्य मौजूद रहे।

साइबर अपराध की रोकथाम के उपाय बताए

अयोध्या। साइबर जागरुकता अभियान के तहत रविवार को जिले के सभी थाना प्रभारियों द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्र के सभी साइबर वालंटियर व जनसेवा केन्द्र के संचालक के साथ बैठक कर साइबर अपराध की रोकथाम के उपाय बताए गए। इस दौरान भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं व ट्रोल फ्री नंबर तथा साइबर सुरक्षा से बचने के लिये महत्वपूर्ण जानकारी दी। साइबर वालंटियर को अपने अपने क्षेत्र मे जनता को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। नोडल अधिकारी एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि अयोध्या पुलिस द्वारा उन्हें ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया पर गोपनीयता की सुरक्षा और सुरक्षित डिजिटल लेन-देन के उपायों के बारे में विस्तार से बताया।

जुड़वा शहर की कनेक्टिविटी न के बराबर, स्थानीय लोग परेशान

वर्तमान में ई-बस ही है एकमात्र कनेक्टिविटी का साधन

अयोध्या कार्यालय।

शादी विवाह, त्योहार व पर्वों पर आने-जाने में स्थानीय लोगों को होती परेशानी

अमृत विचार : अयोध्या धाम और अयोध्या शहर की कनेक्टिविटी को लेकर इन दिनों स्थानीय निवासियों और व्यापारियों में गहरी नाराजगी है। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के बाद से शहर में श्रद्धालुओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, जिसका असर यातायात व्यवस्था पर भी पड़ा है। पर्याप्त साधन के अभाव में जुड़वा शहरों के लोगों को आने जाने में परेशानी हो रही है। इस समस्या को लेकर अयोध्या धाम व्यापार मंडल ने आवाज उठाई है, लेकिन अभी इसके नतीजे सामने नहीं आए हैं।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व तक दोनों शहरों कनेक्टिविटी के लिए बेहतर साधन थे। लता चौक से लेकर सहादतगंज तक आवागमन के लिए तकरीबन हर चौराहे से ऑटो, विक्रम व ई रिक्शा जैसे साधन थे। लोग आसानी से कम किराए में आ जा सकते थे। वर्ष 2024 में प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद अयोध्या में श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते अयोध्या धाम शहर में सुरक्षा व यातायात को लेकर तमाम बंदिशें लगाई गई हैं। आज रामपथ पर निषादराज चौराहे से लता चौक तक के मार्ग पर सिर्फ दो पहिया वाहनों को चलने की अनुमति है। सार्वजनिक परिवहन के नाम पर रामपथ पर लता चौक से सहादतगंज तक आने जाने के लिए एक मात्र सहारा ई-बस है। शुरुआत में करीब 200 बसों का संचालन शुरू किया गया था, लेकिन वर्तमान में इनकी संख्या घटकर मात्र 15 रह गई है। यह बसें श्रद्धालुओं के लिए ही अपर्याप्त है। हाल यह है कि यह बसें लता चौक से ही फुल हो जाती हैं। इसके चलते रास्ते में लोगों को जगह मिलना मुश्किल होता है। ऐसे में अयोध्यावासियों को अयोध्या धाम से अयोध्या शहर जाने के लिए निषादराज चौराहे तक का संपर्क अपने साधन या पैदल तय करना पड़ रहा है। इस संदर्भ में उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल अयोध्या धाम के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने बताया कि पूर्व में इसको लेकर प्रशासन से मांग की गई थी। तब ध्वजारोहण समारोह के बाद इस पर विचार करने की बात कही गई थी। अब नए सिरे से इस मांग को प्रशासन व जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखा जाएगा। इस संबंध में एसपी ट्रैफिक एपी सिंह से बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन रिसीव नहीं हुआ।

अंगद टीला मार्ग से रामलला के दर्शन कर वापस आते श्रद्धालु। अमृत विचार

आज भी अयोध्या में खरीदारी के लिए नहीं है बाजार

आज पुरानी अयोध्या अपने सांस्कृतिक वैभव को प्राप्त कर रही है। बीते दो सालों में यहां होटल, रेस्टारेंट, होम स्टे, गेस्ट हाउस, पूजन व प्रसाद सामग्री व पर्यटन कारोबार ने बड़ा स्वरूप लिया है, लेकिन आम जरूरतों की बाजार न के बराबर रह गई है। इससे पूर्व यहां का बाजार शादी विवाह व अन्य मांगलिक कार्यक्रमों के साथ त्योहारों पर ही आधारित था। विवाह आदि में उपहार देने के लिए एलईडी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, सोने-चांदी के जेवरात, कपड़े, फर्नीचर समेत अन्य सामानों की खरीदारी के लिए अयोध्या धाम के लोग विशेषकर महिलाएं आदि आसानी से उपलब्ध सार्वजनिक साधनों से अयोध्या शहर (पूर्व में फैजाबाद) आ जा सकते थे। यह बाजार अयोध्या में पहले व आज भी नहीं है। वर्तमान में स्थिति यह है कि यदि आपके पास निजी साधन नहीं है तो आपको आने जाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है।

स्थानीय लोगों को भूल गया प्रशासन

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अयोध्या धाम में गोल्फकार्ट, पिंक ऑटो जैसी बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध है। साथ ही यहां पर करीब 1500 के आस पास बैटरी ई रिक्शा का भी संचालन होता है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व यातायात पुलिस के एक निर्णय से स्थानीय लोगों को दोनों शहरों की कनेक्टिविटी पर ग्रहण लगा दिया। यातायात पुलिस ने ई रिक्शा संचालन को लेकर अयोध्या शहर व अयोध्या धाम को अलग अलग जोन में बांटकर एक दूसरे के जोन में जाने से रोक लगा दी। अब दोनों शहरों के लोगों आने जाने के लिए उदया चौराहे पर साधन को बदलना पड़ता है।

ई रिक्शा जैसे वाहनों को चलने की मिले अनुमति

प्रियंका अग्रवाल

रिकाबगंज निवासी प्रियंका अग्रवाल कहती हैं कि पहले दोनों शहरों में सार्वजनिक साधनों की कमी नहीं थी। अयोध्या दर्शन पूजन के लिए जाना हो या किसी निमंत्रण में, आसानी से आ जा सकते थे। प्रशासन को चाहिए कि सहादतगंज से नयाघाट तक ई रिक्शा जैसे वाहनों को चलने की अनुमति दे।

ममता श्रीवास्तव

अयोध्या शहर निवासी ममता श्रीवास्तव कहती हैं कि अब अयोध्या में किसी रिश्तेदार या शुभचिंतक के यहां निमंत्रण पर जाना हो तो किसी का सहारा लेना पड़ता है। पहले रात भर साधन चलते थे, आसानी से आना जाना होता था। जिला प्रशासन को इसके लिए ठोस प्रयास करना होगा।

शिवलाल यादव

अयोध्या धाम निवासी शिवलाल यादव कहते हैं कि पहले व आज भी अयोध्या की बाजार पूजन, प्रसाद कारोबार पर निर्भर थी। इलेक्ट्रॉनिक, फर्नीचर, कपड़े, जूते समेत अन्य जरूरी सामानों के लिए फैजाबाद जाना पड़ता था। आज साधनों की कमी के चलते आना जाना मुश्किल हो गया।

ठाकुर प्रसाद

अयोध्या धाम निवासी ठाकुर प्रसाद यादव का कहना है कि इसका खामियाजा विशेषकर महिलाओं, नौकरी पेशा, अधिवक्ता व स्कूली विद्यार्थियों को उठाना पड़ रहा है। वहीं, अन्य वैकल्पिक मार्गों जैसे परिक्रमा मार्ग पर सार्वजनिक परिवहन के चलने की अनुमति होनी चाहिए।

फौजी के घर में लाखों की चोरी

मिल्कीपुर, अयोध्या।

- **इनायतनगर थाना क्षेत्र के कुंभी गांव निवासी वायु सैनिक चंडीगढ़ में हैं तैनात**

अमृत विचार : इनायतनगर थाना क्षेत्र के कुंभी गांव निवासी फौजी के घर में चोरों ने चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोर सोने-चांदी के कीमती आभूषणों, नकदी और अन्य सामान सहित करीब दस लाख रुपये का सामान चुरा ले गए। ग्रामीणों का आरोप है कि दो दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज न किया जाना गंभीर चिंता का विषय है।

कुंभी गांव निवासी बम बहादुर यादव भारतीय वायु सेवा में चंडीगढ़ में तैनात हैं। वह छुट्टियां बिताने के बाद 4 दिसंबर को घर में ताला बंद कर परिवार सहित वापस ड्यूटी पर लौट गए थे। इसी बीच 6 जनवरी को उन्होंने अपने जीजा रामसूरत निवासी तालढोली, थाना खंडासा को घर में खड़ी बाइक की नंबर प्लेट लगवाने के लिए भेजा। घर पहुंचने पर रामसूरत ने देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है और कमरों का सामान बिखरा पड़ा है। आलमारी और बक्सों के ताले टूटे मिले, जिससे चोरी की पुष्टि हो गई। सूचना मिलते ही वह शुक्रवार की शाम परिवार सहित घर पहुंचे। अंदर का नजारा देखकर वे स्तब्ध रह गए। आलमारी के लॉकर और बक्सों को तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात, नकदी और अन्य कीमती सामान गायब था। पीड़ित के अनुसार उनकी पत्नी और बहू के जेवर समेत लाखों रुपये का सामान चोरी हुआ है। उन्होंने इनायत नगर थाने में तहरीर देकर चोरी के माल की बरामदगी और चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष रतन कुमार शर्मा ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है, जांच की जा रही है।

निशुल्क नेत्र शिविर में 300 मरीजों को जांचा, कंबल बांटा

पटरंगा, अयोध्या। अमृत विचार : मवई स्थित ग्लोकल पब्लिक स्कूल रायपुर गुलरिया में रविवार को नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 300 मरीजों की जांच की गई। इस अवसर पर जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया गया। स्कूल के प्रबंधक जैनुल आब्दीन द्वारा आयोजित इस शिविर में अयोध्या आई हॉस्पिटल के नेत्र सर्जन डॉ संदीप यादव ने नेत्र परीक्षण कर उन्हें दवा वितरित की। कुछ मरीजों को निशुल्क चश्मा भी दिया गया। प्रबंधक ने क्षेत्र के गरीब और असहाय लोगों को निशुल्क कम्बल वितरण किया। इस मौके पर कॉलेज के मैनेजिंग डायरेक्टर ललित कुमार मिश्र, अमरेश कुमार, मोहम्मद ताहिर, रामकेवल और आशुतोष पांडे सहित अन्य मौजूद रहे।

स्टार क्लब अयोध्या ने रॉकी-11 क्लब को हराया

तारुन, अयोध्या।

अमृत विचार : तारुन बाजार में आयोजित एआरसीसी कप रूल आउट कैनवस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का शनिवार की शाम आगाज हुआ। शुभारंभ परशुराम वर्मा स्मारक महिला महाविद्यालय के प्रबंधक प्रेम कुमार वर्मा व वीरेंद्र वर्मा ने फीता काटकर एवं गुब्बारा हवा में छोड़कर किया।

पहले मैच में स्टार क्लब अयोध्या ने रॉकी-11 क्लब को 6 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रॉकी 11 ने 6 ओवरों में 38 रन का स्कोर खड़ा किया, जिसे स्टार क्लब अयोध्या ने 6 विकेट से जीत लिया। ग्रुप 2 के मुकाबले में ज्ञान कोचिंग नंसा और हैदरगंज के बीच खेला गया, जिसमें ज्ञान कोचिंग नंसा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करके निर्धारित ओवरों में 41 रन बनाए। जिसे हैदरगंज की टीम ने पांच विकेट से जीत लिया। एक अन्य मुकाबले में ओम क्रिकेट क्लब अयोध्या ने नंसा की टीम को 7 विकेट से हराया। आयोजन समिति के पंकज निषाद, अजीत सिंह, धर्मेंद्र वर्मा, प्रशांत वर्मा, मनीष सिंह, प्रवीण वर्मा सहित तमाम खेल प्रेमी मौजूद रहे। निर्णायक की भूमिका विवेक सिंह, मनीष सिंह, अमर सिंह ने निभाई।

रूल आउट कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का फीता काटकर उद्घाटन करते प्रबंधक प्रेम कुमार वर्मा व अन्य।

- **एआरसीसी कप रूल आउट कैनवस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ**

हिंदी को राष्ट्रभाषा घोषित करना होगा: अजय कांत

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : विश्व हिंदी दिवस पर हिन्दी प्रचार प्रसार सेवा संस्थान व अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में तुलसी स्मारक भवन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में शामिल अपर आयुक्त प्रशासन अजय कांत सैनी ने कहा कि हिंदी के विश्वव्यापी विकास के लिए भारत सरकार को हिंदी को राष्ट्र भाषा घोषित करना होगा तभी देश का वास्तविक विकास होगा। वहीं दशरथ गद्दी के महंत बृज मोहन दास ने कहा कि मातृभाषा हिंदी ने अपने सुमधुर पद लालित्य एवं मृदुलता, सहजता सरलता की वजह से विश्व व्यापी स्वरूप हासिल किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में संत मिथिला बिहारी दास जी महाराज ने कहा कि हिंदी राम कथा में संत तुलसीदास जी द्वारा रचित रामचरितमानस की वजह से विश्व प्रसिद्ध हुई। विशिष्टअतिथि के रूप में बोलते हुए एसओसी अम्बेडकरनगर राज किशोर मौर्य ने कहा कि हिंदी को जब तक राष्ट्रभाषा नहीं घोषित किया जाता तब तक वह अपना वास्तविक स्वरूप नहीं प्राप्त कर सकती है। मुख्य वक्ता के रूप गोरखपुर के पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने कहा कि हिंदी की समृद्धता उसके अपनत्व मई भाषा स्वभाव के कारण ही आज संपूर्ण विश्व में दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा के रूप में विख्यात है। वहीं समारोह में अन्त में काव्योत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से आशु कवि अशोक टाटम्बरी, शैलेंद्र पांडेय, मासूम लखनवी, चंद्रगत भारती, अंकिता तिवारी, पूनम मिश्रा, सुनीता पाठक, रमणीक पांडेय, प्रतिभा तिवारी, वन्दना सिंह, विमलेश यादव, कामेश मणि पाठक, सहित तमाम कवियों ने अपनी काव्य रचनाओं के माध्यम से समां बांधा। समारोह का संचालन करते हुए हिंदी संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. सम्राट अशोक ने किया। संस्थान की राष्ट्रीय सचिव आचार्य शशि मौर्य, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विंध्यवासिनी शरण पांडिया, संरक्षक मंडल सदस्य अनिरुद्ध समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

विश्व हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि।

कंबल वितरित करते जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र वर्मा।

स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सक ने गरीबों को बांटे कंबल

अयोध्या, अमृत विचार : थाना पूराकलंदर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पलिया गोवा में स्वास्थ्य शिविर एवं कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन ग्राम प्रधान परशुराम वर्मा के सौजन्य से संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. वीरेंद्र वर्मा ने शिविर में 102 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। परीक्षण में 26 मधुमेह, 40 उच्च रक्तचाप, 30 सीओपीडी व छह अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों की पहचान की गई। इन सभी मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श और दवाइयां प्रदान की गईं। कार्यक्रम के दौरान 200 जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किए गए। ग्राम प्रधान परशुराम वर्मा ने डॉ. वीरेंद्र वर्मा को श्री राम जन्मभूमि का प्रतीक चिन्ह एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मान किया।

मनरेगा से गांधीजी का नाम हटाए जाने पर कांग्रेस का उपवास

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने और योजना के प्रारूप में बदलाव के विरोध में कांग्रेसियों ने एक दिवसीय उपवास रखा। उपवास के कांग्रेस कार्यालय पर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर गोष्ठी का आयोजन किया गया।

जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में सिविल लाइन स्थित गांधी पार्क में आयोजित उपवास कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष चेत नारायण सिंह ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की जीवनरेखा है। कहा कि मनरेगा के प्रारूप में बदलाव और गांधी जी का नाम हटाने की मंशा यह दर्शाती है कि केंद्र सरकार की नीयत और नीति दोनों ही मजदूर-किसान विरोधी हैं। कांग्रेस पार्टी इस जनविरोधी कदम को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी और लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगी। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कृष्णा गौतम ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार महात्मा गांधी के विचारों और प्रतीकों को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मनरेगा ने करोड़ों ग्रामीण परिवारों को सम्मानजनक रोजगार दिया है। आज सरकार इस योजना की आत्मा को खत्म करने पर तुली है। कार्यक्रम में पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा, प्रवक्ता शीतला पाठक, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप निषाद, उमेश उपाध्याय, बृजेश रावत, बसंत मिश्रा, नाजिश फातिमा, मो. आरिफ, अनंत राम सिंह, धर्मेंद्र सिंह, फिरोज अंसारी, रामनाथ शर्मा, अशोक कुमार शर्मा उर्फ कल्लू शर्मा, प्रेम कुमार पांडे, पूर्व सभासद जनार्दन मिश्रा सहित अन्यलोग मौजूद रहे।

गांधी पार्क में उपवास पर बैठे कांग्रेस के पदाधिकारी। अमृत विचार

- **कहा-केंद्र सरकार की नीयत व नीति मजदूर-किसान विरोधी**

अब गरमाएगी कांग्रेस की भी सियासत

- **आज जारी होगी सौ दिवसीय कार्ययोजना**

अयोध्या, अमृत विचार: अब कांग्रेस की सियासत भी गरमाएगी। मनरेगा के ज्वलंत मुद्दे के साथ ही संगठन की मजबूती के लिए कांग्रेस सौ दिन के कार्यक्रमों की तैयारी में है। इसको लेकर प्रियंका गांधी के जन्म दिन पर सोमवार को घोषणा की जाएगी।

कांग्रेस संगठन की मजबूती के साथ ही विरोध की सियासत को धार देने का प्रयास कर रही है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व यूपी प्रभारी अविनाश पाण्डेय इसका नेतृत्व कर रहे हैं। उनके निर्देश पर 12 जनवरी को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेस आगामी सौ दिवसीय कार्ययोजना की घोषणा करेगी। इसकी घोषणा प्रदेश के सभी मंडल मुख्यालयों पर पत्रकार वार्ताओं के जरिए की जाएगी। अयोध्या में इसकी घोषणा पूर्व सांसद डॉ निर्मल खत्री घोषणा करेंगे। इसमें कांग्रेस के जिलाध्यक्ष चेतनारायण सिंह व महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम के साथ अन्य लोग मौजूद रहेंगे। प्रवक्ता शीतला पाठक ने बताया कि सौ दिन के कार्यक्रमों में मनरेगा के साथ ही सांगठनिक मजबूती के साथ दूसरे कार्यक्रम शामिल होंगे।

प्रतियोगिता | **बालिका पेन्टाथलान में मिर्जापुर की आरती रहीं अव्वल, प्रदेशीय सबजूनियर एथलेटिक्स की विजेता हुईं पुरस्कृत**

मिडले रिले में अयोध्या हॉस्टल टीम ने बाजी मारी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: प्रदेशीय समन्वय सबजूनियर बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता के 1000 मीटर मिडले रिले स्पर्धा में अयोध्या हॉस्टल टीम ने बाजी मारी। वहीं पेन्टाथलान स्पर्धा में मिर्जापुर की आरती यादव अव्वल रहीं। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी अनिमेष सक्सेना ने प्रतियोगिता की विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

डाभासेमर के डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल में हुई प्रदेशीय सबजूनियर बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता के 3000 मीटर वॉक रेस स्पर्धा में मेरठ की वंशिका प्रथम, प्रयागराज की अनुष्का द्वितीय व सहारनपुर की राधिका तृतीय रहीं। 800 मीटर दौड़ में वाराणसी की बिन्दु पटेल प्रथम, अयोध्या की आयुषी यादव द्वितीय व प्रयागराज की खुशी तृतीय रही। 400 मीटर दौड़ में अयोध्या की कोमल यादव प्रथम, अयोध्या की गीता यादव द्वितीय व वाराणसी की शिवांगी तृतीय रहीं। 200 मीटर दौड़ में अयोध्या की कोमल यादव प्रथम, अयोध्या की गीता यादव द्वितीय व लखनऊ की अनामिका तृतीय रहीं। 100 मीटर फर्राटा दौड़ में अयोध्या की शमा बानो प्रथम, देवी पाटन की कंचन द्वितीय व अयोध्या की रंजना तृतीय रहीं। हाई जंप में वाराणसी की अंकिता प्रजापति प्रथम, प्रयागराज की रिया सरोज द्वितीय व अलीगढ़ की निशा कुमारी तृतीय रहीं। डिस्कस थ्रो में बस्ती की अंश प्रथम, आजमगढ़ की साक्षी चौहान द्वितीय व मेरठ की ईशा मावी तृतीय रहीं। पेन्टाथलान में मिर्जापुर की आरती यादव प्रथम, वाराणसी की अंकिता प्रजापति द्वितीय व वाराणसी की सेजल यादव तृतीय रहीं। मिडले रिले में अयोध्या टीम प्रथम, वाराणसी टीम द्वितीय व आजमगढ़ टीम तृतीय रही। इस मौके पर उप क्रीड़ाधिकारी विवेक कुमार, शकील अहमद अंसारी, मुकेश कुमार सिंह, सीडी सिंह, कुलदीप श्रीवास्तव, प्रशिक्षक, ऑफीसियल व खेल प्रेमी मौजूद रहे।

प्रदेशीय सबजूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता की विजेता खिलाड़ी आरएसओ अनिमेष सक्सेना के साथ। अमृत विचार

नौजवानों को लेनी चाहिए सेनानी बिगुलर से प्रेरणा

अयोध्या कार्यालय

- **समाज के संभ्रांत लोगों ने दी सेनानी को श्रद्धांजलि**

अमृत विचार: अयोध्या ऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन धर्मेन्द्र प्रताप सिंह टिल्लू ने आगे कहा जिले में असंख्य स्वाधीनता सेनानियों ने देश की आजादी के लिए लड़ाईयाँ लड़ीं उन्हीं सेनानियों में सेनानी महाबीर प्रसाद गुप्ता बिगुलर ने अंग्रेजों के विरूद्ध जंग सी छेड़ रखी थी। उन्हें कई बार जेल की काल कोठरी में डाला गया। वह कचेहरी स्थिति सेनानी भवन में सेनानी बिगुलर को श्रद्धांजलि समारोह में बोल रहे थे।

कहा कि आज के नौजवानों को सेनानी बिगुलर से प्रेरणा लेनी चाहिए। अधिवक्ता संघ के निवर्तमान महामंत्री गिरीश चन्द्र तिवारी ने कहा कि शहीदों व सेनानियों के बलिदान व उनके त्याग के रूप में जो हम सब पर उनका जो ऋण है वह देश कभी चुका नही सकता, सेनानी बिगुलर ने अपने जीवन का सर्वस्य न्यौछावर कर रखा था आजादी की लड़ाई में। समारोह को केन्द्रीय दुर्गापूजा एवं रामलीला समन्वय समिति के जिलाध्यक्ष मनोज जायसवाल ने कहा कि बिगुलर जी ने अयोध्या के स्वतन्त्रता आन्दोलन को एक नई दिशा व एक नई पहचान दी थी। सुभाष चन्द्र बोस राष्ट्रीय विचार मंच के अध्यक्ष/संयोजक शक्ति सिंह ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम अपने आने वाली पीढ़ी के सामने आजादी के इन सिपाहियों की गौरव गाथा प्रस्तुत करें। काग्रेंस नेता राजेन्द्र पताप सिंह ने कहा कि भावी पीढ़ी को इनके किए गए कार्यो के बारे में जानकारी दें। संचालन करते हुए सेनानी परिषद के सचिव मनोज मेहरोत्रा ने सेनानी बिगुलर के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

समारोह को जनवादी नेता सत्यभान सिंह, पंकज द्विवेदी, अजय वर्मा एडवोकेट, प्रदीप कुमार चौबे एडवोकेट, राजीव शुक्ला एडवोकेट, प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव सम्बोधित किया। श्रद्धांजलि सभा में सैनानी वंशज तरूण गुप्ता डम्पी, वैश्य समाज नेता देवेन्द्र अग्रहरि, उग्रसेन मिश्रा, धर्मेन्द्र सिंह फास्टर, सरदार एकबाल सिंह, करमजीत सिंह, योगेश पाण्डेय, शशिधर पाण्डेय, सुख सागर गुप्ता चौधरी, सहित अन्य लोग शामिल थे।

आधुनिक शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा रामायण विश्वविद्यालय

विचार-विमर्श कार्यक्रम में स्कूल व उच्च शिक्षण संस्थानों में तालमेल बनाने पर मंथन, करियर और शोध के मिलेंगे बेहतर अवसर

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : अवध क्षेत्र में शिक्षा और संस्कृति को आगे बढ़ाने की दिशा में महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय द्वारा एक विशेष सम्मान एवं विचार-विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि शिक्षा केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें संस्कृति, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी भी शामिल होनी चाहिए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने पाई फाउंडेशन और विस्टामाइंड के सहयोग से शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहे स्कूल प्रिंसिपल्स को सम्मानित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूलों और उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल बनाना और यह समझना रहा कि छात्रों को स्कूल स्तर से ही उच्च शिक्षा के लिए कैसे तैयार किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा से जुड़े लोगों ने आपस में विचार साझा किए और इस बात पर चर्चा की कि यदि स्कूल और विश्वविद्यालय मिलकर काम करें तो छात्रों को आगे की पढ़ाई, करियर और शोध के बेहतर अवसर मिल सकते हैं। इस चर्चा में यह भी बताया गया कि महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय इस दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है।

रामायण विवि में आयोजित कार्यक्रम में लोक नृत्य की प्रस्तुति करता कलाकार एवं प्रिंसिपल को सम्मानित करते मुख्य अतिथि मणि शंकर तिवारी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मणि शंकर तिवारी, अध्यक्ष, प्रिंसिपल एसोसिएशन ने कहा कि ऐसे आयोजन स्कूलों और विश्वविद्यालयों के बीच दूरी को कम करते हैं और शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं। वहीं मदन मोहन त्रिपाठी चेयरमैन, जीडी गोयनका स्कूल, अयोध्या ने कहा कि आज के समय में स्कूल और विश्वविद्यालय का साथ आना बहुत जरूरी है, ताकि छात्रों को सही दिशा मिल सके। इस मौके पर विश्वविद्यालय की ओर से डायरेक्टर कॉरपोरेट अफेयर्स रतीश गुप्ता ने कहा कि महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय अपनी भारतीय संस्कृति और रामायण परंपरा को साथ लेकर आधुनिक शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का प्रयास है कि शिक्षा केवल नौकरी पाने तक सीमित न रहे, बल्कि छात्रों का सर्वांगीण विकास हो। कार्यक्रम में हर्षवर्धन सिंह, संगीता शर्मा, सरित घोष, डॉ. विनय कुमार झा, अंशुमान देव गुप्ता और धर्मवीर यादव भी मौजूद रहे। सभी ने शिक्षा के विकास और सहयोग पर अपने विचार रखे।

जागरूक वर्ग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण

शुजागंज, अयोध्या।

अमृत विचार : आज समाज के शिक्षित और जागरूक वर्ग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। युवाओं को सही दिशा, नैतिक मूल्य और संस्कार प्रदान किए बिना किसी भी समाज का सशक्त और आत्मनिर्भर बनना संभव नहीं है। हिंदू समाज की एकता, संगठनात्मक शक्ति और संस्कार ही राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत हैं। यह बात संघ के प्रांत प्रचारक प्रमुख यशोदानंद ने कही। वह रविवार को रुदौली क्षेत्र के शुजागंज स्थित शिव मंदिर पक्का तालाब परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में आयोजित हिंदू सम्मेलन एवं प्रबुद्ध वर्ग संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने बाल्यकाल से लेकर आज तक के स्वयंसेवक के रूप में किए गए कार्यों और अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज और राष्ट्र सेवा को समर्पित कर दिया है। जिला कार्यवाह वेद प्रकाश, संघ संचालक राजेश कुमार, खंड कार्यवाह संतोष कुमार, राकेश कुमार, अनुशील सिंह, हर्षित कुमार, डॉ. रामूराज, माधुरी सिंह, आनंद गुप्ता, शिव गोविंद पांडे सहित सैकड़ों की संख्या में संघ स्वयंसेवक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मित्रता से बड़ा कोई धन नहीं : आचार्य सुरेंद्र

पूराबाजार, अयोध्या

अमृत विचार: पूराबाजार ब्लाक के अंजना मजरे हरिनरायनपुर केशवपुर स्थित प्राचीन बाबा परमहंस के तपोस्थली पर चल रही आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के समापन अवसर पर कथा व्यास आचार्य सुरेंद्र जी महराज ने कहा कि मित्रता से बड़ा कोई धन नहीं होता।

जिसका संसार से मित्रतापूर्ण व्यवहार है वह सबसे बड़ा धनवान है। विधायक अभय सिंह ने पहुंचकर आरती उतारी, आशीर्वाद लिया। कहा कि भागवत महापुराण का सदा श्रवण करना चाहिए, जितना समय सत्संग हरिनाम संकीर्तन में लगता वह समय ही

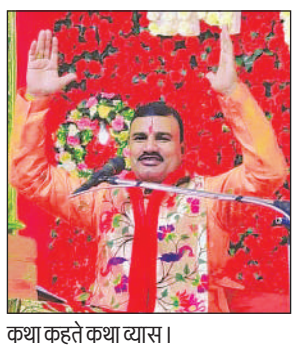

कथा कहते कथा व्यास।

जीवन में सदुपयोगी है। कथा व्यास ने सुदामा चरित्र की कथा सुनाते हुए कहा कि श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता यह सिखाती है कि मित्रता में सिर्फ प्रेम देखना चाहिए न कि मित्र अमीर है या गरीब, छोटा है या बड़ा इसलिए किसी व्यक्ति को छोटा नहीं समझना चाहिए। किसी भी व्यक्ति को हीन भावना से नहीं देखना चाहिए। कथा व्यास ने समाज को जागरूक करते हुए कहा कि कथा, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की हो या भगवान श्रीकृष्ण की अवश्य सुनना चाहिए कथा श्रवण से जीव का कल्याण होता है। समापन अवसर पर मुख्य यजमान पूर्व जिला पंचायत सदस्य शंभूनाथ सिंह दीपू, नीलम सिंह, अधिवक्ता चंद्रमौलि सिंह, शिक्षक आशुतोष पाण्डेय, केदारनाथ पाण्डेय, दिनेश मिश्रा, डॉ ओम प्रकाश सिंह, जिपंस देवता प्रसाद पटेल, महेंद्र सिंह, सुभाष सिंह रहेरवा, अशोक तिवारी, संतोष पांडेय सहित भारी संख्या में लोगों ने कथा का रसपान किया।

नेत्रहीन राष्ट्रीय गोल बॉल प्रतियोगिता की प्रदेश टीम रवाना

अयोध्या, अमृत विचार : पटना में आयोजित 5वीं नेत्रहीन राष्ट्रीय गोल बॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली उप्र टीम डाभासेमर के डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल से रवाना हुई। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अनिमेष सक्सेना ने टीम के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि उप्र गोल बॉल टीम का उप्र गोल बॉल संघ के तत्वावधान में ट्रायल के बाद चयन किया गया। गोल बॉल के प्रशिक्षक रितिक पाल को टीम का प्रतिनिधित्व सौंपा गया है। टीम में मुरादाबाद के मोनू कुमार, अलीगढ़ के सौरभ चौधरी, प्रयागराज के हीरा लाल, बुलन्दशहर के बोबी, मथुरा के गोविन्दा व आगरा के शेखर चयनित हुए हैं।

मधुमक्खी पालन से आत्मनिर्भर बने दयाशंकर

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। जनपद के ग्रामीण इलाकों में एक नई कहानी गूंज रही है, जो मेहनत और सरकारी योजनाओं और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का बेहतरीन उदाहरण पेश करती है। ग्राम कबीरपुर कसेरूआ विकास खंड अकबरपुर के निवासी दयाशंकर पुत्र माताप्रसाद ने उद्यान विभाग के सहयोग से मधुमक्खी पालन का कार्य शुरू किया। आज यह कार्य न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रहा है, बल्कि पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। वह राष्ट्रीय बाजार तक छाए हुए हैं।

बता दें कि दयाशंकर ने एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत सहायता प्राप्त कर मधुमक्खी पालन की शुरुआत की। यह योजना केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त पहल है, जो बागवानी के साथ-साथ मधुमक्खी पालन, फूलों की खेती, शाक-सब्जियों और मशीनीकरण को बढ़ावा देती है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने किसानों को स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करने के लिए इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया है।

अकबरपुर के ग्राम कबीरपुर कसेरूआ में मुधुमक्खी पालन करते किसान दयाशंकर।

वर्तमान में दयाशंकर 500 बॉक्स के साथ मधुमक्खी पालन कर रहे हैं। उनके पास शहद निष्कासन के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरण भी उपलब्ध हैं। एक वर्ष में वह लगभग 500 कुंतल यानी 50 हजार किलोग्राम शुद्ध शहद का उत्पादन कर रहे हैं। यह शहद स्थानीय बाजारों से लेकर लखनऊ तक बिकता है। खास बात यह है कि उनका शहद देश की प्रमुख कंपनियों जैसे डाबर, हमदर्द और पतंजलि तक पहुंच रहा है। यह कंपनियां उच्च गुणवत्ता वाले शहद की मांग करती हैं और दयाशंकर की मेहनत से उत्पादित शहद इस मानक पर खरा उतरता है।

उद्यान अधिकारी बोले

जिला उद्यान अधिकारी धर्मेंद्र चंद्र चौधरी ने बताया कि जनपद अब मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में एक नया केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। दयाशंकर जैसे सफल किसान न केवल अपनी तकदीर बदल रहे हैं, बल्कि पूरे समाज को नई दिशा दे रहे हैं। यदि आप भी मधुमक्खी पालन में रुचि रखते हैं, तो निकटतम उद्यान विभाग या कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। स्वरोजगार का यह रास्ता निश्चित रूप से उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा रहा है।

ई-रिक्शा की टक्कर से घायल बच्ची की मौत

जलालपुर, अंबेडकरनगर।

- पुलिस ने मामले में दर्ज किया था मुकदमा, पोस्टमार्टम को भेजा शव

अमृत विचार। बीते तीन जनवरी को ई-रिक्शा की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुई छह वर्षीय बच्ची ने रविवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मामला जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के माधवपुर गांव का है। गांव निवासी ईश्वर चंद्र पुत्र राम बहादुर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीते तीन जनवरी को उनकी 6 वर्षीय पुत्री अन्नू घर के बगल स्थित परचून की दुकान से खाने का सामान लेने गई थी। इसी दौरान विपक्षी अर्जुन पुत्र राजेंद्र गोस्वामी निवासी मरहरा ई-रिक्शा लेकर शराब के नशे में दुल्हूपुर से कर्बला रोड होते हुए अपने घर की ओर जा रहा था। आरोप है कि ई-रिक्शा चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए अन्नू को रिक्शे के अगले पहिए से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद चालक ई-रिक्शा छोड़कर मौके से फरार हो गया। गंभीर चोट लगने से बच्ची कोमा में चली गई थी। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

जहांगीरगंज, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। आलापुर थाना क्षेत्र के महेशपुर मंडप गांव में युवक का शव संदिग्ध हालात में पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान महेशपुर मंडप गांव निवासी जय प्रकाश निषाद (45) के रूप में हुई है। वह गांव के बाहर स्थित तालाब की रखवाली का काम करते थे। शनिवार को भी वह रोजाना की तरह तालाब की रखवाली के लिए गए थे। रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने उनका शव गांव के बाहर एक बरगद के पेड़ पर संदिग्ध परिस्थितियों में लटका हुआ देखा। आलापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पेड़ से उतारकर कब्जे में लिया।

जमीन विवाद के दौरान बिगड़ी हालत, अधेड़ की गिरकर मौत

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। जनपद के अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के अरिया गांव में जमीनी विवाद के दौरान एक अधेड़ की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

अरिया गांव में रामलीला की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। रामलीला समिति इस जमीन को अपना बताती है, जबकि पैमाइश के बाद यह जमीन ओम प्रकाश और राम कुमार के नाम दर्ज बताई गई है। रविवार सुबह ओम प्रकाश और ओमकार दर्जनों लोगों के साथ इस जमीन पर कब्जा करने की नीयत से तोडफ़ोड़ करने लगे। रामलीला समिति के लोगों ने इसका विरोध किया। इसी दौरान वहां मौजूद 50 वर्षीय कृष्ण कुमार अचानक जमीन पर गिर गए और बेहोश हो गए। कृष्ण कुमार को अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अकबरपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा कर मामला शांत कराया। अकबरपुर कोतवाली प्रभारी श्रीनिवास पांडेय ने बताया कि प्रथम दृष्टया व्यक्ति की मौत हार्ट अटैक से हुई प्रतीत होती है। किसी तरह की मारपीट नहीं हुई है और मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

एडीएम ने महोत्सव की तैयारियों का लिया जायजा

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। जनपद की तहसील अकबरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत चियूंटीपारा में स्थित महात्मा श्रवण कुमार की निर्वाण स्थली पर आगामी 18 से 20 जनवरी तक आयोजित होने वाले भव्य श्रवण धाम महोत्सव की तैयारियों का अपर जिलाधिकारी न्यायिक रंजीत सिंह ने स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महोत्सव के सकुशल आयोजन के लिए गठित समस्त समितियों के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने श्रवण धाम परिसर का गहन निरीक्षण कर साफ-सफाई, रंगाई-पुताई, साज-सज्जा, दीपोत्सव के अंतर्गत घाटों पर दियों की सुव्यवस्थित व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने परिसर स्थित पर्यटक गेस्ट हाउस में नोडल अधिकारियों के साथ बैठक कर महोत्सव के तीनों दिवसों में प्रस्तावित कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा किया तथा सभी समितियों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय सीमा में समस्त तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने कहा कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से आयोजित हो रहा यह ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महोत्सव जनपद की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

सिटी डायरी

स्वास्थ्य विभाग ने बिना एनओसी के संचालित 18 अस्पतालों को भेजा नोटिस

अंबेडकरनगर। अमृत विचार। जनपद में स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 65 से अधिक निजी अस्पतालों, क्लीनिकों और नर्सिंग होम्स को चिन्हित किया है। इन प्रतिष्ठानों के पास फायर सेफ्टी और बायो मेडिकल वेस्ट निस्तारण से संबंधित अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं हैं। विभाग ने इनमें से 18 अस्पतालों को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि जनपद में वर्तमान में 100 से अधिक निजी अस्पताल, क्लीनिक और नर्सिंग होम्स संचालित हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि इनमें से अधिकांश के पास न तो अग्नि सुरक्षा से संबंधित एनओसी है और न ही अस्पतालों से निकलने वाले बायो मेडिकल वेस्ट के सुरक्षित और वैज्ञानिक निस्तारण की कोई समुचित व्यवस्था मौजूद है। इस गंभीर स्थिति से न केवल मरीजों और अस्पताल कर्मचारियों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है, बल्कि पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पडने की आशंका है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार शैवाल ने बताया कि जिन अस्पतालों में आवश्यक मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है, उन्हें सख्त चेतावनी दी गई है। नोटिस प्राप्त करने वाले सभी प्रतिष्ठानों को एक सप्ताह का समय दिया गया है ताकि वह सभी अनिवार्य दस्तावेज और सुरक्षा मानकों को पूरा कर सकें। यदि निर्धारित समय-सीमा में इन निर्देशों का पालन नहीं किया जाता है तो संबंधित अस्पतालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

किशोरी का शोषण करने वाला किशोर हिरासत में, बाल न्यायालय भेजा गया

जलालपुर, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। शादी का झांसा देकर नाबालिग किशोरी का शारीरिक और मानसिक शोषण करने के मामले में मालीपुर पुलिस ने आरोपी किशोर को हिरासत में लेकर बाल न्यायालय भेज दिया है। मामला मालीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पीडिता के पिता ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि गांव का ही 17 वर्षीय किशोर उनकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर शादी का झांसा देता रहा और बीते करीब दो वर्षों से उसका शारीरिक शोषण करता रहा। इस दौरान आरोपी द्वारा किशोरी को लगातार मानसिक रूप से प्रताडित भी किया जाता था। परिजनों के अनुसार आरोपी के उत्पीडन से तंग आकर किशोरी ने बीते 9 जनवरी को शाम करीब 4 बजे अत्यधिक मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। समय रहते परिजनों ने दरवाजा तोडकर किसी तरह उसकी जान बचाई। पीडिता के पिता ने आशंका जताई कि विपक्षी के दबाव और प्रताडना के चलते उनकी पुत्री ने यह जघन्य कदम उठाने की कोशिश की। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के विरुद्ध पास्को एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। इसी क्रम में रविवार सुबह मुखबिर की सूचना पर मालीपुर पुलिस ने खजूरी करौदी क्षेत्र से आरोपी किशोर को उस समय हिरासत में लिया है। मालीपुर थाना अध्यक्ष स्वतंत्र कुमार मौर्य ने बताया कि आरोपी बाल अपचारी को हिरासत में लेकर नियमानुसार बाल न्यायालय भेज दिया गया है।

डूबने से हुई युवक की मौत, पीएम रिपोर्ट में हुआ खुलासा

जलालपुर, अंबेडकरनगर। अमृत विचार : बीते शनिवार को जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के फरीदपुर गांव में युवक के घर के पास ही मिले शव के मामले में हो रही तमाम अटकलों और चर्चाओं पर आखिरकार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद विराम लग गया है। पीएम रिपोर्ट के अनुसार युवक की मौत पानी में डूबने से हुई है। बता दें कि फरीदपुर गांव निवासी उमेश पुत्र रामदुलार जलालपुर कस्बे में नरेश जायसवाल की दुकान पर पल्लेदारी का कार्य करता था। वह प्रतिदिन की तरह काम समाप्त कर घर लौटता था, लेकिन शुक्रवार को वह घर नहीं पहुंचा। शनिवार की सुबह करीब 7:30 बजे गांव के बाहर सडक़ किनारे शव पड़े होने की सूचना स्थानीय लोगों ने मृतक के भाई नरेश को दी। जलालपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव मिलने के बाद क्षेत्र में युवक की मौत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पीएम रिपोर्ट में युवक की मौत का कारण पानी में डूबना बताया गया है। पुलिस रिपोर्ट के आधार पर आगे की आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है। पीएम रिपोर्ट के बाद जहां परिजनों और ग्रामीणों में फैली आशंकाओं का अंत हुआ है, वहीं प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील किया है।

जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करते आप कार्यकर्ता। अमृत विचार

बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न के विरोध में प्रदर्शन

संवाददाता, आजमगढ़। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने प्रांत अध्यक्ष राजेश यादव की उपस्थिति एवं जिलाध्यक्ष रविंद्र यादव के नेतृत्व में रविवार को विरोध प्रदर्शन करने के बाद जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन देकर भारत सरकार की चुप्पी पर गंभीर सवाल उठाया। प्रांत अध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतने गंभीर हालात के बावजूद केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से अब तक कोई ठोस एवं प्रभावी कार्रवाई सामने नहीं आई है। प्रदेश उपाध्यक्ष कृपाशंकर पाठक ने कहा कि बांग्लादेश की घटनाओं को लेकर आम आदमी पार्टी भारत सरकार से तत्काल कठोर कार्रवाई की मांग करती है। जिलाध्यक्ष रविंद्र यादव ने कहा कि भारत का संविधान हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है, न कि मौन रहने की। कार्यक्रम में जिला प्रभारी कमलेश सिंह, शरद चंद राघव, अमरनाथ यादव, एमपी यादव, संतोष सिंह, रमेश यादव, अरुण मौर्य, पदम चौहान, छोटेलाल, अंगद यादव, बृजेश मोदनवाल, सोनू यादव, हरिनाथ, रूपेश विश्वकर्मा, पीयूष कुमार, नींबू लाल, संजय, रामबृक्ष यादव, महेंद्र राम, तनवीर रिज़वी, जीवन ज्योति, आशीष मौर्य, रमेश चंद,शनि गुप्ता, रानू यादव, उपेंद्र यादव, राम प्रसाद यादव, अजय, संतराज, आरिफ खान, जितेंद्र आदि उपस्थित रहे।

पात्र मतदाता जुड़वाएं सूची में नाम

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दृष्टिगत रविवार को जनपद के समस्त बूथों पर वर्तमान में प्रकाशित ड्राफ्ट रोल को बूथ लेवल अधिकारियों बीएलओ द्वारा अपने-अपने बूथों पर पढक़र सुनाया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला ने उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु के साथ विधान सभा 281-अकबरपुर के मतदेय स्थल बीएन इंटर कालेज के बूथ संख्या 93,94,95,96,97,98 व 99 का भ्रमण कर बीएलओ द्वारा जनसामान्य और बूथ लेवल एजेंटो के समक्ष पढक़र सुनाए जा रहे मतदाता सूची कार्य का भौतिक निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बूथ लेवल अधिकारियों से उनके पास उपलब्ध फार्म 6, 7 और 8 के संबंध में भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि उनके पास पर्याप्त मात्रा में फॉर्म 6, 7 और 8 उपलब्ध है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद के समस्त बूथों पर बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा अपने बूथ से संबंधित मतदाता सूची का पाठन का कार्य किया जा रहा है। जिला समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों और अतिरिक्त सहायक निर्वाचक दृष्टीकरण अधिकारियों द्वारा मतदान केंद्र पर जाकर पर्यवेक्षक किया गया।

बीएन इंटर कॉलेज में निरीक्षण करते जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला।

निर्देश मंत्री ने गुणात्मक प्रगति लाते हुए सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग बेहतर बनाने के दिए निर्देश

लाभार्थियों को पहुंचाएं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ : गिरीश

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने एमएलसी डॉ. हरिओम पांडे, कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, अध्यक्ष जिला पंचायत श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधु वर्मा, जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला, पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्सना बंधु, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार शैवाल, परियोजना अधिकारी डीआरडीए अनिल कुमार सिंह सहित समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की रैंकिंग के आधार पर विकास कार्यों, कानून व्यवस्था और कर करेत्तर की समीक्षा बैठक किया।

कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा करते प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव, एमएलसी डॉ. हरिओम पांडे और साथ में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला।

समीक्षा बैठक में मंत्री ने जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा विकास, निर्माण और अन्य लाभार्थीपरक योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति की विभागवार गहन समीक्षा की। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा आम जनमानस के स्वास्थ्य, शिक्षा, भरण पोषण, आवास आदि से सम्बन्धित समस्त जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक दशा में पात्र व्यक्तियों तक पहुंचना चाहिए। कोई भी पात्र लाभार्थी योजना के लाभ से वंचित न रहे तथा आम जनमानस में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाए। संबंधित विभागीय अधिकारी उनके विभाग से सम्बंधित योजनाओं के आच्छादन और प्रगति की गुणवत्ता का निरीक्षण गांव में जाकर करते रहें तथा लाभार्थियों का फीड बैक भी अवश्य प्राप्त करें। मंत्री ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन करवाते हुए जनपद के अधिक से अधिक व्यक्तियों को योजना का लाभ दिलाए जाने के निर्देश परियोजना अधिकारी नेडा को दिए। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का विभिन्न माध्यमों से अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कराया जाए। मंत्री ने चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी से सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता, मरीजों के लिए बेसिक सुविधाओं, इमरजेंसी व्यवस्था, एंबुलेंस की स्थिति आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा को लेकर छह जगहों पर लगे सीसीटीवी

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। जनपद के अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। पुलिस ने मुख्य गेट से लेकर परिसर में 6 स्थानों पर छह सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए हैं। इन कैमरों के लगने से अब स्टेशन पर आने-जाने वाले लोगों की प्रभावी ढंग से निगरानी की जा सकेगी। इन सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर अकबरपुर पुलिस के पास रहेगा। यह कदम स्टेशन पर यात्रियों और परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत नजर रखी जा सके। धार्मिक नगरी काशी और अयोध्या के बीच स्थित होने के कारण अकबरपुर रेलवे स्टेशन पूर्वांचल में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसके अतिरिक्त जनपद में विश्व प्रसिद्ध किछौछा दरगाह भी होने के चलते इस रेलवे स्टेशन को संवेदनशील माना जाता है। यह स्टेशन अयोध्या से लगभग 50 किलोमीटर की दूरी पर है। पिछले दिनों पुलिस अधीक्षक अभिभित आर शंकर ने अकबरपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरे न होने की बात सामने आई थी, जिसके बाद उन्होंने सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश के बाद अकबरपुर कोतवाली प्रभारी श्रीनिवास पांडे ने स्टेशन पर सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगवाने का कार्य शुरू कराया। अकबरपुर पुलिस ने स्टेशन के मुख्य द्वार से लेकर विभिन्न जगहों पर ये 6 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए हैं। थाना प्रभारी श्रीनिवास पांडेय ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ही स्टेशन परिसर में कैमरे लगाए गए हैं।

अमृत विचार

अयोध्या, सोमवार, 12 जनवरी 2026

सुलतानपुर

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में आप का प्रदर्शन

प्रधानमंत्री मोदी का पुतला फूंकने के लिए आप कार्यकर्ताओं की पुलिस से हुई झड़प

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः बांग्लादेश में हिंदुओं पर कथित अत्याचार के विरोध में रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने सुलतानपुर में जोरदार प्रदर्शन किया। तिकोनिया पार्क से कलेक्ट्रेट तक निकाले गए मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंकने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस द्वारा पुतला छीने जाने की कोशिश पर कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच हल्की झड़प भी हुई।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए आप के प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर अत्याचार हो रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं। दुबे ने दावा किया कि इसकी वजह अडानी समूह के व्यावसायिक हित हैं, जिसके तहत झारखंड के रास्ते बांग्लादेश को बिजली सप्लाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये के मुनाफे के लिए सरकार मानवाधिकारों की अनदेखी कर रही है।

वंशराज दुबे ने उत्तर प्रदेश सरकार को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने 2017 में दिए गए 'डबल इंजन सरकार' के वादों का जिक्र करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार और अपराध खत्म होने के दावे किए गए थे, लेकिन हकीकत इसके उलट है। उन्होंने मेरठ और कानपुर की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं समाज को शर्मसार करने वाली हैं। दुबे ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के करीब आठ वर्ष और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगभग बारह वर्ष के कार्यकाल में प्रदेश में बढ़ते अपराधों पर सरकार की कथित चुप्पी की कड़ी आलोचना की। आप प्रदेश प्रवक्ता ने बताया कि बांग्लादेश के मुद्दे को लेकर पूरे उत्तर प्रदेश में पार्टी द्वारा प्रदर्शन किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी विपक्ष में रहते हुए भी इन सवालों को जिम्मेदारी के साथ उठाती रहेगी और जनता के हक व इंसाफ के लिए सड़क पर संघर्ष जारी रखेगी।

नलकूप पर फूल माला पहनाकर तेहरवी संस्कार करते आप कार्यकर्ता।

आलापुर में आप ने जल जीवन मिशन की 'तेरहवीं' मनाकर किया विरोध

मोतिगरपुर, सुलतानपुर : भाजपा सरकार के कथित भ्रष्टाचार की प्रतीक बन चुकी जल जीवन मिशन योजना की पोल आम आदमी पार्टी ने जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम आलापुर में अनोखे और आक्रामक तरीके से खोली। नल होने के बावजूद पानी से वंचित गांव में आप कार्यकर्ताओं ने योजना की प्रतीकात्मक तेरहवीं मनाई, पुष्प अर्पित किए और 'नमक' चाटकर यह संदेश दिया कि सरकार ने जनता को पानी नहीं, सिर्फ सूखा नल और भ्रष्टाचार दिया है। मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी गांव को एक बूंद पानी नसीब नहीं हुआ। गांव में बने अधूरे ढांचे, जंग खाती पाइपलाइनें और उखड़ी सड़कें सरकार के विकास दावों की पोल खोलती नजर आईं। आम आदमी पार्टी ने जल जीवन मिशन को "भ्रष्टाचार का म्यूजियम" करार दिया। वंशराज दुबे ने कहा कि भाजपा सरकार में हर घर नल से जल केवल जुमला बनकर रह गया है। नल तो लगा दिए गए, लेकिन पानी ठेकेदारों और अधिकारियों की जेबों में बह गया। यह योजना अब जमीन पर अकाल मृत्यु का शिकार हो चुकी है, इसलिए इसकी तेरहवीं मनाई जा रही है। प्रदर्शन के दौरान 13 ग्रामीणों ने जमीन पर बैठकर नमक चाटकर प्रतीकात्मक भोज किया। ग्रामीण महिलाओं और बुजुर्गों ने बताया कि पाइपलाइन बिछाने के नाम पर सड़कें खोद दी गईं, लेकिन महीनों बाद भी घरों तक पानी नहीं पहुंचा। आम आदमी पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि आलापुर में जल जीवन मिशन के भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच कर तुरंत पेयजल व्यवस्था नहीं की गई, तो आंदोलन को ब्लॉक से जिला और फिर प्रदेश स्तर तक ले जाया जाएगा। प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंह, महादेव शर्मा, राकेश यादव, रमेश, धनई, दिनेश यादव, गुलाब, विकास सिंह, साहिल, दिलीप आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

20वीं ऑल इंडिया बार परीक्षा में धीरज सफल

भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचार : विकास खंड भदैंया के गोपालपुर गांव निवासी विनीत शुक्ला की पत्नी धीरज शुक्ला ने 20वीं ऑल इंडिया बार परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर मिली इस सफलता से गांव में खुशी का माहौल है। उनकी उपलब्धि को महिला सशक्तिकरण की प्रेरक मिसाल बताया जा रहा है।

युवक पर लाठी-डंडों से हमला, घायल

भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के पन्ना टिकरी गांव में शनिवार रात करीब 9 बजे दलित युवक मुन्नर पर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोप है कि गांव के ही कुछ अज्ञात लोगों ने मुन्नर को उसके घर के पास घेर लिया और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए बेरहमी से पीटा। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शोर सुनकर जब उसकी पत्नी और बेटी उसे बचाने पहुंचीं, तो आरोपियों ने उनके साथ भी अभद्रता की और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। देहात कोतवाल ने बताया कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अनुराग स्कॉलरशिप का द्वितीय चरण परीक्षा संपन्न

सुलतानपुर, अमृत विचार : तहसील कादीपुर क्षेत्र में अनुराग बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज में अनुराग स्कॉलरशिप का द्वितीय चरण परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा में सैकड़ों छात्रों ने हिस्सा लिया, जिसमें सिलेबस से 85 और जीके से 15 प्रश्न पूछे गए। समय दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक था। परीक्षा प्रबंधक रागिनी मिश्रा और प्रधानाचार्य प्रशांत यादव की उपस्थिति में संपन्न हुई। तीसरे चरण की परीक्षा 27 जनवरी 2026 को रवानिया इंटर कॉलेज में आयोजित होगी।

गोमती मित्रों ने किया तीन घंटे श्रमदान

सुलतानपुर, अमृत विचार : गोमती मित्र मंडल ने रविवार को सुबह 6 बजे से 9 बजे तक तट, परिसर, श्राद्ध स्थल और सीता उपवन की सफाई में तीन घंटे का श्रमदान किया। साफ मौसम और खिली धूप ने काम को आसान बनाया। प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह ने सदस्यों को श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखने की सलाह दी। मीडिया प्रभारी रमेश महेश्वरी ने जिम्मेदारियां तय की।

यूपी टीम के कोच बनेंगे जिले के राहुल

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः जिले के वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी राहुल तिवारी को माध्यमिक क्रीड़ा प्रतियोगिता प्रधानाचार्य क्रीड़ा संस्थान द्वारा उत्तर प्रदेश की अंडर-14 सब जूनियर बालक क्रिकेट टीम का कोच नियुक्त किया गया है। राहुल तिवारी 19 से 24 जनवरी के बीच राजस्थान के सीकर में आयोजित होने वाली 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता में यूपी टीम का नेतृत्व करेंगे।

राहुल तिवारी वर्तमान में बेसिक शिक्षा विभाग में जिला व्यायाम शिक्षक और मंडल व्यायाम शिक्षक के पद पर सेवा दे रहे हैं। वे तीन साल लगातार अवध यूनिवर्सिटी टीम के कप्तान रह चुके हैं, आठ बार नेशनल लेवल में खेल चुके हैं, यूपी टीम के कप्तान रह चुके हैं और सिविल सर्विसेज टीम का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं।

राहुल तिवारी। ● अमृत विचार

- **राजस्थान के सीकर में होने वाली 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता में यूपी टीम का नेतृत्व करेंगे**

जिला स्तर पर उनकी इस उपलब्धि पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेंद्र गुप्ता, जिला व्यायाम शिक्षिका श्रद्धा सिंह, जिला स्काउट मास्टर धर्मेंद्र सिंह, जिला गाइड कैप्टन ज्योति सिंह, मुनेन्द्र मिश्रा, अनुपम शुक्ला, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक धर्मेंद्र त्रिपाठी, मो. सईद, दिलशाद, हीरालाल यादव और पूर्व स्टेडियम कोच चंद्रशेखर सिंह सहित अन्य शिक्षकों और खिलाड़ियों ने उन्हें बधाई दी।

मनरेगा खत्म करने की साजिश के आरोप में कांग्रेस का सत्याग्रह

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी व उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर रविवार को जनपद में "मनरेगा बचाओ संग्राम" के तहत कांग्रेस ने भाजपा सरकार के खिलाफ एक दिवसीय सांकेतिक सत्याग्रह किया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने किया, जबकि शहर अध्यक्ष शकील अंसारी की मौजूदगी रही। तिकोनिया पार्क में आयोजित सत्याग्रह में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व मनरेगा मजदूर शामिल हुए।

सत्याग्रह के दौरान "मनरेगा बचाओ-देश बचाओ", "काम का अधिकार हमारा है", "भाजपा सरकार जवाब दो" जैसे नारों से परिसर गूंज उठा। जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि मनरेगा गरीब, मजदूर और किसानों की रीढ़ है। इसे कमजोर करना संविधान में दिए गए काम के अधिकार पर सीधा हमला है। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहा कि भाजपा सरकार रोजगार देने में विफल रही है और अब मनरेगा जैसे अंतिम सहारे को भी खत्म करना चाहती है, जो गरीबों के पेट पर सीधा हमला है। नि. मीडिया कॉर्डिनेटर राजेश तिवारी ने कहा कि कांग्रेस इस मजदूर विरोधी साजिश को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देगी और आंदोलन को सड़क से संसद तक ले जाएगी।

मनरेगा बचाओ संग्राम के कोऑर्डिनेटर ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि मनरेगा करोड़ों ग्रामीण मजदूरों की आजीविका की गारंटी है। इसे कमजोर करना सामाजिक न्याय की खुली हत्या है। कांग्रेस पंचायत से लेकर ब्लॉक स्तर तक आंदोलन तेज करेगी। इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश त्रिपाठी, चेयरमैन प्रत्याशी रहे वरुण मिश्र, सुरेश चंद्र मिश्र, आरबी पांडेय, कु. निकलेश सरोज, रणजीत सिंह सलूजा, सलाउद्दीन हाशमी, हौसला प्रसाद भीम, आवेश अहमद, ममनून आलम, सुब्रत सिंह सनी, मोहसिन सलीम, ओमप्रकाश दुबे, हाजी फिरोज अहमद समेत अन्य रहे।

तिकोनिया पार्क में सत्याग्रह पर बैठे कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

- **भाजपा मजदूरों से संवैधानिक काम का अधिकार छीन रही है: जिलाध्यक्ष**
- **मनरेगा को कमजोर करना सामाजिक न्याय की खुली हत्या: ओम प्रकाश सिंह**

विवेकानंद यंग मलवा एसोसिएशन सेंटर का समारोह पूर्वक हुआ शुभारंभ

मोतिगरपुर, सुलतानपुर, अमृत विचारः क्षेत्र के मलवा गांव में विवेकानंद यंग मलवा एसोसिएशन सेंटर का शुभारंभ समारोह पूर्वक किया गया। सेंटर का उद्घाटन चिकित्सक डॉ. ए.के. सिंह, समाजसेवी करतार केशव यादव और विधायक राजप्रसाद उपाध्याय ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम के संयोजक एवं गांव निवासी कृषि वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. सिंह ने बताया कि इस केंद्र की स्थापना लोगों के सुख-दुख में सहभागिता, पूजा-पाठ व उत्सवों में सहयोग, गांव में स्वच्छता और सौहार्दपूर्ण वातावरण के निर्माण तथा अपनी आय का कुछ अंश गांव व विद्यालय के विकास के लिए समर्पित करने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र "सर्वे भवंतु सुखिनः" की भावना से समाज सेवा का कार्य करेगा। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी करतार केशव यादव ने लोगों से इस पहल को सफल बनाने और इसे राष्ट्रीय स्तर तक पहचान दिलाने के लिए सहयोग की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि यूरिया-डीएपी जैसे रासायनिक उर्वरकों से उपजा अन्न स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। विधायक राजप्रसाद उपाध्याय और भाजपा नेता सुमन सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक विजय सिंह ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ओ.पी. चौधरी, आशु कवि मथुरा प्रसाद सिंह जटायु, प्रमुख चंद्र प्रताप सिंह, प्रातेश सिंह बंटी, कुलदीप सिंह, शिक्षक अशोक सिंह, रवि श्रीवास्तव, सुभाष यादव सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शिक्षा मित्र के निधन से शोक की लहर

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः अखंडनगर विकास क्षेत्र अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय अलाउद्दीनपुर में कार्यरत शिक्षा मित्र शिव पूजन (उम्र 58 वर्ष) का रविवार सुबह आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही शिक्षामित्रों एवं शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

स्वर्गीय शिव पूजन अपने पीछे पत्नी सहित चार बच्चे नीशा, दीपक राज, अमीय और रेनू को छोड़ गए हैं। उनका निधन परिवार के साथ-साथ शिक्षामित्र समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है।

शिव पूजन (फाइल फोटो)।

राजित राम, अर्जुन कुमार, सुजीत कुमार, पप्पू, रामप्रीत सहित अन्य पदाधिकारी मृतक के पैतृक निवास पहुंचे और शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया। संगठन के जिलाध्यक्ष दिनेश चंद्रा, महामंत्री प्रदीप यादव, संरक्षक के.सी. मिश्र, मीडिया प्रभारी सुतीक्षण तिवारी, दूबेपुर ब्लॉक अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सलाहकार अखिलेश तिवारी, कूरेभार अध्यक्ष रणजीत सिंह, मेवालाल प्रजापति, लंभुआ अध्यक्ष विवेक सिंह, मंत्री जय प्रकाश यादव, कोषाध्यक्ष भारत यादव सहित अनेक पदाधिकारियों एवं शिक्षामित्रों ने भी गहरा शोक व्यक्त किया।

पखरौली रेलवे स्टेशन के पास लगी आग

भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचार : लखनऊ-वाराणसी रेल मार्ग पर स्थित पखरौली रेलवे स्टेशन के दक्षिण दिशा में रविवार दोपहर झाड़ियों में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर खड़ी एक यात्री ट्रेन की ओर बढ़ने लगी, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग बढ़ती देख रेलवे प्रशासन ने तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों व पुलिसकर्मियों की मदद से आग पर काबू पाया गया। बाद में फायर ब्रिगेड की टीम पर काबू पाया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। पुलिस घटना की जांचके कारणों को लेकर पूछताछ कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि स्टेशन के बगल से गोसाईबाबा मंदिर व मैदान की ओर जाने वाले रास्ते से लोगों का आवागमन रहता है, जिससे किसी लापरवाही के कारण झाड़ियों में आग लगी हो सकती है।

नीति आयोग के सदस्य ने सीएचसी का लिया जायजा

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : नीति आयोग लखनऊ के सदस्य हीरालाल ने शनिवार देर शाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कादीपुर स्थित प्रथम संदर्भन इकाई का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओटी, लेबर रूम, एनबीएसयू वार्ड, लैब, ब्लड स्टोर, यूनिक वर्ल्ड और साफ-सफाई की व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण से संतुष्ट दिखे हीरालाल ने मरीजों के साथ बेहतर व्यवहार और गुणवत्तापूर्ण उपचार के निर्देश दिए। अधीक्षक डॉ. सुरेंद्र पटेल ने अलग ट्रांसफार्मर, सोलर प्लांट और कर्मचारियों के लिए कक्ष की व्यवस्था की मांग रखी। मौके पर स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डी.पी. सिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

दहेज उत्पीड़न में पति समेत छह पर मुकदमा

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : दहेज उत्पीड़न के मामले में पुलिस ने पति समेत छह लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के लक्ष्मणपुर निवासी रमाशंकर ने बताया कि उन्होंने अपनी पुत्री आरती की शादी आठ माह पूर्व जफरपुर गांव निवासी अंकुर सिंह से की थी। आरोप है कि ससुरालीजन पांच लाख रुपये दहेज की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर मारपीट व प्रताड़ना की गई और 8 जनवरी को आरती को घर से निकाल दिया गया। प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर ने बताया कि तहरीर के आधार पर पति अंकुर सिंह समेत छह आरोपियों पर केस दर्ज किया गया है।

आजमगढ़ ने डीवीए को हरा जीता खिताब

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः जिले के शहर स्थित नारायणपुर में स्व. बाबू अवध नारायण सिंह की स्मृति में आयोजित राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार देर रात तक चला। टूर्नामेंट का आयोजन भाजयुमो जिला अध्यक्ष चंदन नारायण सिंह के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बक्सर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, गाजीपुर, आजमगढ़, बाराबंकी और सुलतानपुर की टीमों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच गाजीपुर और अयोध्या की टीमों के बीच खेला गया। देर रात खेले गए फाइनल मुकाबले में आजमगढ़ की टीम ने डीवीए को तीन सेट के मैच में 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में धनंजय को बेस्ट अटैकर, करन सिंह को बेस्ट सेटर और जमाली को बेस्ट ऑलराउंडर चुना गया। समापन पर मुख्य अतिथि भाजयुमो प्रदेश महामंत्री हर्षवर्धन सिंह ने विजेता व उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. सुधाकर सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. आर.ए. वर्मा, डॉ. डी.पी. सिंह ने भी खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया।

विजेता ट्राफी के साथ खिलाड़ी व अतिथिगण। ● अमृत विचार

- **बाबू अवध नारायण सिंह की स्मृति में हुई वॉलीबॉल प्रतियोगिता**

सेंट जेवियर्स व केएनआईसीई में हुआ फाइनल

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित युवा महोत्सव के दूसरे दिन स्थानीय पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में वॉलीबॉल और कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। वॉलीबॉल में कुल आठ टीमों ने हिस्सा लिया।

सेमीफाइनल मुकाबलों में केएनआईसी लाल डिग्गी ने सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज, सिरवारा मार्ग को 15-14 और 15-13 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं सेंट जेवियर्स ने केएनआईसीई विवेक नगर को 15-12 और 15-13 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। ऐसे में फाइनल मुकाबला सेंट जेवियर्स और केएनआईसीई लाल डिग्गी के बीच होगा। कबड्डी में बनवासी छात्रावास ने विद्या मंदिर को 20-14 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। निर्णायक के मौके पर जगदंबा प्रसाद, तिवारी राणा यादव और अर्जुन यादव निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि विभाग प्रचारक श्री प्रकाश और नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने खिलाड़ियों का परिचय लिया और मैच की शुरुआत की।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते अतिथिगण। ● अमृत विचार

- **पंत स्टेडियम में वॉलीबॉल और कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन**

राम बरन वर्मा कालेज आफ एजुकेशन
विकवाजीतपुर, हनुमानगंज, सुल्तानपुर

आवश्यकता है

डी.एल.एड.(बी.टी.सी.) पाठ्यक्रम में
प्राचार्य –01 पद।
गणित, विज्ञान, ललित कला/निष्पादन कला, मानविकी एवं समाज विज्ञान विषयों में 02–02 पद प्रवक्ताओं की। शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य विषय में 01 पद प्रवक्ता की। शिक्षा में परिप्रेक्ष्य/ शिक्षा के आधार एवं भाषा विषय में 03– 03 पद प्रवक्ताओं की।
योग्यता एवं वेतनमान - एन.सी.टी.ई. एवं परीक्षा नियामक प्राधिकारी के मानकानुसार।
इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि के 15 कार्य दिवसों के अंदर अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की प्रमाणित छाया प्रति के साथ महाविद्यालय के पते पर संपर्क स्थापित करें।

प्रबंधक – अनिल वर्मा
मो0–8448454525

अनदेखी

बल्दीराय सीएचसी में निष्प्रयोज्य पानी की टंकी बनी खतरा, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

पानी की टंकी की टूटी रेलिंग दे रही हादसे को दावत

विंदेश्वरीगंज, सुलतानपुर

अमृत विचारः बल्दीराय तहसील क्षेत्र स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय के परिसर में बनी पानी की टंकी वर्षों से निष्प्रयोज पड़ी है, लेकिन उससे भी ज्यादा गंभीर समस्या यह है कि टंकी की रेलिंग टूटकर नीचे की ओर लटक रही है, जो कभी भी गिरकर बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। अस्पताल जैसे संवेदनशील परिसर में इस तरह की जर्जर संरचना प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करती है। अस्पताल कर्मियों का कहना है कि यह पानी की टंकी लंबे समय से उपयोग में नहीं है, बावजूद इसके इसे न तो हटाया गया और न ही इसकी मरम्मत कराई गई। टूटकर लटक रही रेलिंग किसी भी समय गिर सकती है, जिससे मरीजों, तीमारदारों या अस्पताल कर्मचारियों की जान को गंभीर खतरा बना हुआ है।

इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. अजय प्रताप सिंह ने बताया कि पूर्व में तैनात अधीक्षकों द्वारा भी कई बार स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित विभागों को पत्र लिखकर इस समस्या से अवगत कराया गया था। उन्होंने स्वयं भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र भेजते हुए अवगत कराया है कि यह पानी की टंकी पूरी तरह से निष्प्रयोज हो चुकी है और इसकी जर्जर हालत के चलते कभी भी आपदाजनक दुर्घटना घटित हो सकती है।

> सीएचसी अधीक्षक ने सूचना दी हैं। जेई से इस्टीमेट बनाने के लिए कहा गया है। जल्द ही सही करवा दिया जाएगा।
> – भारत भूषण, सीएमओ सुलतानपुर

अस्पताल की जलापूर्ति भी खतरे में

वहीं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय में तैनात चिकित्साधिकारी डॉ. अशोक मिश्रा ने बताया कि पानी की टंकी से सटे हुए स्थान पर मोटर सप्लाई का स्टार्टर लगा हुआ है, जिससे पूरे अस्पताल की जलापूर्ति संचालित होती है। ऊपर से टूटकर लटकी रेलिंग किसी भी समय गिर सकती है, इसी डर के कारण अस्पताल के कर्मचारी स्टार्टर चालू करने में भी आशंकित रहते हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति न केवल कर्मियों के लिए बल्कि पूरे अस्पताल की व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है।

टूटकर लटक रही टंकी की रेलिंग। ● अमृत विचार

विवाहिता की फंदे से लटकी मिली लाश

करौंदीकला, सुलतानपुर, अमृत विचार : करौंदीकलां थाना क्षेत्र के अमरेमऊ गांव में रविवार को एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थिति में फंदे से लटका मिला। घटना से गांव में हड़कंप मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतका की पहचान आकांक्षा (20) पत्नी नीरज के रूप में हुई है। बताया गया कि आकांक्षा मूल रूप से सरपतहा थाना क्षेत्र के चंपारन गांव की रहने वाली थी और उसकी शादी करीब छह महीने पहले ही अमरेमऊ गांव में हुई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज। थानाध्यक्ष बताया कि परिजनों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम ननकई है और मेरे आधार कार्ड पर मेरा कहुआ नाम छोटका गलती से हो गया है। जो कि सही नाम ननकई से ही जाना पहचाना जाए। **ननकई पत्नी देवतादीन, ग्राम व पोस्ट रामापुर जनपद गोंडा उत्तर प्रदेश**

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD NAIM से बदलकर MOHAMMAD NAEEM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-ABDUL LATEEF ADD-258/62 NADAN-MAHAL, RAJENDRA NAGAR, DIST-LUCKNOW(U.P.)

सूचना

मेरी कक्षा 12 की मार्कशीट वर्ष 2020 रोल नं 0125093 वास्तव में कहीं खो गई है। **अंशुल पुत्र महावीर सिंह निवासी ग्राम, पोस्ट बसरेहर इटावा**

सूचना

पहले मेरा नाम MOID था अब मैने बदलकर अपना नाम MO MOID रख लिया है भविष्य में मुझे MO MOID के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O-AJEEJAHMAD R/O-43, KUSHFAR RAMSANEHI GHAT THANA DARIYABAD, BARABANKI

न्यूज ब्रीफ

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक गंभीर

करनैलगंज, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कटराघाट पुल पर शनिवार की देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद पुल के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गईं, जिससे यातायात बाधित रहा। राहगीरों की मदद से घायल को तत्काल स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर उसे जिला अस्पताल गोण्डा रेफर कर दिया गया, जहां उपचार चल रहा है। घायल की पहचान थाना परसपुर क्षेत्र के पसका निवासी दीपक मिश्रा पुत्र राजाराम मिश्रा के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही क्राइम इंस्पेक्टर अरविंद कुमार पुलिस बल के साथ सीएचसी पहुंचे और घायल को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया जाम हटवा कर यातायात बहाल कराया। कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

लटक रहे बिजली के तार, कसने की मांग

रुपईडीह, अमृत विचार : ब्लॉक की ग्राम पंचायत बिछूड़ी के राउरतारा गांव के निकट सड़क पर लटकते हुए बिजली के तारों को न कसने की शिकायत प्रधान अनिल कुमार पांडेय ने विधायक बावन सिंह से की है। उन्होंने बताया कि बिजली के तारों को ऊंचा कराए जाने की मांग विद्युत केंद्र विशेश्वरगंज के अवर अभियंता से कई बार की गई। लेकिन उनके द्वारा कोई सुनवाई नहीं की गई। ऐसे में रोजाना हादसों की संभावना बनी हुई है। उन्होंने बताया कि तारों को ऊंचा न किए जाने से राहगीरों के साथ कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

नकहरा में पानी टंकी परिसर में मिला किशोर का शव, हत्या की आशंका

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने संकलित किए साक्ष्य

संवाददाता नवाबगंज, गोंडा

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के ढेमवा घाट चौकी अंतर्गत नकहरा गांव में रविवार को पानी की टंकी के नीचे एक किशोर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही परिजन व आसपास के गांवों के सैकड़ों लोग मौके पर पहुंच गए। नवाबगंज थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी।

शिवा सिंह।

घटनास्थल पर जांच करती पुलिस और मौजूद ग्रामीण। अमृत विचार

मृतक की पहचान शिवा सिंह (15) पुत्र नरेंद्र सिंह, निवासी ग्राम गोपसराय के रूप में हुई है। मृतक के चाचा जितेन्द्र सिंह उर्फ रामू सिंह ने बताया कि वह शनिवार को गन्ना लेकर मसौधा मिल गये थे। रात करीब 1:30 बजे घर लौटने पर जानकारी हुई कि शिवा रात लगभग 11 बजे से लापता है। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। जितेन्द्र सिंह उर्फ रामू सिंह के अनुसार, पुलिस विभाग में कार्यरत एक रिश्तेदार की मदद से शिवा की मोबाइल लोकेशन निकलवाई गई, जो नकहरा गांव स्थित पानी की टंकी परिसर की मिली। वहां पहुंचने पर देखा गया कि शिवा पानी की टंकी के नीचे पड़ा हुआ था। रविवार सुबह नवाबगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से पानी की टंकी के ऊपर मृतक की जैकेट और मोबाइल फोन बरामद किए गए। फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जैकेट, मोबाइल सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य संकलित किए। थाना अध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। मृतक के चाचा जितेन्द्र सिंह उर्फ रामू सिंह की फौरी सूचना पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। मृतक शिवा सिंह के माता-पिता दिल्ली में रहते हैं। उसका छोटा भाई सूर्यांश भी माता-पिता के साथ दिल्ली में ही रहता है। इस हृदय विदारक घटना से गांव में शोक की लहर है।

अब हम जिया नाही चाहित है

थाना अध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि मृतक किशोर के मोबाइल फोन में एक ऑडियो रिकॉर्डिंग मिली है। रिकॉर्डिंग में किशोर शिवा यह कहते हुए सुनाई दे रहा है कि "मैं पानी की टंकी पर बैठा हूँ। अब हम जिया नाही चाहित। मम्मी-पापा, दादा-दादी, चाचा-चाची सबसे हम माफी चाहित है। अगर आज तक हमसे कोई गलती भै होय तौ हमका माफ कै दिहेव। अब हम जिया नाही चाहित।" पुलिस के अनुसार, परिजनों ने रिकॉर्डिंग की आवाज की पुष्टि की है कि ऑडियो में आवाज मृतक शिवा सिंह की ही है। ऑडियो को जांच के अहम साक्ष्य के रूप में सुरक्षित कर लिया गया है।

प्रधान प्रतिनिधि ने सचिव पर तानी रिवॉल्वर

संवाददाता तरबगंज, गोंडा, अमृत विचार : उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र के सोनौली मोहम्मदपुर के प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह पर सचिव को जानमाल की धमकी देने का मामला सामने आया है जिस पर थाना तरबगंज में शिकायत की गई है। सचिव अंकित कुमार ने बताया कि बेलसर ब्लाक के सोनौली मोहम्मदपुर गांव का चार्ज उनके पास है। 6 जनवरी को शाम 3 बजे ब्लाक परिसर के कार्यालय में बैठकर सरकारी कार्य कर रहे थे। सोनौली मोहम्मदपुर के प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह आये और सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए बिना कार्य करवाये भुगतान का दबाव बनाने लगे। मना करने पर रिवाल्वर निकाल कर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। थानाध्यक्ष कमलाकांत त्रिपाठी ने बताया कि सचिव की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है जांच की जा रही है।

कॉलेज में चला सड़क सुरक्षा अभियान

गोंडा कार्यालय

अमृत विचार: एआरटीओ प्रशासन आरसी भारतीय ने राजा देवी बक्श सिंह, अवधराज सिंह पीजी कॉलेज डुमरियाडीह में सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन विशेषकर युवाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना रहा। अधिकारियों ने कहा सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन भर नहीं बल्कि यह सामाजिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने बताया कि हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, मोबाइल फोन का उपयोग न करना तथा नशे की हालत में वाहन न चलाना जैसे नियम जीवन रक्षक साबित होते हैं। छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे स्वयं नियमों का पालन करें व अपने परिवार व समाज में भी जागरूकता फैलाएं। कार्यक्रम में शामिल है व्यापारियों ने कहा कि युवाओं के अंदर जिम्मेदारी की भावना विकसित करनी होगी। कार्यक्रम के अंत में सड़क सुरक्षा से संबंधित जानकारी पूर्ण संदेशों के माध्यम से प्रतिभागियों को जागरूक किया गया।

यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाते अधिकारी। अमृत विचार

गन्ना काटने नहीं पहुंची तो पीटा

कटरा बाजार, गोंडा: गन्ना छीलने से मना करने पर महिला से गाली गलौज करते हुए मारपीट का मामला सामने आया है। महिला की तहरीर पर कटरा बाजार पुलिस ने दो लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के वैशनपुरवा मौजा टेढ़ी रायपुर निवासिनी मीना देवी पत्नी स्व.नरायन ने थाने में दी तहरीर में कहा है कि भूपेंद्र सिंह पुत्र रजपाल सिंह व महेंद्र सिंह पुत्र रजपाल सिंह निवासी रायपुर ने प्रार्थीनी से गन्ना छीलने को कहा था। वह प्रतिवादी के खेत गन्ना छीलने नहीं पहुंच पाई इसी कारण शनिवार दोपहर उन लोगों ने भद्दी भद्दी गाली देते हुए मूका थप्पड़, लाठी डंडे से मारा पीटा व जान से मारने की धमकी दी।

विवेकानंद जयंती पर युवा महोत्सव आज

गोंडा कार्यालय, अमृत विचार: कॉमन मैन सोशल वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद की 164 वीं जयंती पर मालवीय नगर स्थित रामलीला मैदान में युवा महोत्सव का आयोजन सोमवार को किया जा रहा है। महोत्सव को भव्य बनाने के लिए रामलीला परिसर में साज सज्जा की तैयारियां पूरी हो गई है। कार्यक्रम के संयोजक प्रबंधक धीरेन्द्र प्रताप पाण्डेय व कामन मैन सोशल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष अमर किशोर कश्यप ने बताया कि समारोह में जनपद की युवा प्रतिभाओं को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा विचारक महिम तिवारी व साहित्य मनीषी डा. शैलेन्द्र मिश्र एवं जनार्दन सिंह युवाओं को विवेकानंद के जीवन व दर्शन से प्रेरित करेंगे। समारोह को सांस्कृतिक प्रस्तुति संचालन का दायित्व संगीतकार कौशल उपाध्याय सौंपा गया है। पटना के गायक व स्थानीय कलाकार भी प्रस्तुतियां देंगे। आयोजन को भव्य बनाने के लिए समाजसेवी पंकज श्रीवास्तव अनिल सिंह, इं. सुरेश कुमार दूबे, पंकज दूबे, के के श्रीवास्तव, राजेश तिवारी, मिंटू गुप्ता, प्रकाश दीप पाण्डेय अभिषेक राजन पाण्डेय संजय तिवारी, संजय पाण्डेय एवं बब्बू पाण्डेय सहभागिता कर रहे हैं।

बैडमिंटन प्रतियोगिता में गोरखपुर का रहा दबदबा

लहराया परचम

संवाददाता नवाबगंज, गोंडा

अमृत विचार: क्षेत्र के विश्नोहरपुर गांव स्थित इनडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 9वीं अवध प्राइज मनी बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन रविवार को हुआ। अंतिम दिवस सीनियर पुरुषों के सिंगल, डबल्स और ओवर-40 वर्ग के फाइनल मुकाबले खेले गए, जिनमें खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

बैडमिंटन प्रतियोगिता के सम्मानित खिलाड़ी। अमृत विचार

प्रतियोगिता के अंतिम दिन सीनियर पुरुष सिंगल्स फाइनल में गोरखपुर के अयान खान ने अपने गृह जनपद के खिलाड़ी शिवम श्रीवास्तव को सीधे दो सेटों में पराजित कर चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया। मुकाबले में अयान खान ने शुरुआत से ही बढ़त बनाते हुए दमदार खेल दिखाया और खिताब अपने नाम किया। सीनियर पुरुष डबल्स का फाइनल मुकाबला भी गोरखपुर की दो टीमों के बीच खेला गया। रोमांचक संघर्ष में अयान खान और शिवम श्रीवास्तव की जोड़ी ने अभिनव व सूरज यादव की जोड़ी को हराकर चैम्पियनशिप जीत ली। मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन अंततः अयान-शिवम की जोड़ी ने बेहतर तालमेल के दम पर जीत दर्ज की। ओवर-40 आयु वर्ग के डबल्स फाइनल में देवराज तिवारी और शेखावत की जोड़ी ने अभिषेक और खलील की जोड़ी को दो सेटों के कड़े मुकाबले में पराजित कर चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम किया। निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ. सुधीर कुमार यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अनुशासित एवं उच्चस्तरीय खेल का प्रदर्शन किया। समापन अवसर पर विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को निर्णायक टीम के सदस्यों सोनू सिंह, पिंकल सिंह द्वारा ट्रॉफी, ट्रैक सूट एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत किया उपवास

गोंडा कार्यालय

अमृत विचार: मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत रविवार को कोऑर्डिनेटर डॉ रघुपति त्रिपाठी के साथ मनरेगा बचाओ अभियान में एक दिन का उपवास और एवं प्रतीकात्मक विरोध कांग्रेस ने किया। अभियान में मुख्य रूप से जिला मीडिया प्रभारी शिव कुमार दुबे, शहर अध्यक्ष शाहिद अली कुरैशी, राजू सेवादल, राजेश श्रीवास्तव सलीम कुरैशी, खगेश चतुर्वेदी, सैयद अब्दुल मुजीब, सुल्तान, पुरन लाल, अरविंद सक्सेना, शकील खान, कैलाश गुप्ता, विशाल शरण, सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे। कांग्रेस भवन में पूर्व प्रधान मंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि मनाते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन उनके चित्र पर अर्पित कर जय जवान जय किसान के नारे लगाए और भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

उपवास पर बैठे कांग्रेस के पदाधिकारी। अमृत विचार

कांग्रेसियों ने कहा कि आज किस समय में भी शास्त्री जी के विचार उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उसे समय थे सभी लोगों के उनके विचारों को मानते हुए आगे बढ़ना चाहिए। शास्त्री जी जैसा ईमानदार व्यक्ति की आज समाज व देश को सख्त जरूरत है। उन्होंने कभी भी स्वार्थ के लिए कोई कार्य नहीं किया आज भी उनके आदर्श उतने ही महत्वपूर्ण हैं। सभी लोगों को उनके बताए हुए राह पर चलकर राष्ट्र की सेवा करनी चाहिए।

युवा लक्ष्य की प्राप्ति तक करें प्रयास

संवाददाता बेलसर, गोंडा

अमृत विचार: एकल अभियान गतिविधि विभाग के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय एकल सप्ताह के अंतर्गत महाराजा देवी बख्श सिंह इंटर कॉलेज बेलसर में युवा चेतना दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया। मुख्य अतिथि अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख बेलसर अकबाल बहादुर तिवारी एवं विशिष्ट अतिथि महाराजा देवी बख्श सिंह इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट आनंद कुमार पांडेय रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि युवा चेतना दिवस का आयोजन युवाओं को जागरूक करने और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए किया गया है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचार "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए" को उद्धृत करते हुए कहा कि युवाओं को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि लेफ्टिनेंट आनंद कुमार पांडेय कहा कि युवाओं को अपने कौशल और प्रतिभा को विकसित करने के लिए अवसर प्रदान करना आवश्यक है। संचालन शिक्षक अशोक कुमार ने किया। इस दौरान एकल विद्यालय के छात्र - छात्राओं के मध्य दौड़, रस्साकशी, निबंध आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल संच अध्यक्ष शैलेंद्र प्रताप सिंह, मालिक राम, देवनारायण, शिव प्रसाद, हनुमान प्रसाद गुप्ता, निरंकार गोस्वामी, राजेश, अरविंद, अंतिमा सिंह आदि मौजूद रहीं।

छात्रा को सम्मानित करते भाजपा के वरिष्ठ नेता अकबाल बहादुर तिवारी। अमृत विचार

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले को लेकर आप का प्रदर्शन

गोंडा कार्यालय, अमृत विचार: बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे संगठित अत्याचार के विरोध में आम आदमी पार्टी ने प्रदर्शन कर विरोध जताया है। आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी ने कहा कि जिस तरीके से हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। मंदिरों पर हमले हो रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री चुप्पी साधे हुए हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं की जान से अधिक महत्वपूर्ण कुछ उद्योगपतियों के व्यापारिक हित हो गए हैं। आम आदमी पार्टी का स्पष्ट विचार है कि सरकार मित्र उद्योगपति विशेष कर अडानी समूह के व्यवसाय के नुकसान से बचने के लिए बांग्लादेश सरकार के सामने हिंदुओं की पीड़ा को अनदेखा किया जा रहा है। बौद्ध प्रांत के मीडिया प्रभारी विपिन तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार को बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार दिख नहीं रहा है। सरकार को हर तरीके के व्यापार पर पूरी तरीके से प्रतिबंध लगाना चाहिए और बांग्लादेश सरकार के विरुद्ध कड़े एवं निर्णायक कदम उठाना चाहिए। जिला अध्यक्ष अजय कुमार मिश्रा उर्फ अज्जू पंडित ने कहा कि जब पड़ोसी देश में हिंदुओं का खुलेआम कत्लेआम हो रहा है, तब भारत सरकार का मौन रहना अपराध के समान है। व्यापार और कूटनीति से पहले इंसानियत होती है जब तक बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती है तब तक आप सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष करेगी। इस दौरान दिग्गज पांडे, शिवराम शुक्ला, मंजू देवी ,लक्ष्मी देवी, पंकज कुमार श्रीवास्तव, मनोज गुप्ता, विवेक शुक्ला, मोहम्मद इमरान, आसिफ सिद्दीकी रहे।

स्पर्धा को लेकर कमेटी गठित, दी गई जिम्मेदारी

बैठक करते कमेटी के पदाधिकारी। अमृत विचार

इटियाथोक, गोंडा : युवा खेल एवं वेलफेयर सोसाइटी, भवनियापुर उपाध्याय की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रधान भवनियापुर संजय सोनी के आह्वान पर आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से संजय सोनी को समिति का अध्यक्ष नामित किया गया। इसके पश्चात अन्य पदाधिकारियों के पदों पर भी हर्षोल्लास के साथ निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। बैठक में आगामी भवानीपुर लीग के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा लीग से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए पदाधिकारियों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष संजय सोनी, सचिव नरेंद्र मिश्रा, बबलू पांडे, कृष्ण गोपाल मिश्रा, विनय शुक्ला, मधु शंकर मिश्रा, कन्हैया लाल तिवारी, डॉ. निर्मल शुक्ला, बाजा सिंह सहित समिति के अनेक पदाधिकारी एवं क्षेत्र के सम्मानित व्यक्तित्व उपस्थित रहे।

श्रीराम का जीवन मानवता के लिए आदर्श

नवाबगंज, गोंडा

अमृत विचार: क्षेत्र के महंगूपुर गांव में आयोजित कपिल महोत्सव के अंतर्गत चल रही रामकथा के चौथे दिन रविवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा के दौरान कथावाचक डॉ. संत शरण त्रिपाठी ने श्रीराम के अवतार की कथा का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ा, तब धर्म की स्थापना के लिए भगवान विष्णु ने श्रीराम के रूप में अवतार लिया।

डॉ. संत शरण।

कथावाचक ने अपने प्रवचन में बताया कि विभिन्न श्राप और दिव्य घटनाएं रामावतार की पृष्ठभूमि बनीं। राजा दशरथ द्वारा मखौड़ा धाम में कराए गए पुत्रेष्टि यज्ञ के पुण्यफल से कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा ने चार पुत्रों को जन्म दिया। चारों भाइयों के जन्म के समय अयोध्या नगरी उत्सव में डूब गई और प्रकृति भी आनंद से परिपूर्ण हो उठी। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि श्रीराम के जन्म से सत्य, मर्यादा और करुणा जैसे मूल्यों का प्रसार हुआ। देवताओं ने भी उनके दर्शन के लिए विभिन्न रूप धारण कर अयोध्या की पावन भूमि पर आगमन किया। राजा दशरथ ने दान-दक्षिणा देकर प्रजा और अतिथियों को संतुष्ट किया। कथावाचक ने कहा कि श्रीराम का जीवन मानवता के लिए आदर्श है। उनके चरित्र से प्रेरणा लेकर यदि समाज आचरण करे तो परिवार, समाज और राष्ट्र में शांति और सद्भाव स्थापित हो सकता है। राम जन्म के प्रसंग पर महिलाओं द्वारा गाए गए पारंपरिक सोहर गीतों ने कथा स्थल को भावनाओं से भर दिया। कथा के दौरान संजय पांडेय, विवेकानंद पांडेय, अवध भूषण, क्षितिज चंद्र मिश्र, रिंकू पांडेय, डॉ. रमेश पांडेय, संतोष पांडेय 'कक्के', लल्लू पंडित, मारुति नंदन, झिनकारी सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

दो दंपति साथ-साथ रहने के लिए हुए राजी

परिवार परामर्श केंद्र की पहल

गोंडा कार्यालय

अमृत विचार: पारिवारिक कलह व आपसी मतभेद के कारण टूटने की कगार पर पहुंचे रिश्तों को जोड़ने की दिशा में परिवार परामर्श केंद्र लगातार सार्थक भूमिका निभा रहा है। रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन परिसर में आयोजित परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में दो बिछुड़े दंपतियों के बीच आपसी समझौता कराते हुए उन्हें पुनः साथ रहने के लिए राजी कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें परामर्शदाताओं ने पति-पत्नी के बीच उत्पन्न विवादों को गंभीरता से सुना और शांतिपूर्ण वातावरण में दोनों पक्षों को अपनी बात रखने का अवसर दिया। काउंसलिंग के दौरान पारिवारिक जिम्मेदारियों, बच्चों के भविष्य और सामाजिक मूल्यों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। परामर्शदाताओं के सकारात्मक प्रयासों और समझने के बाद दोनों जोड़े अपने पुराने गिले-शिकवे भुलाकर साथ-साथ सुखी दांपत्य जीवन व्यतीत करने के लिए सहमत हो गए।परिवार परामर्श केंद्र में मौजूद सदस्यों ने बताया कि ऐसे मामलों में जल्दबाजी के बजाय बातचीत और धैर्य से समाधान निकालना ही सबसे बेहतर विकल्प है। इस पहल से न केवल परिवार टूटने से बचते हैं, बल्कि समाज में सौहार्द और स्थिरता भी बनी रहती है। इस दौरान महिला थाना प्रभारी अनीता यादव, गंगाधर शुक्ला, डॉ. उमा सिंह, यशोदानन्दन त्रिपाठी, संतोष ओझा, महिला आरक्षी नेहा सिंह,निताशी शुक्ला सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

परिवार परामर्श केंद्र में सुलह-समझौता कराते लोग। अमृत विचार

वनटांगिया गांवों में हुआ कंबल का वितरण

जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते पूर्व मंत्री विधायक रमापति शास्त्री।

नवाबगंज, गोंडा : क्षेत्र के महेशपुर वन एवं रामगढ़ वनटांगिया गांवों में भीषण शीतलहर से प्रभावित जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा रविवार को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मनकापुर विधायक रमापति शास्त्री ने कंबल वितरित कर किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी तरबगंज विश्वमित्र सिंह, विधायक प्रतिनिधि वेद प्रकाश दूबे सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने जरूरतमंदों को सहायता देने का भरोसा दिया।

रामापुर में कुश्ती प्रतियोगिता 14 को

रुपईडीह, अमृत विचार : क्षेत्रीय जनता के सहयोग से श्री राम जानकी मंदिर रामापुर में आगामी 14 जनवरी को एक दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता की आयोजक त्रिपुरारी तिवारी ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्घाटन विधायक बावन सिंह द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में राजस्थान, दिल्ली, बरेली, बहराइच व फैजाबाद सहित अन्य जिलों के सुप्रसिद्ध पहलवानों को आमंत्रित किया गया है।

अमृत विचार

अयोध्या, सोमवार, 12 जनवरी 2026

गोंडा-बलरामपुर

न्यूज ब्रीफ

मतदाता पुनरीक्षण कैंप में युवाओं को बनाया वोटर

बलरामपुर, अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जनपद में मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत विशेष कैम्प आयोजित किया गया। अभियान में 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवक-युवतियों को मतदाता सूची में शामिल किया गया। जिलाधिकारी सहित अधिकारियों ने डीएवी इंटर कॉलेज व अन्य बूथों का निरीक्षण कर फार्म-6 और फार्म-8 के माध्यम से नए पंजीकरण और संशोधन के लिए लोगों को जागरूक किया। बीएलओ की सक्रिय भागीदारी रही।

परिवार परामर्श केंद्र में 3 विवादों का निस्तारण

बलरामपुर, अमृत विचार : मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र में तीन पारिवारिक विवादों का सफल निस्तारण किया गया। परामर्शदाताओं की मध्यस्थता से पति-पत्नी व परिजनों के बीच आपसी सुलह कराई गई। दोनों पक्षों ने सौहार्दपूर्ण जीवन जीने की सहमति जताई। इस पहल को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में बलरामपुर पुलिस का प्रयास बताया गया।

लापता युवती बरामद

रुपईडीह, गोंडा : छह माह पहले खरगूपुर के फरेंदा शुक्ल के एक मजरा गांव निवासिनी एक युवती के घर से लापता होने के मामले में पुलिस ने महिला को बरामद कर लिया है। पुलिस चौकी पिपरा बाजार के प्रभारी शशांक कुमार मौर्य ने बताया कि उक्त महिला के गायब होने के मामले में उसके पिता माता फेर ने गांव के ही एक युवक के विरुद्ध बहका फुसला कर भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

बारिश से पूर्व रिंग रोड करें तैयार, डीएम ने निरीक्षण कर दिए निर्देश

संवाददाता बलरामपुर

अमृत विचार: जिले में निर्माणाधीन रिंग रोड के कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के लिए डीएम विपिन कुमार जैन ने शुक्रवार को स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, गति, तकनीकी मानकों और समयबद्धता की समीक्षा की। कार्यदायी संस्था और निर्माण एजेंसी को निर्देश देते हुए कहा रिंग रोड का निर्माण कार्य बारिश से पूर्व पूर्ण किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता की जांच की और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

रिंग रोड का निरीक्षण करते डीएम और अन्य अधिकारी। अमृत विचार

उन्होंने रिंग रोड पर बन रहे कल्वर्ट और पुलिया के कार्यों की भी समीक्षा करते हुए सुधार के निर्देश दिए।

डीएम ने कार्यस्थल पर सेफ्टी मानकों, बैरिकेडिंग और श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और प्रगति रिपोर्ट प्रतिदिन उपलब्ध कराई जाए, जिससे कार्य समय सीमा में पूरा हो सके। इस मौके पर एसपी सहित विकास विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम का निर्देश बेअसर, उतरौला में अतिक्रमण पर पालिका मौन

उतरौला, बलरामपुर: उतरौला क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने को लेकर जारी निर्देशों को लागू कराने में नगरपालिका प्रशासन विफल नजर आ रहा है। पूर्व में तहसील दिवस के दौरान डीएम पवन कुमार जैन ने उतरौला का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने व बाजार क्षेत्र को जाममुक्त कराने के निर्देश दिए थे। बावजूद इसके जमीनी स्तर पर व्यापक कार्रवाई नहीं दिख रही है। तहसील से बस स्टेशन तक चलाया गया अभियान बीच में ही ठंडे बस्ते में चला गया जिससे दुकानदारों ने

अतिक्रमण के चलते उतरौला नगर में लगा भीषण जाम। अमृत विचार

फिर सड़कों और पटरियों पर कब्जा जमा लिया। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नगरपालिका प्रशासन और संबंधित अधिकारी पूरे मामले में मौन साधे हुए हैं। कई स्थानों पर दुकानें सड़क की सीमा पार कर चुकी हैं, जिससे यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। इसका सीधा असर शैक्षणिक संस्थानों पर भी पड़ रहा है। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज और मोहम्मद यूसुफ उस्मानी इंटर कॉलेज सहित अन्य विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को रोजाना आवागमन में कठिनाइयों और सुरक्षा जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने तुलसीपुर, बलरामपुर और गैसड़ी में चले निष्पक्ष अतिक्रमण हटाओ अभियानों का हवाला देते हुए उतरौला में भी समान कार्रवाई की मांग की है। साथ ही कस्बे के भीतर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का कड़ाई से पालन कराने की मांग की गई है।

वंचित पात्र मतदाताओं का नाम सूची में जुड़वाएं

गैसड़ी, बलरामपुर

अमृत विचार: स्थानीय विधानसभा क्षेत्र के मझौली कन्या इंटर कॉलेज परिसर में समाजवादी पार्टी द्वारा बीएलए एवं संगठन समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष माणिक लाल कश्यप ने की, जबकि मुख्य अतिथि प्रभारी एसआईआर बलरामपुर संजय सविता रहे। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या मौजूद रही। मुख्य अतिथि संजय सविता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि गांव से लेकर सरकार गठन तक कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी कार्यकर्ता जन-जन के दरवाजे तक पहुंचकर प्रगाढ़

समीक्षा बैठक को संबोधित करते सांसद राम शिरोमणि वर्मा। अमृत विचार

मतदाता सूची का मिलान कराएं और वंचित पात्र मतदाताओं का नाम सूची में जुड़वाने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करें। सांसद रामशिरोमणि वर्मा ने कहा कि प्रदेश भर में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता ही मतदाता सूची दुरुस्त कराने में अहम भूमिका निभा रहे हैं, जो सराहनीय है। विधायक राकेश कुमार यादव सहित अन्य पदाधिकारियों ने एसआईआर प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देकर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया। बैठक में सेक्टर, जोनल, बीएलए और बूथ प्रभारियों ने संकल्प लिया कि शत-प्रतिशत पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक रामसागर अकेला, पूर्व जिलाध्यक्ष परशुराम वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया जाएगा प्रियंका गांधी का जन्मदिन

गोंडा, अमृत विचार: जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष तथा पूर्व विधायक राम प्रताप सिंह ने बताया कि 12 जनवरी को दिन में 12 बजे दिन सोमवार को कांग्रेस भवन में कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी का जन्म दिन बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। इस मौके पर विविध आयोजन भी किए जाएंगे। जन्मदिन में मुख्य अतिथि के रूप मे सांसद बाराबंकी तनुज पुनिया उपस्थित रहेंगे और प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे। इस दौरान कांग्रेस के जिला, शहर, ब्लॉक सहित समस्त कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने की अपेक्षा की गई है।

मिशन शक्ति अभियान से सशक्त हुईं बहू-बेटियां

बलरामपुर, अमृत विचार: मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत जनपद बलरामपुर में महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति टीम और एंटी रोमियो टीम द्वारा गांवों व कस्बों में "बहु-बेटी सम्मेलन" आयोजित कर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सरकारी सुविधाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रमों में महिलाओं को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन नंबर 112, एंबुलेंस सेवा 108, मिशन शक्ति केंद्र और वन स्टॉप सेंटर की उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही आत्मरक्षा के उपायों, साइबर अपराध से बचाव

बहू-बेटियों को सुरक्षा संबंधी कानून की जानकारी देते पुलिसकर्मी। अमृत विचार

और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। सम्मेलनों में आशा कार्यकत्रियों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, छात्राओं और समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पुलिस टीमों ने पंपलेट वितरित कर महिलाओं को जागरूक किया और भरोसा दिलाया कि पुलिस हर समय उनकी सुरक्षा के लिए तत्पर है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित बहु-बेटियों को सुरक्षा जागरूकता की शपथ दिलाई गई और समाज में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया।

आपत्तिजनक टिप्पणी पर भड़क उठा आक्रोश

पचपेड़वा, बलरामपुर: बीते दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक आपत्तिजनक वीडियो क्लिप को लेकर पचपेड़वा क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। वीडियो में एक व्यक्ति द्वारा हिंदू जनमानस और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के प्रति अभद्र टिप्पणी किए जाने का आरोप है। वीडियो सामने आते ही विभिन्न सामाजिक संगठनों और हिंदू समुदाय में भारी आक्रोश फैल गया। रविवार को निवर्तमान जिला प्रभारी हिंदू युवा वाहिनी बलरामपुर एवं जिला पंचायत सदस्य नवीन विक्रम सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों लोग पचपेड़वा थाने पर एकत्र हुए और आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि ग्राम सिसवा पचपेड़वा निवासी मोहम्मद आमिर द्वारा वीडियो क्लिप के माध्यम से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणी की गई है, जिससे समाज में आक्रोश व्याप्त है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इस प्रकार की टिप्पणियां सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और आपसी भाईचारे को नुकसान पहुंचाने का कार्य करती हैं, जिस पर सख्त कार्रवाई आवश्यक है। थाने पर बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के चलते पुलिस बल भी तैनात रहा।

रेलवे क्रॉसिंग बंद होते ही लगता है जाम

संवाददाता गोंडा

अमृत विचार : जरा सी जल्दबाजी कभी भी बड़ी आफत बन सकती है, लेकिन लोग इसको नजरअंदाज कर रहे हैं। गोंडा-बलरामपुर मार्ग स्थित सुभागपुर माल गोदाम पूर्वी केबिन रेलवे क्रॉसिंग पर नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। रेलवे क्रॉसिंग बंद होते ही यहां जाम लगना आम बात हो गई है। ट्रेन के आवागमन के दौरान क्रॉसिंग बंद होने पर जहां आमजन को कुछ देर इंतजार करना पड़ता है, वहीं कुछ लोग सब्र खोकर अपनी और दूसरों की जान को खतरे में डाल रहे हैं।रविवार को भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला। ट्रेनों के आवागमन के चलते रेलवे क्रॉसिंग बंद थी और

गोंडा-बलरामपुर मार्ग स्थित सुभागपुर रेलवे क्रॉसिंग पर लगा जाम। अमृत विचार

दोनों ओर वाहनों की कतार लगी हुई थी। इसी बीच कुछ युवक बाइक लेकर आए और बंद क्रॉसिंग के नीचे से बाइक झुकाकर निकलने लगे। देखते ही देखते दोनों तरफ से सात-आठ लोग इसी तरह क्रॉसिंग पार करने लगे। मौके पर मौजूद एक युवक ने जब उन्हें ऐसा करने से रोका और समझाया कि यह आदत जानलेवा हो सकती है, तो युवक रुकने के बजाय युवक से ही उलझ पड़े। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस क्रॉसिंग पर पहले भी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, इसके बावजूद लोग सबक लेने को तैयार नहीं हैं। कई बार बाइक सवार अपने वाहन को जमीन की ओर झुकाकर जैसे-तैसे निकलते हैं, जो कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। रेलवे क्रॉसिंग पर सुरक्षा के नियमों की अनदेखी से न सिर्फ वाहन चालकों बल्कि राहगीरों की जान भी खतरे में रहती है। स्थानीय निवासी अनुराग रामू, आशु ने बताया कि क्रॉसिंग बंद होने से आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो जाता है।कभी-कभी काफी देर तक गेट नहीं खुलता, जिससे स्कूली बच्चे, मरीज और दफ्तर जाने वाले लोग परेशान होते हैं। उन्होंने कहा कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए यहां रेलवे ओवरब्रिज की सख्त जरूरत है, लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब तक नियमों का सख्ती से पालन नहीं कराया जाएगा तब तक क्रॉसिंग पर जाम लगता रहेगा।

कपड़े की दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

गैसड़ी, बलरामपुर: स्थानीय थाना कोतवाली गैसड़ी क्षेत्र अंतर्गत भोजपुर चौराहे पर शनिवार की देर शाम करीब 7:30 बजे एक कपड़े की दुकान में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग लगने की घटना सचिन वस्त्रालय में हुई, जहां देखते ही देखते आग की लपटों ने दुकान में रखे महंगे कपड़ों को अपनी चपेट में ले लिया और पल भर में सारा सामान जलकर राख हो गया। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने शोर मचाया और तत्काल दुकान का ताला तोड़कर आग बुझाने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई। दुकान के प्रोपराइटर सचिन जायसवाल ने बताया कि आग से दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, नगदी समेत लगभग 15 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। लेखपाल कुलदीप पांडेय ने बताया घटना की जानकारी मिली है। निरीक्षण कर नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है। प्रभारी निरीक्षक दुर्विजय ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

पूर्व पीएम की पुण्यतिथि पर हुआ हवन-पूजन

संवाददाता गोंडा

अमृत विचार: श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के परिसर में भारत रत्न, पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर श्रद्धा, सेवा और सामाजिक समर्पण भाव संग विविध कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इस मौके पर सर्वधर्म सभा, हवन-पूजन, रक्तदान शिविर तथा महाविद्यालय के बाहर स्थित शास्त्री जी की प्रतिमा स्थल पर अखंड रामचरितमानस पाठ संपन्न हुआ। समारोह अधिकारी प्रो. जितेंद्र सिंह ने बताया कार्यक्रम में प्रबंध समिति उपाध्यक्ष वर्षा सिंह, सचिव उमेश शाह, सदस्य संजू छाबड़ा, प्रभारी प्राचार्य प्रो. बी.पी. सिंह, आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. जितेंद्र सिंह, मुख्य नियंता प्रो. अमन चंद्रा आदि मौजूद रहे। हवनोपरांत पीएसी के हेड कांस्टेबल अंजनी कुमार के नेतृत्व में शास्त्री

पूर्णाहुति डालते शास्त्री महाविद्यालय के प्राचार्य व शिक्षक। अमृत विचार

जी की प्रतिमा को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मुख्य अतिथि वर्षा सिंह एवं विशिष्ट अतिथि उमेश शाह ने महाविद्यालय के पंजीकृत 200 जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्वेटर दिए। रक्तदान शिविर में एनसीसी, रोवर्स-रेंजर्स व रेडक्रॉस के 26 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कर रक्तदान किया। प्रमुख रक्तदाताओं में सत्यम दूबे, शिवम तिवारी, शिवांश तिवारी, विशाल मिश्रा, अंशिका श्रीवास्तव, अंकित कुमार, पुष्कर, शोभित तोमर, विश्वभर नाथ, शिवेंद्र मिश्रा, नेहा व अमीष कुमार सिंह शामिल रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक छात्र कल्याण प्रो. अभय कुमार श्रीवास्तव, प्रो. जयशंकर तिवारी, एनसीसी प्रभारी डॉ. अमित शुक्ला, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी पवन सिंह, डॉ. चमन कौर, डॉ. परवेज खान, डॉ. दिलीप शुक्ला आदि का योगदान रहा।

20 साल से सड़क के इंतजार में रुस्तमनगर, ग्रामीणों में आक्रोश

उतरौला, बलरामपुर: ग्राम रुस्तमनगर में सड़क के अभाव को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव की प्रमुख सड़कें बीते करीब 20 वर्षों से ईंटों के खड़ंजे के सहारे किसी तरह चल रही हैं, जो अब पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं। जगह-जगह ईंटें धंसने से सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गई हैं और ग्रामीणों को मजबूरी में मेढ़ों व कच्चे रास्तों से आवागमन करना पड़ रहा है। राप्ती नदी के निकट स्थित होने के कारण बरसात में हालात और खराब हो जाते हैं। जलभराव से रास्ते पूरी तरह अवरुद्ध हो जाते हैं, जिससे दैनिक जरूरतों, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच मुश्किल हो जाती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान द्वारा चयनात्मक विकास कराया जा रहा है, जबकि गांव

की नालियां टूटकर सड़कों में तब्दील हो चुकी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीण महिलाओं, छात्र-छात्राओं सहित पूरे गांव ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सड़क, नाली, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं पर कार्य नहीं हुआ तो वे आंदोलन करेंगे।

मनरेगा बचाने को कांग्रेस का उपवास

कलेक्ट्रेट में उपवास रखकर विरोध जताते कांग्रेसी। अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार : मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित एक दिवसीय उपवास कार्यक्रम जनपद बलरामपुर में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवलाल कोरी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से केंद्र और प्रदेश सरकार पर मनरेगा को कमजोर करने, मजदूरों की उपेक्षा करने और समय पर मजदूरी भुगतान न करने के आरोप लगाए गए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवलाल कोरी ने कहा कि मनरेगा गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन सरकार लगातार इसे कमजोर कर रही है। मजदूरों को न तो समय पर काम मिल रहा है और न ही मजदूरी का भुगतान हो पा रहा है। कांग्रेस पार्टी मनरेगा की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रखेगी। मनरेगा बचाओ संग्राम के कोऑर्डिनेटर विनय कुमार मिश्रा ने कहा कि रोजगार के दिनों में कटौती और भुगतान में देरी से मजदूरों की हालत खराब हो रही है। एआईसीसी सदस्य राजबहादुर यादव ने मनरेगा को गरीबों का संवैधानिक अधिकार बताते हुए कहा कि इसे खत्म करने की किसी भी कोशिश को कांग्रेस सफल नहीं होने देगी। पूर्व जिला अध्यक्ष अनुज सिंह सहित अन्य नेताओं ने कहा कि यह उपवास सरकार के लिए चेतावनी है। यदि मनरेगा की अनदेखी बंद नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

आलेख्य मतदाता सूची का वाचन संपन्न

बलरामपुर, अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत समस्त मतदेय स्थलों पर आलेख्य मतदाता सूची का वाचन कराया गया। बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा सूची पढ़कर सुनाई गई, जिसका नागरिकों ने अवलोकन किया। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विपिन कुमार जैन ने एमपीपी इंटर कॉलेज, डीएवी इंटर कॉलेज व एमएलके पीजी कॉलेज स्थित मतदेय स्थलों का निरीक्षण कर प्रक्रिया का जायजा लिया। डीएम ने दावे-आपत्तियों को समयबद्ध व पारदर्शी ढंग से निस्तारित करने के निर्देश दिए। इस दौरान फॉर्म-06, 07 व 08 उपलब्ध कराए गए।

भाकियू ने चलाया किसान जागरूकता अभियान

पचपेड़वा, बलरामपुर : जय जवान जय किसान के नारे के साथ भारतीय किसान यूनियन भानू द्वारा किसान जागरूकता अभियान के तहत कार्यकर्ता बैठक का आयोजन पचपेड़वा नगर के वार्ड नंबर 16 बरगदवा में किया गया। कार्यक्रम जिला अध्यक्ष बृजेश विश्वकर्मा के निर्देशन में संपन्न हुआ। बैठक में किसानों और कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं। किसानों ने बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बिलों में भारी त्रुटियां सामने आ रही हैं। किसी किसान को एक वर्ष में 54 हजार रुपये तो किसी को मात्र नौ माह में 82 हजार रुपये तक का बिजली बिल भेजा गया है। ऐसी समस्या पूरे पचपेड़वा नगर और देहात क्षेत्र में बनी हुई है, जिससे किसान बेहद परेशान हैं। इस अवसर पर तहसील उपाध्यक्ष आलम खान, ब्लॉक उपाध्यक्ष सद्दाम कुरैशी, नगर अध्यक्ष घनश्याम कुमार भारती सहित वार्ड अध्यक्ष व दर्जनों किसान मौजूद रहे।

लापरवाही

फल और सब्जी मंडी परिसर में बनी पानी की टंकी बदहाल, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

लाखों की लागत से बनी टंकी, फिर भी नहीं मिल पा रहा साफ पानी

गोंडा कार्यालय

अमृत विचार: लाखों रुपये प्रतिमाह राजस्व देने वाली फल एवं सब्जी मंडी की व्यवस्था पूरी तरह से बदहाल है। आढ़तियों का कहना है कि प्रतिमाह मंडी शुल्क जमा किया जाता है। लेकिन सुविधा के नाम पर कुछ नहीं मिलता है। प्यास बुझाने के लिए डिब्बा पानी ही सहारा है। मंडी में बनी पानी टंकी सालों से खराब पड़ी है।

उतरौला रोड स्थित फल एवं सब्जी मंडी करीब 14 साल पहले बनाई गई है। मंडी बनने के साथ ही सभी सुविधाओं से लैस भी किया गया था लेकिन अफसरों की लापरवाही की वजह से सब्जी

मंडी परिसर में निष्प्रयोज्य पानी की टंकी। अमृत विचार

मंडी में अव्यवस्था बनी हुई है। मंडी परिसर में आने वाले ग्राहकों और किसानों को पानी पीने के लिए परेशान होना पड़ता है। कारोबारियों का कहना है कि मंडी बनी थी तो कुछ दिनों तक पानी टंकी से पानी आता था लेकिन कई साल से टंकी बदहाल स्थिति में है।

पेयजल व्यवस्था सुधारने को लेकर कई बार मंडी के अफसरों से कहा जा चुका है। गर्मी बढ़ने लगी है लेकिन प्यास बुझाने का साधन बदहाल स्थिति में है। फल एवं सब्जी मंडी में प्रतिदिन सैकड़ों किसान अपनी उपज को बेचने के लिए मंडी आते हैं।

मंडी में किसानों को पेयजल के लिए परेशान होना पड़ता है। क्योंकि मंडी में बनी पानी टंकी सालों से खराब पड़ी है। किसान लल्लू पांडे, विनोद, राम शरन, जय प्रकाश सहित तमाम किसानों का कहना है कि गर्मी तेजी से बढ़ी है लेकिन मंडी में पानी पीने के लिए परेशान होना पड़ता है।

अधिकांश हैंडपंप खराब तो कुछ दे रहे दूषित पानी

फल एवं सब्जी मंडी में पेयजल व्यवस्था बदहाल है। दुकानदार कलाम का कहना है कि गर्मी बढ़ने लगी लेकिन प्यास बुझाने के लिए ग्राहकों को परेशानी से जूझना पड़ता है। उन्होंने कहा कि मंडी बनने के कुछ दिनों बाद पेयजल आपूर्ति के लिए बनाई गई टंकी खराब है। इसके अलावा परिसर में इंडिया मार्का हैंडपंप लगाए गए हैं जो दूषित पानी दे रहे हैं। बाहर से आने वाले लोगों को मजबूरी में दूषित पानी पीना पड़ता है। मंडी के दुकानदार डिब्बा बंद पानी मंगवा रहे हैं।

मंडी में गंदगी से मच्छरों का बढ़ा प्रकोप

उतरौला रोड स्थित फल एवं सब्जी मंडी परिसर में साफ सफाई व्यवस्था खराब है। जगह जगह कूड़ा पड़ा हुआ है। नालियां कूड़े से पट चुकी हैं। इस गंदगी की वजह से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रक व पिकअप में टक्कर, दो घायल

लेंगड़ी गुलर (श्रावस्ती) : बौद्ध परिपथ पर शनिवार देर रात ट्रक व पिकअप में आमने समने की टक्कर हो गई। हादसे में पिकप चालक समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में पिकअप वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। इकौना थाना क्षेत्र के सीताद्वार मोड़ के पास स्थित पेट्रोल पंप के सामने शनिवार देर रात ट्रक व पिकप में टक्कर हो गई। हादसे में पिकप चालक सीतापुर जिले के थाना तम्बौर स्थित सुल्तानपुर गांव निवासी अंकित कुमार (20) पुत्र सरवन व इसी गांव निवासी विनीत कुमार (18) पुत्र कुनू गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस से दोनों घायलों को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। पिकअप चालक प्लाईवुड लादकर बहराइच से बलरामपुर की ओर जा रहा था। सीताद्वार मोड़ स्थित पेट्रोल पंप पर डीजल भरवाकर जैसे ही वह हाईवे पर पहुंचा तभी सामने से आ रहे ट्रक से टक्कर हो गई।

बहराइच ब्लास्टर ने जीता मैच

बहराइच। स्व. कुशमेंद्र सिंह राणा की स्मृति में खेला जा रहा ग्लैमर टाइप प्रीमियर लीग में आज ग्रुप बी का पहला मुकाबला बहराइच योद्धा एवं बहराइच ब्लास्टर के बीच खेला गया। मैच में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी संदीप अग्रवाल मौजूद रहे ।विशिष्ट अतिथि के रूप में मोहित छाबड़िया व डीसीए सचिव इशरत महमूद खान मौजूद रहे। मुख्य अतिथि द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया गया। बहराइच ब्लास्टर के कप्तान जय प्रकाश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 22 ओवरों के इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्लास्टर के बल्लेबाजों ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 10 विकेट के नुकसान पर 172 रन बनाए। 172 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बहराइच योद्धा की तरफ से कुणाल यादव ने 66 गेंदों में 65 रन और अमन पावन ने 21 गेंदों में 20 की पारी खेली। बहराइच ब्लास्टर के 172 रनों का लक्ष्य के सामने बहराइच योद्धा 148 रन पर ही सिमट गई। और बहराइच ब्लास्टर ने 24 रनों से यह मुकाबला जीत लिया। शानदार प्रदर्शन की बदौलत जय प्रकाश को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। इस दौरान सुनील राय, रामानंद सिंह, शानू खान, विजय शंकर, देवाशीष राय आयुष चित्रांश, कार्तिकेय सिंह, आशुतोष कैराती, सारिक रहे।

महिला सशक्तिकरण के लिए किया जागरूक

श्रावस्ती। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उन्हें विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नम्बरों, शासन से संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं, मिशन शक्ति केन्द्र व कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। इसी के क्रम में रविवार को मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के लिए ग्राम सभाओं, बाजारों व प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर जाकर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस दौरान उन्हें महिला सुरक्षा एवं आत्मरक्षा तकनीकों, साइबर अपराधों से बचाव, गुड टच–बैड टच, घरेलू हिंसा से संरक्षण व संबंधित कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्हें आत्मविश्वासी व आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान टीम ने 1090 वूमेन पावर लाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 108 व 102 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर सहित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के बारे जानकारी दी गई।

जानवर के काटने पर पहुंचें स्वास्थ्य केंद्र: सीएमओ

स्वास्थ्यकर्मियों के रिफ्रेशर प्रशिक्षण में सीएमओ ने की अपील, कहा- संपूर्ण उपचार दिया जाता है निःशुल्क

संवाददाता, बहराइच

प्रशिक्षण के दौरान सीएमओ व मौजूद अन्य अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। रेबीज़ से होने वाली मौतों को वर्ष 2030 तक पूरी तरह समाप्त करने के लक्ष्य की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार की अध्यक्षता में सीएमओ सभागार में जिले के मेडिकल कॉलेज, ट्रॉमा सेंटर, सभी सीएचसी एवं पीएचसी पर तैनात डॉक्टरों, फार्मासिस्टों तथा स्टाफ नर्सों का रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। एसीएमओ डॉ. संतोष राना ने बताया कि नए वर्ष के साथ राज्य सरकार द्वारा सीएचसी व पीएचसी स्तर तक एंटी रेबीज़ सीरम एवं रेबीज़ रोग प्रतिरोधी ग्लोब्युलिन की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है। अब यह संपूर्ण उपचार पीएचसी व सीएचसी स्तर तक पूरी तरह निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है। इस दौरान सीएमओ ने अपील की किसी भी जानवर के काटने की स्थिति में तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर इलाज कराएं।

प्रशिक्षक एवं जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. निर्मेष श्रीवास्तव ने बताया कि चिकित्सक घाव को श्रेणी-3 घोषित करते हैं अथवा जंगली जानवर द्वारा काटने की स्थिति होती है, तो पहले ही दिन एंटी रेबीज़ सीरम एवं एंटी रेबीज़ टीका लगाए जाने से रेबीज़ से मृत्यु का खतरा लगभग शत-प्रतिशत समाप्त हो जाता है। इसके लिए जानवर के काटने के बाद उसी दिन उपचार प्रारंभ करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि किसी भी जानवर के काटने के तुरंत बाद घाव को नल के बहते साफ पानी से 10 से 15 मिनट तक धोना चाहिए। इसके बाद बेटाडाइन या सोफ्रामाइसिन जैसी एंटीसेप्टिक क्रीम लगानी चाहिए। घाव पर मिर्च, हल्दी, चूना, मिट्टी या अन्य घरेलू पदार्थ लगाना अत्यंत घातक होता है, क्योंकि इससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और वायरस तेजी से शरीर में फैल सकता है। घाव पर पट्टी भी नहीं बांधनी चाहिए और बिना विलंब नज़दीकी स्वास्थ्य इकाई पर पहुंचकर चिकित्सकीय सहायता लेनी चाहिए। समय पर किया गया उपचार जीवनरक्षक सिद्ध होता है। उन्होंने बताया कि किसी दुधारू जानवर को कुत्ते ने काट लिया हो, तो उसके दूध के सेवन से रेबीज़ होने की कोई संभावना नहीं होती, इसलिए इस संबंध में फैलने वाले भ्रम और डर से बचना चाहिए।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले के निरीक्षण में सीएमओ ने परखीं व्यवस्थाएं

पयागपुर (बहराइच)। सीएमओ डॉ. संजय कुमार शर्मा ने मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का रविवार को निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र पयागपुर के खुटेहना और रामनगर खजुरी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मेलों में आने वाले मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सकीय परामर्श, दवा वितरण, जांच सुविधाओं एवं पंजीकरण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले के माध्यम से जनसामान्य को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाया जाए तथा शासन द्वारा संचालित स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी प्रत्येक लाभार्थी तक सुनिश्चित रूप से पहुंचे। सीएमओ बहराइच ने कहा कि मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला आमजन को एक ही स्थान पर गुणवत्तापूर्ण एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मेले में आने वाले मरीजों के साथ शालीन व्यवहार रखा जाए, दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा गंभीर रोगियों को आवश्यकतानुसार उच्च स्वास्थ्य केंद्रों पर समय रहते रेफर किया जाए। उन्होंने सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का आयोजन पूरी गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ करें, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के जरूरतमंद नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। आयुष्मान गोल्डन कार्ड कैंप के निरीक्षण पर आयुष्मान मित्र रोहित से बनाए गए कार्ड की जानकारी प्राप्त की जिस पर बताया किआज 19 कार्ड बनाए जा चुके है आरोग्य मेले में क्षेत्र में बचे हुए लोगों को कवर करने के लिए प्रतिदिन शिविर आयोजित कर बनाए जाने के निर्देश प्रभारी चिकित्साधिकारी को दिए गए पीएचसी पर मिली अव्यवस्था पर संबंधित फार्मासिस्ट और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को सुधार न होने तक वेतन बाधित किया गया है।

मां व दो बेटियों का तालाब में मिला शव, फैली सनसनी

संवाददाता, पयागपुर (बहराइच)

- मृतका के पिता ने ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने का लगाया आरोप, दी तहरीर

निशा की फाइल फोटो।

अमृत विचार। जिले के पयागपुर इलाके में आज सुबह तालाब में विवाहिता व उसकी दो मासूम बेटियों का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं मृतका के पिता ने उसके पति व सास ससुर पर बेटा न होने को लेकर लगातार उसकी बेटी को प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए उन्हें मारकर तालाब में फेंकने की बात कहते हुए तहरीर दी है ।

खैरीघाट थाना क्षेत्र में स्थित शिवपुर ग्राम के रहने वाले रामचंद्र गुप्ता ने अपनी पुत्री निशा उम्र 35 वर्ष का पयागपुर कस्बे में रहने वाले विष्णु के साथ 12 वर्ष पूर्व शादी की थी । विवाह के बाद दोनो के तीन बेटियां हुई । पिता ने बताया कि सिर्फ बेटियां होने से उसका पति व सास ससुर उसकी बेटी के साथ अक्सर मारपीट करने के साथ उसे प्रताड़ित करते थे ।

शनिवार की रात करीब नौ बजे उन्हें बेटी के नातिन के साथ बस अड्डा के पीछे बने तालाब में कूदने की सूचना मिली जिसके बाद वो देर रात वो मौके पर पहुंचे। वहीं पयागपुर थाना प्रभारी ने बताया कि एक महिला व मासूम बच्चियों का तालाब में शव मिला है । मृतका के पिता की तहरीर पर पति व सास ससुर के खिलाफ मामला दर्जकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज पति व सास ससुर को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है ।

किशोरी से छेड़खानी,

श्रावस्ती: भिनगा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी के साथ रविवार का एक मनचले ने गलत नियत से छेड़छाड़ की। 14 वर्षीय किशोरी खेत देखने गई गई थी। वहां मौका पाकर गांव निवासी युवक किशोरी से छेड़छाड़ करने लगा। किशोरी के विरोध पर आरोपी ने बाल पकड़कर मारा पीटा। किसी तरह आरोपी के चंगुल से छूटकर घर पहुंची किशोरी ने मां को आपबीती सुनाई। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गया। पीड़िता ने 1090 व 112 पर शिकायत की है। विदित हो कि आरोपी पर इससे पहले भी आठ वर्षीय बालिका के साथ बलात्कार का आरोप लग चुका है। इस मामले में आरोपी जेल से कुछ दिन पूर्व जमानत पर छूटकर आया है।

बूथ पर आने वालों से करें मित्रवत व्यवहार

संवाददाता, बहराइच

- एसडीएम नानपारा ने औचक निरीक्षण के दौरान दिए निर्देश

अमृत विचार। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान अन्तर्गत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 283-नानपारा के समस्त बूथों पर आयोजित मेगा कैंप एवं खुली बैठकों में बूथ लेबिल अधिकारियों द्वारा आलेख्य निर्वाचक नामावली को पढ़कर सुनाया गया तथा इच्छुक मतदाताओं से प्रपत्र 6, 7 व 8 भी प्राप्त किए गये। उन्होंने सभी सम्बन्धित कार्मिकों निर्देश दिया कि बूथ पर आने वालों से मित्रवत व्यवहार करें तथा उन्हें हर संभव अपेक्षित सहयोग भी प्रदान करें।

उप जिलाधिकारी मोनालिसा जौहरी ने बताया कि मतदेय स्थलों पर आयोजित होने वाले मेगा कैम्प एवं खुली बैठक को सफल बनाये जाने के उद्देश्य से सभी सम्बन्धित बीएलओ के साथ-साथ बीएलए, सुपरवाइजर, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, क्षेत्रीय लेखपाल, नगरीय क्षेत्रों में संबंधित नगर निकाय के क्षेत्रीय कर्मचारी जैसे टैक्स कलेक्टर, सैनेटरी इंस्पेक्टर, सफाई नायक, सफाई कर्मी, ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत पंचायत सहायक, रोजगार सेवक इत्यादि, उचित दर विक्रेता, स्वयं सहायता समूह के सदस्य, विद्युत विभाग के लाइन मैन व मीटर रीडर, आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, विद्यालय के अध्यापक इत्यादि द्वारा उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया गया।

उप जिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी द्वारा भाग संख्या 179 व 180 प्रा.वि. मेहरबान नगर एवं 156 से 160 कृषि उत्पादन मण्डी समिति नानपारा का स्वयं निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सम्बन्धित बीएलओ, सुपरवाइजर, बीएलए व अन्य सहयोगी कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में मतदातागण उपस्थित मिले। एसडीएम ने कामिकों को निर्देश दिया कि इस पूरी कवायद का मकसद त्रुटिहीन मतदाता सूची तैयार करना है।

पुनरीक्षण के बाद हुआ मतदाता सूची का प्रकाशन

कैसरगंज(बहराइच)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के उपरान्त रविवार को विधानसभा क्षेत्र कैसरगंज के सभी 456 मतदान बूथों पर निर्वाचक नामावली का विधिवत प्रकाशन किया गया। इस विशेष अभियान के तहत बूथ लेवल ऑफिसरों ने अपने-अपने बूथों पर मतदाताओं को नामावली का सार्वजनिक पठन कर सुनाया तथा फार्म 6, 7 एवं 8 भरने की विशेष अपील की ।बीएलओ द्वारा फार्म 6 के माध्यम से नए मतदाताओं का नाम जोड़ने, फार्म 7 से मृतक अथवा स्थानांतरित मतदाताओं का नाम हटाने तथा फार्म 8 से नाम, पता एवं अन्य विवरण में सुधार कराने की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई ।उप जिलाधिकारी अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि "विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के बाद प्रकाशित मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और अद्यतन बनाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। सही मतदाता सूची ही निष्पक्ष और सशक्त लोकतंत्र की आधारशिला होती है ।उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि यदि सूची में किसी प्रकार की त्रुटि हो तो समय रहते संबंधित फार्म भरकर उसे दुरुस्त कराएं।

पिकअप की ठोकर से बाइक सवार घायल

नवाबगंज (बहराइच)। रविवार दोपहर तीन बजे के करीब पिकअप की ठोकर से बाइक सवार घायल हो गया। नवाबगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत नवाबगंज ,नानपारा मार्ग पर स्थित कस्बे के जवाहरलाल राष्ट्रीय इंटर कालेज के पास पिकअप ने बाइक सवार को सामने से टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार सफीक अहमद निवासी सागर गांव थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती को पैर में काफी चोट लग गई सफीक अहमद ने बताया कि वह अपनी साइड से जा रहा था। वही तेज रफ्तार पिकअप ने उसे जानबूझकर ठोकर मार दिया है लोगों के एकत्र होने पर पर चालक ने घायल को अस्पताल पहुंचाया।

होमगार्डों से अभद्रता का मामला: होमगार्ड संघ ने की उपजिलाधिकारी को हटाने की मांग

बहराइच। जिले के महसी उपजिलाधिकारी आलोक प्रसाद पर बीते बुधवार को होमगार्ड रमाकांत मिश्रा , रामकुमार तिवारी व राजाराम शुक्ला ने उन्हें जातिसूचक गाली देने के साथ अपमानित करने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी व मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर कार्यवाही की मांग की गई थी । उनका कहना था कि एक दिव्यांग युवक को उनके कमरे में लाने जाने पर नाराजगी जताते हुए उन्हें अपशब्द कहे थे। वहीं उप जिलाधिकारी ने आरोपों को निराधार बताया था । जिसके बाद मुख्य राजस्व अधिकारी ने मामले की जांच कर उप जिलाधिकारी को क्लीन चिट दे दी थी। इस मामले को लेकर जिला होमगार्ड संघ ने मनमानी जांच करने की बात कहते हुए आर पार की लड़ाई लड़ने का ऐलान कर दिया है । रविवार को धरना स्थल पर होमगार्ड संघ ने एक बैठक की इस दौरान जिले के सभी ब्लॉक के अध्यक्ष व पदाधिकारियों के साथ आगे की रणनीति पर चर्चा करने के बाद ये तय किया गया कि उप जिलाधिकारी को हटाने व उन पर मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर जिले के होमगार्ड 16 जनवरी को ज्ञापन सौंपेंगे। इस दौरान जिला अध्यक्ष हीरा लाल भास्कर , मीडिया प्रभारी रमाकांत श्रीवास्तव , गंगा प्रसाद , अरविंद , रियाज , अनीता , किरण समेत बड़ी संख्या में होमगार्ड संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे ।

सिटी डायरी

फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ करते व्यापार मंडल अध्यक्ष एसजे मिश्रा व मौजूद अन्य लोग। अमृत विचार

बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ

पयगपुर (बहराइच)। स्थानीय भूपगंज बाजार स्थित रामलीला ग्राउंड में रविवार को स्व . छट्ठी लाल गुप्ता मेमोरियल बैडमिंटन प्रतियोगिता (सत्र-4) का भव्य आयोजन किया गया। एक दिवसीय इस मुकाबले का शुभारंभ व्यापार मंडल अध्यक्ष एसजे मिश्र ने बैडमिंटन कोर्ट का फीता काटकर किया उनके साथ मे क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष पंकज सिंह , पयागपुर स्टेट प्रतिनधि बिट्टन सिंह , ऋषिकेश तिवारी उपस्थित रहे मुख्य अतिथि एस .जे . मिश्र ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि यह अनुशासन और टीम भावना भी सिखाता है। उन्होंने आयोजन समिति के इस प्रयास की सराहना की। इस दौरान हरेंद्र सिंह (प्रिंस), नितिन माहेश्वरी, आशुतोष उपाध्याय, मोनू रावत, संतोष सिंह, विनय मिश्र, बब्बू शर्मा, मंदीप जायसवाल, रोहित शुक्ल, छोटू पाण्डेय, राहुल सोनी, अशोक सोनी, शानू गुप्ता, कुंज बिहारी शर्मा, अरमान गुप्ता, केशव अग्रवाल रहे।

पटेल चौराहे पर सत्याग्रह करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

जरूरतमंदों को कंबल देतीं विधायक सरोज सोनकर।

कांग्रेसियों ने किया सत्याग्रह

श्रावस्ती। भिनगा के दहाना स्थित पटेल चौराहे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत जिला कोऑर्डिनेटर अमन पांडे के नेतृत्व में प्रतीकात्मक भूख हड़ताल किया। इस दौरान जिला कोऑर्डिनेटर ने कहा कि मनरेगा योजना में हो रही लगातार बजट कटौती व ग्रामीण मजदूरों के अधिकारों पर हो रहे हमले के खिलाफ यह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। मनरेगा कोई खैरात नहीं है, बल्कि देश के करोड़ों गरीबों और मजदूरों का संवैधानिक अधिकार है। सरकार की नीतियों के कारण गांवों में काम बंद हो रहा है, मजदूर पलायन को मजबूर हैं। गरीब परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच रहे हैं। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव, जिला महासचिव असलम (एडवोकेट), सेवादल जिलाध्यक्ष शिवम पांडे, मोहम्मद इमरान रहे।

कंबल वितरण संपन्न

बहराइच। निर्धन, असहाय व निराश्रितों को कड़ाके की ठण्ड से राहत दिलाये जाने के उद्देश्य से तहसील नानपारा अन्तर्गत ग्राम नन्हू जोत में आयोजित कम्बल वितरण कार्यक्रम में विधायक बलहा सरोज सोनकर ने उप जिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी के साथ 350 ज़रूरतमन्दों को कम्बल का वितरण किया। कम्बल वितरण से लोगों को बड़ी राहत मिली है। इस असवर पर नायब तहसीलदार नबाबगंज अक्षय व बलहा के हर्षित, थानाध्यक्ष नानपारा, राजस्व विभाग एवं स्थानीय प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या ग्रामवासी मौजूद रहे।

चोरों ने दो घरों की कुंडी काटकर की लाखों की चोरी

लेंगडी गूलर(श्रावस्ती), अमृत विचाक। अंधरपुरवा के मजरा बीडीसी पुरवा में शुक्रवार रात दरवाजे की कुंडी काटकर चोर दो घरों में घुस गए। जहां रखा नकदी व जेवर समेत करीब 10 लाख रुपये का माल पार कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच-पड़ताल की। इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत अंधरपुरवा के मजरा बीडीसी पुरवा निवासी ननका देवी पत्नी पुत्ते वर्मा शुक्रवार देर शाम को फसल की रखवाली करने खेत गई हुई थी। घर में उनकी बहुए अपने कमरे में सो रही थी। रात में चोर घर में दाखिल हुए और ननका के कमरे के दरवाजे की कुंडी काट दिया तथा अंदर घुस गए। वहां रखा पांच हजार रुपये नकदी। लाखों रुपये के जेवर व दो बक्सा चुरा ले गए। आधी रात के बाद घर लौटी ननका देवी ने कमरे का दरवाजा खुला पाया। अंदर गई तो नकदी, जेवर व दो बक्से गायब थे। सुबह दोनों बक्से गांव के बाहर खेत में टूटे पड़े मिले। ननका ने बताया सोने-चांदी के आभूषण समेत करीब पांच लाख रुपये का सामान चोरी हुआ है। चोरों ने इसी गांव निवासी बिमला यादव पत्नी सुमन यादव के घर में भी चोरी को अंजाम दिया। यहां से चोर 2500 रुपये नकदी, सोने की जंजीर, दो सोने की नथुनी, चार जोड़ा चेदी पायजेब समेत चार से पांच लाख रुपये का सामान चोरी कर ले गए।

रेल लाइन बिछाने के लिए अधिग्रहित हो रही भूमि

श्रावस्ती, अमृत विचार। बहराइच-खलीलाबाद नई रेल लाइन परियोजना को अमली जामा पहनाने के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इसमें इकौना तहसील क्षेत्र के 13 गांवों में भूमि अधिग्रहण किया गया है। ऐसे में प्रभावित किसान 15 जनवरी तक अपनी आपत्ति (दावा) प्रस्तुत कर सकते हैं। यह जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी/सक्षम प्राधिकारी(भूमि अध्यापित) अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि उप मुख्य इंजी0/निर्माण/सामान्य पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा श्रावस्ती में खलीलाबाद-बहराइच नई रेलवे लाईन निर्माण कार्य प्रस्तावित है। इस प्रस्तावित निर्माण के भू-अधिग्रहण प्रस्ताव में नौ जुलाई 2025 को जिले की इकौना तहसील क्षेत्र के ग्राम राजगढ़ गुलरिहा, डिगुराजोत, खरगौरा गनेश, मोहम्मदपुर राजा, इकौना देहात, मुझौवा सुमाल, मनकौरा कोंडारी, नरायनजोत, नरायनपुरकी भूमि प्रभावित है।

मस्जिद मदरसा व मिशनरियों से सावधान रहने का आह्वान

संवाददाता, नवाबगंज, (बहराइच)

हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते रविशंकर महराज। अमृत विचार

अमृत विचार। रविवार को नवाबगज के बाबा मंगली नाथ शिव मंदिर परिसर में हिंदू समाज के तत्वावधान में भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। रविशंकर महराज ने मस्जिद मदरसा व मिशनरियों से सावधान रहने का आह्वान किया तथा हिन्दू समाज के लोगों संगठित होकर एक जुट रहने पर जोर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कथा वाचक श्री रविशंकर महराज ने दीप प्रज्वलन कर किया।

हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रवि शंकर महराज ने सनातन संस्कृति और सामाजिक समरसता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदू समाज को संगठित करने के लिए पहले स्वयं में परिवर्तन लाना होगा। उन्होंने कहा कि आज समाज में लोग एक साथ बैठकर खान-पान तक नहीं करते, जिससे आपसी दूरी बढ़ रही है। जब तक हम स्वयं नहीं बदलेंगे, तब तक समाज को संगठित करना संभव नहीं है। इस दौरानअनूप कुमार मिश्रा संयोजक डाक्टर शिवेंद्र, सह संयोजक अतुल सिंह, पिंटू गुप्ता, मनीष पांडेय, हर्षित सिंह, रिंकू सिंह, अनूप मिश्रा, आशीष पांडे, आशीष त्रिपाठी विजय कुमार सिंह, आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

खुशखबरी

विधायक सुभाष त्रिपाठी की पहल रंग लाई और शासन ने अधिसूचना जारी कर दी जानकारी

पयागपुर और विशेश्वरगंज अब बहराइच वन प्रभाग का हिस्सा

पयागपुर (बहराइच)

अमृत विचार। पयागपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। क्षेत्रीय विधायक सुभाष त्रिपाठी के निरंतर प्रयासों और प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप, उत्तर प्रदेश शासन ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए विकासखंड पयागपुर और विशेश्वरगंज के वन क्षेत्रों को श्रावस्ती वन प्रभाग से काटकर वापस बहराइच वन प्रभाग में शामिल कर दिया है।

शासन के इस आदेश से वर्षों से चली आ रही भौगोलिक और प्रशासनिक विसंगति अब समाप्त हो गई है उत्तर प्रदेश शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन अनुभाग-1 द्वारा जारी पत्र 1650/81-1-2025-1746357 के माध्यम से विशेष सचिव नीरजा सक्सेना ने इस परिवर्तन पर अंतिम मुहर लगा दी है। आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि सम्यक विचारोपरांत इन दोनों विकासखंडों को श्रावस्ती से पृथक कर बहराइच वन प्रभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में दिया जाता है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है, जिससे अब विभागीय फाइलें और बजट बहराइच के अधीन संचालित होंगे। इस पूरे घटनाक्रम की नींव 27 जून 2024 को पड़ी थी, जब विधायक सुभाष त्रिपाठी ने नानपारा विधायक रामनिवास वर्मा के साथ लखनऊ सचिवालय में वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना से विशेष मुलाकात की थी मुलाकात के दौरान विधायक ने यह मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाया था कि पयागपुर और विशेश्वरगंज की जनता को वन विभाग से संबंधित छोटे-छोटे कार्यों, जैसे वृक्षारोपण की अनुमति, लकड़ी कटान परमिट और अन्य विभागीय एनओसी के लिए पड़ोसी जनपद श्रावस्ती के चक्कर लगाने पड़ते हैं। विधायक की इस मांग को जायज मानते हुए मंत्री जी ने अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए थे, जिसका परिणाम आज आदेश के रूप में सामने आया है।

विभागीय जानकारों का मानना है कि इस कदम से न केवल प्रशासनिक सुगमता बढ़ेगी, बल्कि विकास कार्यों में भी तेजी आएगी एवं स्थानीय ग्रामीणों और किसानों को अब श्रावस्ती नहीं जाना पड़ेगा तथा बहराइच वन प्रभाग के करीब होने के कारण वन संपदा की सुरक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण पर बेहतर निगरानी रखी जा सकेगी।

तहसील और ब्लॉक मुख्यालय बहराइच में होने के कारण जिला प्रशासन और वन विभाग के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा इस बड़ी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विधायक सुभाष त्रिपाठी ने कहा कि यह पयागपुर और विशेश्वरगंज की जनता की जीत है। प्रशासनिक जटिलताओं के कारण क्षेत्र का विकास प्रभावित हो रहा था। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना का हृदय से आभारी हूं, जिन्होंने हमारी इस मांग को स्वीकार कर लिया है।

विधायक ने जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल

पयागपुर (बहराइच)। कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी ने क्षेत्र के गरीब और असहाय लोगों की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाए हैं। शनिवार को नगर पंचायत पयागपुर के गल्ला मंडी परिसर और तहसील सभागार में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान विधायक ने लगभग 1000 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए। विधायक सुभाष त्रिपाठी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि कोई भी गरीब ठंड में परेशान न हो। इस दौरान दौरान अम्बिका चौधरी तहसीलदार, पयागपुर, शैलेश अवस्थी नायब तहसीलदार, पयागपुर, ज्योति सरोज सभासद, जागेश मिश्रा सभासद, सत्येंद्र त्रिपाठी, मुकेश शर्मा सभासद उपस्थित रहे।

बुजुर्ग को कंबल देते विधायक सुभाष त्रिपाठी।

निशान यात्रा मे शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

निशान यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

कैसरगंज (बहराइच)। कैसरगंज में रविवार को खाटू श्याम की भव्य निशान यात्रा श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में निकाली गई। यात्रा ने पूरे कस्बे को श्याममय कर दिया और चारों ओर "जय बाबा खाटू श्याम" के जयकारे गूंजते रहे। निशान यात्रा की शुरुआत सब्जी मंडी से हुई, जो तहसील गेट होते हुए हनुमान मंदिर तक पहुंची। यहां पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विजय कुमार सिंह, कार्यक्रम संयोजक अरविंद यज्ञसेनी, शिवसहाय सिंह, गजेन्द्र सिंह, बुद्धिसागर गुप्ता, ओम प्रकाश पारीक आदि रहे।

अमृत विचार

सोमवार, 12 जनवरी 2026

मजबूत दिमाग विचारों पर चर्चा करते हैं, औसत दिमाग घटनाओं पर चर्चा करते हैं, कमजोर दिमाग लोगों पर चर्चा करते हैं। -सुकरात, दार्शनिक

उबाल बिंदु पर ईरान

ईरान में आर्थिक संकट, सामाजिक आक्रोश और भू-राजनीतिक दबाव सब एकजुट हो गए हैं। तेहरान के बाजारों में महंगाई के खिलाफ शुरू हुआ विरोध अब देशव्यापी उग्र आंदोलन है। 2022 के प्रदर्शनों की तुलना में मौजूदा यह ज्यादा जटिल और खतरनाक हैं। तब आंदोलन मुख्यतः सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों तक सीमित थे, आज अर्थव्यवस्था, शासन, विदेश नीति और सत्ता संरचना इत्यादि सब एक साथ सवालों के घेरे में हैं। ईरान पहले से ही इजराइल के साथ छद्म युद्ध, पश्चिमी प्रतिबंधों, गिरती मुद्रा, बिजली–पानी की भारी किल्लत और बेरोजगारी से जूझ रहा है। सरकार के भीतर मतभेद स्थिति को और उलझा रहे हैं। राष्ट्रपति मसूद पजशकियान सार्वजनिक रूप से नरमी और संवाद की बात करते हैं, जबकि सुरक्षा प्रतिष्ठान और कई मंत्री आंदोलनकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के पक्षधर हैं। यह द्वंद्व बताता है कि सत्ता तंत्र में नीति-समन्वय की कमी है, यह संकट प्रबंधन को कमजोर बनाती है।

2026 के बजट में 62 प्रतिशत टैक्स बढ़ाने, दवाओं और उपभोक्ता वस्तुओं के दाम आसमान छूने से जनता भड़की, तो सरकार समाधान की बजाए इसे अमेरिका और इजराइल से जोड़कर बाहरी साजिश बताने लगी। देशभर में जेन-जी का आक्रोश सामने आया, जिसकी वजह केवल आर्थिक नहीं, बल्कि धार्मिक-सामाजिक पाबंदियों, अवसरों की कमी और भविष्य की अनिश्चितता भी हैं। बढ़ते आंदोलन को निर्वासित शाही परिवार के उत्तराधिकारी रजा पहलवी के समर्थन ने राजनीतिक रंग दे दिया और आंदोलन की आंच सता तक आई, तो सरकार ने हर महीने सभी को लगभग 7 डॉलर की नकद मदद की बात की, जो राहत भीषण महंगाई के सामने नाकाफी थी। प्रदर्शनकारियों को "विदेश समर्थित दंगाई" बताकर आर्थिक मांगों और सत्ता परिवर्तन की मांग करने वालों में विभाजन की कोशिश की जो उलटी पड़ी। इससे अविश्वास बढ़ा और आंदोलन अधिक उग्र और स्थिति और विस्फोटक बन गई। ईरान सचमुच "उबाल के बिंदु" पर है? निकट भविष्य में बड़े घटनाक्रम की आशंकाएं हैं। तख्ता पलट, गृहयुद्ध या किसी बाहरी हमले की आशंका अगर कुछ दूर भी हो पर जोखिम बना हुआ हैं, इजराइल ने संभावित हस्तक्षेप पर "इंतजार" और अमेरिका को पहल देने की बात उसकी रणनीतिक धैर्य नीति को दर्शाता है या नीति-शून्यता को तय करना होगा। ऐसे आंकड़ों की पुष्टि कठिन होती है, पर मानवाधिकार संगठनों द्वारा दर्जनों मौतों के दावों को पूरी तरह खारिज नहीं कर सकते। सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई द्वारा अमेरिका को दोष देना घरेलू एकजुटता बनाए रखने की अपील पुरानी रणनीति है। उधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की सैन्य धमकियां अधिकतर राजनीतिक दबाव का औजार लगती हैं, प्रत्यक्ष बड़े हवाई हमले की आशंका फिलहाल सीमित दिखती है। भारत के लिए चिंता व्यावहारिक है- ईरान में लगभग 10,000 भारतीय नागरिक हैं। केवल एडवाइजरी पर्याप्त नहीं, दूतावास की सक्रिय निगरानी, वैकल्पिक निकासी योजनाएं और स्थानीय संपर्क तंत्र मजबूत करना आवश्यक है। भारत को ईरान के संदर्भ में रणनीतिक संतुलन बनाए रखना चाहिए। ईरान मसले की ऐसी विकट स्थिति में शांति, संवाद और नागरिकों की सुरक्षा-यही भारत का विवेकपूर्ण रुख होना चाहिए।

प्रसंगवश

दृढ़ संकल्पी साधक विवेकानंद

महान राष्ट्रवादी योद्धा संन्यासी विवेकानंद धर्मभूमि भारत के भास्वर स्वर हैं, जो विश्वाकाश में अमर आलोक प्रसरित करके विश्वविभूति हो गए। उनकी चिंतन-किरणें आज भी मनुष्य को यथार्थ का बोध कराती हैं। उनके होने को अर्थ गौरव प्रदान करती हैं। जीवन का लक्ष्य और उसका सौंदर्य क्या है? विवेकानंद के विचार-प्रवाह में बहते हुए समझा जा सकता है। मनुष्य अपनी असीम, अनंत क्षमताओं को नहीं जानता है और नहीं जानता है संकल्प की शक्ति को। वह भटक रहा है अंधकार के घने जंगल में। वह अपने को अभिशप्त मानकर व्यवस्था और लाचारी का जीवन जी रहा है। उसकी विवशताओं और लाचारियों से मुक्ति देने का सामर्थ्य स्वामीजी के विचारों में है। मनुष्य की अंधकार-यात्रा उसकी मूर्च्छना है। उसका अंधकार अज्ञानता का है, मोह का है, डर का है। वह बाहरी जगत को देखता है और भौतिक संसाधनों से स्वयं को सुखी करना चाहता है।

मनुष्य भोग के दलदल में फंसकर अपना बहुमूल्य जीवन नष्ट करता है। पंचमकारों में तो संसार के सारे प्राणी फंसे रहते हैं। जन्म से लेकर मृत्यु तक वे भी जीवनयापन करते हैं और उसके लिए नितांत स्वार्थी होकर लड़ते-झगड़ते भी हैं। उनका कोई भविष्य नहीं होता है। स्वामी विवेकानंद ने भाग्याश्रित तथा प्रमादग्रस्त मनुष्य की शक्तियों को अपनी वाणी के तेज से जागृत किया, उसे अपने अंतर्जगत के आलोक का साक्षात्कार कराया और आध्यात्मिकता का दिव्यानंद का स्वाद चखाया। मन से ऊपर हृदय के पास उसे बिठाया और आत्मा से उद्बोधित होने का मंत्र दिया। मनुष्य को समग्रता में जीवन जीने की विवेकानंद ने कला सिखाई और उसे अपने देवत्व से परिचित कराया। दिशाभ्रमित समाज को सही मार्ग दिखाते हुए स्वामी जी ने नई ऊर्जा का संचार किया और उसकी गतिशीलता को सही लक्ष्य की ओर उन्मुख किया। विवेकानंद असाधारण, अनुपम और विलक्षण थे। उनकी असाधारणता उनके आत्मविश्वास में,अनुपमता त्याग में और विलक्षणता संकल्पदृढ़ता में निहित है। महज 39 वर्षों का जीवन और उसमें ही उन्होंने वह किया, जो एक आदमी हजार वर्षों में भी नहीं कर सकता है। वह मनसा-वाचा-कर्मणा परमशुद्ध, संकल्प संपन्न और दृढ़ चरित्रनिष्ठ थे। वेदांत के गूढ़ ज्ञान का व्यवहारिक और वैज्ञानिक निदर्शन करते-कराते हुए स्वामी जी दर्शन के उत्कर्ष पर पहुंच गए थे। उनका संवेदनात्मक विस्तार हुआ और वे गहरी रागात्मिका से भर गए। कृष्ण के पुरुषार्थ, राम की मर्यादा और बुद्ध की करुणा के पुंजीभूत विग्रह विवेकानंद शिवमय शिवस्वरूप थे। रामकृष्ण परमहंस ने उनके मूल स्वरूप को पहचान लिया था। उन्होंने उनकी शक्ति को उजागर किया और उसे जगजाहिर कर मानवता के उद्धार में लगाया। विश्वबंधुत्व का जो संवेदनात्मक द्वार, उन्होंने अपने विचारसंवेदन और वाणीतेज तथा कर्मसमर्पित जीवन से खोला वही मानव मात्र के लिए मुक्तिद्वार है। उस युवा साधक का पराक्रम विश्व को आज भी जागृत कर रहा है। भारत को तो उसकी नितांत आवश्यकता है। इस देश के दिशाभ्रम को उसी का विचार-आलोक दूर कर सकता है। युवाओं के लिए विवेकानंद से बढ़कर दूसरा कोई मोटीवेटर नहीं हो सकता है। विवेकानंद अमर विचार-प्रवाह का नाम है। वह अग्निचेतना विस्तृत विराट पुरुष कभी मर नहीं सकता। विवेकानंद आज भी अपनी ऊर्जा के साथ जीवित हैं और रहेंगे। उस युवा तेज का इन पंक्तियों के साथ अभिनंदन - ले बांध मुट्ठियों में आंधी तो सांस हवा की बंध जाए/ दे खोल बंधे अपने कर तो तूफान गगन पर चढ़ जाए/ ले अंगड़ाई तो एक बार सदियों की गांठे ढीली हों/ जिसकी वाणी का तेज देख भय से छलनाएं पीली हों/जिसकी बिजली से एक बार निस्तेज जरा भी कौंध उठे/ उस तेजस्वी नर की ऐसी उद्दीप्त जवानी की जय हो/ पदचिह्नों पर सिंह दहाड़ चले ऐसे अभियानी की जय हो।

डॉ संजय पंकज

वरिष्ठ लेखक

भारत विरोधी स्वर है 'इस्लामिक नाटो' की परिकल्पना

नवीन गुप्ता

बरेली

उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की तर्ज पर ही इस्लामिक नाटो बनाने की तैयारी हो रही है। फिलहाल इसके गठन की पहल भारत के शत्रु पाकिस्तान ने की है। पाकिस्तान ने पिछले साल सऊदी अरब से एक समझौता किया था। इस समझौते के तहत पाकिस्तान या सऊदी पर हुआ हमला दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। यह समझौता लागू हो चुका है। अब इस समझौते में भारत का एक और दुश्मन तुर्किए भी शामिल होने जा रहा है।

पाकिस्तान की कोशिश है कि इसमें बांग्लादेश भी शामिल हो जाए। ताकि अन्य इस्लामिक राष्ट्रों को जोड़ने में भी आसानी हो। यह संगठन उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन की तर्ज पर ही बनेगा। अभी नाटों का आर्टिकल- 5 कहता है कि सदस्य देशों में से किसी एक पर हमला पूरे नाटो देशों पर हमला माना जाएगा। ठीक इसी आर्टिकल- 5 की तरह ही इस्लामिक नाटो भी काम करेगा। संभावित संगठन में शामिल होने के लिए तुर्किए ने पाकिस्तान और सऊदी अरब के हुक्मरानों ने संपर्क साधा है। अगर इसमें बांग्लादेश और तुर्किए शामिल होते हैं, तो फिर यह संगठन भारत के लिए चिंता का विषय होगा, क्योंकि तब पाकिस्तान में तुर्किए की सेना भी अपना बेस बना सकती है और बांग्लादेश में भी तुर्किए और पाकिस्तानी सेना के बेस बन सकेंगे। वैसे भी मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाले बांग्लादेश में इस वक्त भारत विरोधी भावनाएं तेजी से फैल रही हैं।

मोहम्मद यूनुस भारत विरोधी वे सभी कदम उठा रहे हैं, जो पाकिस्तान की सत्ता में बैठे लोगों को अच्छा लगे। ऐसे में अब समय आ गया है कि भारत सरकार सतर्क हो और इस संगठन के बनने से पहले ही कुछ जरूरी और ठोस कदम उठाए। इजराइल द्वारा ईरान और कतर में किए गए हमले के बाद इस्लामिक नाटो के गठन की मांग उठी थी। 15 सितंबर को कतर की राजधानी में हुई इस्लामिक देशों की बैठक में मिस्र के एक वरिष्ठ राजनयिक ने 1950 की संयुक्त रक्षा और आर्थिक सहयोग संधि के तहत डिफेंस बल के गठन का प्रस्ताव रखा था। इसका उद्देश्य सदस्य देशों को इजरायल के खतरों से बचाने के लिए रेपिड रेस्पॉन्स एलायंस स्थापित करना था। हालांकि तब कतर और यूएई ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा लांच किए गए ऑपरेशन सिंदूर में बुरी तरह पिटे पाकिस्तान ने ऐसा ही संगठन बनाने का मन बना लिया था और उसने इस ओर कदम बढ़ा दिया।

सबसे पहले पाकिस्तान ने सऊदी अरब को अपने पक्ष में किया और रक्षा समझौता किया। सऊदी अरब भारत का घनिष्ठ मित्र है। इस देश से हमारे सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंध काफी मजबूत हैं। इसके बाद पाकिस्तानी सेना प्रमुख की तरफ से तुर्किए पर डोरा डाला गया। वैसे तो तुर्किए नाटो का सदस्य है, लेकिन वहां की लगातार बदलती परिस्थितियों के कारण तुर्किए नाटो से बाहर आने के लिए छटपटा रहा है। यही वजह है कि तुर्किए के राष्ट्रपति तैयप एर्दोआन ने भी कदम आगे बढ़ाए और पाकिस्तान व सऊदी अरब के प्रमुखों से इस संगठन में और देशों को शामिल करने की पहल की और खुद ही इसमें शामिल होने की इच्छा जता दी। हालांकि तुर्किए ने अभी इस इच्छा को सार्वजनिक नहीं किया है, लेकिन उसने इसके लिए बांग्लादेश को भी तैयार करना शुरू कर दिया है।

कहा जा रहा है कि तुर्किए जल्द ही समझौता कर सकता है। यह समझौता पहले पाकिस्तान, सऊदी अरब से उसका होगा। संगठन का नाम तब रखा जाएगा, जब बांग्लादेश समेत कुछ और देश इसमें शामिल हो जाएंगे। इस संभावित सैन्य समझौते को क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बदलने वाला कदम कहा जा रहा है। नाटो की तर्ज पर होने वाले समझौते में जो भी देश शामिल होंगे वे एक दूसरे की रक्षा ताकत को मजबूत करेंगे। पाकिस्तान परमाणु संपन्न देश है, उसके पास बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ ही बड़ी सैन्य शक्ति है, तो तुर्किए के ड्रोन और युद्ध पोत की दुनिया में मिसाल दी जाती है। तुर्की के पास युद्ध का जबरदस्त अनुभव है। उसके पास मजबूत सेना और उन्नत रक्षा उद्योग है। इसमें यदि बांग्लादेश शामिल होगा, तो वह भी सामरिक दृष्टि से काफी मजबूत हो जाएगा।

पाकिस्तान की तरह ही तुर्किए को भारत का विरोधी माना जाता है। वह हर कदम पर पाकिस्तान की हां में हां मिलाता है। खासकर कश्मीर के मुद्दे पर तो वह पाकिस्तान का पूरी मजबूती से साथ देता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी उसने बड़े पैमाने पर पाकिस्तान को ड्रोन दिए ये दावा रक्षा विशेषज्ञ करते हैं। इतना ही नहीं तुर्किए, पाकिस्तान के लिए युद्धपोत भी बना रहा है। इतना ही नहीं उसने सऊदी अरब और पाकिस्तान को अपने स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान प्रोजेक्ट 'कान' में भी शामिल होने के लिए न्योता दिया है। पाकिस्तान इस वक्त अफगानिस्तान के मोर्चे पर भी घिरा हुआ है। ऐसे में उसकी कोशिश है कि वह जल्द से जल्द तुर्किए को नाटो जैसे रक्षा समझौते में शामिल करे। ताकि आपात स्थिति में ये देश उसकी मदद कर सकें। अगर बांग्लादेश इस समझौते में शामिल होता है, तो हमें अपनी रक्षा नीति में परिवर्तन करना होगा। बांग्लादेश हमारे लिए अब खतरा बनता जा रहा है। उसकी निगाह हमारे चिकन नेक पर है। हालांकि अभी उनकी सेना हमारे सुरक्षा बलों के समक्ष दो दिन भी नहीं टिकेगी, लेकिन जिस तरह पाकिस्तान और तुर्किए उसके साथ नया गठबंधन करने की तैयारी कर रहे हैं वह चिंतनीय है, क्योंकि चीन चाहता है कि भारत के पड़ोसी देशों से उसकी ठनी रहे। जरूरत पड़ने पर वह भी पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश की सेना को भी तकनीकी मदद कर सकता है।

नाटो की तर्ज पर होने वाले समझौते में जो भी देश शामिल होंगे वे एक दूसरे की रक्षा ताकत को मजबूत करेंगे। पाकिस्तान परमाणु संपन्न देश है, उसके पास बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ ही बड़ी सैन्य शक्ति है, तो तुर्किए के ड्रोन और युद्ध पोत की दुनिया में मिसाल दी जाती है।

आमने

प्रदेश में विधानसभा चुनाव की वोटर लिस्ट का एसआईआर केंद्रीय चुनाव आयोग ने कराया, जबकि पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट का एसआईआर राज्य चुनाव आयोग द्वारा कराया गया। जब दोनों आंकड़े एक साथ सही नहीं हो सकते, तो फिर कौन सा एसआईआर सही है।

-अखिलेश यादव

राष्ट्रीय अध्यक्ष, सपा

सामने

सपा एसआईआर को लेकर सवाल उठा रही है, दरअसल वह यह जताना चाहते हैं कि उनकी पार्टी का जनाधार खत्म हो चुका है। उन्हें अब भी जनता का समर्थन हासिल है, तो उनके विधायक उन मतदाताओं के लिए फॉर्म भरें, जिनके नाम सूची से कटे बताए जा रहे हैं। अगर मतदाता जीवित हैं या कहीं और चले गए हैं। यह मुद्दा उठाना चाहिए, न कि निराधार आरोप लगाने चाहिए।

-आरपी सिंह, बीजेपी नेता

ईरानः सड़कों पर गुस्सा और भविष्य पर सवाल

राजेश जैन

वरिष्ठ लेखक

ईरान इस समय अपने इतिहास के सबसे संवेदनशील दौर से गुजर रहा है। राजधानी तेहरान से लेकर दूर-दराज के कुर्द इलाकों तक, सड़कों पर उतर आए लोगों का गुस्सा अब केवल नारेबाजी तक सीमित नहीं है। गोलीबारी, आगजनी, मौतें और सख्त चेतावनियां। हर दिन हालात और गंभीर होते जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिर्फ तेहरान के छह अस्पतालों में 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है। इनमें से ज्यादातर की मौत गोलियों से हुई है। सरकार का संदेश भी उतना ही कठोर है। रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के एक अधिकारी का बयान-"अपने बच्चों को प्रदर्शन से दूर रखें, वरना गोली लगे तो शिकायत मत करना"-साफ बताता है कि सत्ता अब नरमी के मूड में नहीं है। यह सिर्फ चेतावनी नहीं, बल्कि डर पैदा करने की रणनीति है, लेकिन सवाल यह है कि क्या डर अब भी काम करेगा या ईरान एक ऐसे मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां लोगों के पास खोने को कुछ नहीं बचा।

इसलिए भड़के प्रदर्शनः ईरान में गुस्से की जड़ें नई नहीं हैं। सालों से आर्थिक संकट, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध, बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक पाबंदियां लोगों को भीतर ही भीतर उबल रही थीं। अब वह उबाल सड़कों पर फूट पड़ा है। दिसंबर 2025 में ईरानी मुद्रा रियाल गिरकर, इतिहास के सबसे निचले स्तर, 1.45 मिलियन प्रति डॉलर तक पहुंच गई है। सिर्फ एक साल में रियाल की कीमत लगभग आधी हो गई। महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। युवाओं, खासकर जेन-जी के लिए हालात और भी घुटन भरे हैं। पढ़ाई के बाद नौकरी नहीं, नौकरी के बाद ठीक-ठाक कमाई नहीं और सामाजिक आजादी पर सख्त पहरा। ऐसे में विरोध स्वाभाविक था।

सरकार की रणनीतिः शुरुआती दिनों में सरकार असमंजस में दिखी। खुद एंटी-राइट्स पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा बल भ्रम में हैं। किसी को नहीं पता कि आगे क्या होगा, लेकिन जैसे ही प्रदर्शन मध्यमवर्गीय इलाकों तक पहुंचे, सरकार का रुख बदल गया। इंटरनेट और फोन सेवाएं लगभग बंद, सड़कों पर भारी सुरक्षाबल, रात में गोलीबारी, मस्जिदों और सरकारी इमारतों पर कार्रवाई हुई है। तेहरान की अल रसूल मस्जिद में आग लगने की घटना ने सरकार को और सख्त बना दिया।

अंतर्राष्ट्रीय दबाव और ट्रंप की चेतावनीः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुली चेतावनी दी कि अगर ईरानी सुरक्षा बल प्रदर्शनकारियों को मारते हैं, तो ईरान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यहां तक कहा गया कि अमेरिका हमला भी कर सकता है। इस बयान के कुछ ही समय बाद सुप्रीम लीडर अली खामेनेई राष्ट्र के नाम आए, उनका लहजा चुनौती भरा था। इस्लामिक रिपब्लिक सैकड़ों-हजारों लोगों के खून से बनी है, जो हमें नष्ट करना चाहते हैं, उनके सामने हम कभी नहीं झुकेंगे। संदेश था-सत्ता आसानी से नहीं बदलेगी।

सत्ता के भीतर भी मतभेद : दिलचस्प बात यह है कि सरकार के भीतर भी एक राय नहीं है। राष्ट्रपति मसूद पजशकियान सार्वजनिक तौर पर नरम भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन कई मंत्री और सुरक्षा एजेंसियां सख्त कार्रवाई के पक्ष में हैं। सरकार का आरोप है कि अमेरिका और इजराइल इन प्रदर्शनों को हवा दे रहे हैं। यह तर्क नया नहीं है। ईरान में हर बड़े आंदोलन के पीछे विदेशी साजिश का कार्ड खेला जाता रहा है, लेकिन सड़कों पर उतरे युवाओं का गुस्सा सिर्फ विदेश नीति से नहीं, रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा है।

रजा पहलवी की वापसी और नई उम्मीदः इसी माहौल में एक पुराना नाम फिर से चर्चा में है- क्राउन प्रिंस रजा पहलवी। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद शाह का परिवार सत्ता से बाहर हुआ और पहलवी अमेरिका में निर्वासन में चले गए। अब, करीब 50 साल बाद, उन्होंने देश लौटने की तैयारी का ऐलान किया है। उनका संदेश भावनात्मक है- मैं अपनी राष्ट्रीय क्रांति की जीत के समय ईरान की महान जनता के बीच खड़ा रहूंगा। ईरान के कई प्रदर्शनकारी उन्हें एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक विकल्प के रूप में देख रहे हैं। सड़कों पर मौत, दिलों में डरः 217 मौतों का आंकड़ा सिर्फ संख्या नहीं है। यह उन परिवारों की कहानियां हैं, जिनके घर उजड़ गए। गोलियों से मारे गए ज्यादातर युवा थे। सरकार की भाषा अब मानवीय नहीं, सैन्य हो चुकी है-गोली लगे तो शिकायत मत करना-यह वाक्य किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में अस्वीकार्य होता, लेकिन ईरान में लोकतंत्र की परिभाषा अलग है। यहां सत्ता धार्मिक और सैन्य ताकत के संतुलन पर टिकी है, न कि जनमत पर।

क्या यह 1979 जैसा मोड़ है? : ईरान की मौजूदा स्थिति की तुलना अक्सर 1979 की इस्लामिक क्रांति से की जा रही है। तब भी महंगाई थी, बेरोजगारी थी, सत्ता से नाराजगी थी और शाह के खिलाफ आंदोलन था। आज भी हालात कुछ ऐसे ही हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार सत्ता पर काबिज लोग खुद क्रांति से निकले थे। अब सवाल यह है कि क्या वही क्रांति अपने ही ढांचे को तोड़ देगी? ऐसे में भविष्य के तीन संभावित रास्ते हो सकते हैं। कठोर दमन और अस्थायी शांतिः सरकार पूरी ताकत से आंदोलन कुचल देती है। कुछ समय के लिए शांति लौटती है, लेकिन असंतोष भीतर ही भीतर सुलगता रहता है। संवाद और सीमित सुधारः सरकार कुछ आर्थिक राहत, टैक्स में कटौती और सामाजिक ढील देती है। हालात थोड़े संभलते हैं, लेकिन सत्ता संरचना जस की तस रहती है।

बड़ा राजनीतिक बदलावः अगर प्रदर्शन और तेज होते हैं और सत्ता के भीतर दरारें बढ़ती हैं, तो ईरान एक बड़े राजनीतिक मोड़ की ओर जा सकता है। फिलहाल पहला रास्ता सबसे ज्यादा संभव दिख रहा है, क्योंकि सत्ता की भाषा संवाद नहीं, शक्ति है।

सरकार का आरोप है कि अमेरिका और इजराइल इन प्रदर्शनों को हवा दे रहे हैं। यह तर्क नया नहीं है। ईरान में हर बड़े आंदोलन के पीछे विदेशी साजिश का कार्ड खेला जाता रहा है।

सोशल फोरम

शब्दों की सजावट

साहित्य सिर्फ शब्दों की सजावट नहीं है और न ही किताबों में बंद सुरक्षित दुनिया। वह समाज की धड़कन से पैदा होता है। अगर साहित्यकार अपने समय के अन्याय, शोषण, डर और उम्मीदों से मुंह मोड़ ले, तो उसका लिखा हुआ चाहे जितना सुंदर हो, वह सिर्फ भाषा की कसरत बनकर रह जाता है। ऐसे साहित्य से समाज को न आईना मिलता है और न ही दृष्टि। हस्तक्षेप का मतलब यह नहीं कि हर रचना नारा बन जाए। हस्तक्षेप सवाल पूछने में होता है, चुप्पी तोड़ने में होता है और उस चीज को नाम देने में होता है, जिसे लोग जी तो रहे हैं, लेकिन बोल नहीं पा रहे। प्रेम लिखना भी हस्तक्षेप हो सकता है, अगर वह प्रेम बाजार और सत्ता की शर्तों को नकारता हो। दुख लिखना भी हस्तक्षेप है, अगर वह दुख को निजी कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवस्था का परिणाम दिखाता हो, जो साहित्य समाज से कटकर सिर्फ पुरस्कार, प्रशंसा और अकादमिक तालियों के लिए लिखा जाता है, वह अंततः व्यवस्था के लिए आरामदेह हो जाता है। उसे कोई डर नहीं होता, इसलिए उसे कोई रोकता भी नहीं।

मनोज अभिज्ञान

अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

इसके उलट, जो साहित्य सचमुच हस्तक्षेप करता है, वह असुविधाजनक होता है। उस पर सवाल उठते हैं, उसे खारिज किया जाता है, कभी-कभी उसे चुप कराने की कोशिश भी होती है। यही उसकी उपयोगिता का प्रमाण है। समाज की भौतिक परिस्थितियां यानी किसके पास साधन हैं, कौन श्रम करता है और कौन उसका फल लेता है, वही साहित्य की चेतना को भी आकार देती हैं। इसलिए निर्लिप्त या शुद्ध कला का दावा भ्रम होता है, क्योंकि वह अनजाने में ही प्रभुत्वशाली वर्ग के नजरिए को सामान्य और स्वाभाविक बना देता है। हर साहित्य किसी न किसी वर्ग की ओर से बोलता है, चाहे लेखक इसे स्वीकार करे या नहीं, जो साहित्य शोषण को व्यक्तिगत दुर्भाग्य बताता है, वह व्यवस्था को बचाता है, जो साहित्य अन्याय को संस्कृति या नैतिक विफलता का नाम देता है, वह सत्ता को निर्दोष ठहराता है। इसके उलट, जो साहित्य सामाजिक रिश्तों को उजागर करता है, मेहनत और पूंजी के टकराव को दिखाता है और मनुष्य की पीड़ा के पीछे की संरचनाओं को सामने लाता है, वही सच में हस्तक्षेप करता है।

साहित्यकार का काम उपदेश देना नहीं है, बल्कि चेतना को जगाना है। साहित्य सीधे क्रांति नहीं करता, लेकिन वह उस जमीन को तैयार करता है, जहां लोग सवाल पूछने लगते हैं। वह यह दिखाता है कि जो स्वाभाविक बताया जा रहा है, वह दरअसल ऐतिहासिक है, बदला जा सकता है। -फेसबुक वॉल से

सामयिकी

अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती और भारत की भूमिका

डोनाल्ड ट्रम्प की राजनीति टकराव पर टिकी रही है। राष्ट्रपति बनने के बाद, उन्होंने सहयोग की जगह दबाव को चुना। व्यापार को हथियार बनाया गया। टैरिफ को कूटनीति का विकल्प बना दिया गया। अब रूस पर प्रतिबंध वाला नया बिल उसी सोच का विस्तार है। यह केवल रूस के खिलाफ कदम नहीं है। यह पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने की कोशिश है। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर पांच सौ प्रतिशत टैरिफ का प्रस्ताव अभूतपूर्व है। यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांतों के खिलाफ है। विश्व व्यापार संगठन की भावना को कमजोर करता है। भारत जैसे देशों को सीधे निशाना बनाता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए विविध स्रोत अपनाता रहा है। सस्ता तेल खरीदना कोई अपराध नहीं है। यह एक जिम्मेदार अर्थव्यवस्था का स्वाभाविक निर्णय है। ट्रम्प यूक्रेन युद्ध को रोक पाने में असफल रहे हैं। इस विफलता की खीझ अब पूरी दुनिया पर निकाली जा रही है। प्रतिबंधों की राजनीति से युद्ध नहीं रुकते। इतिहास इसका गवाह है। क्यूबा से ईरान तक प्रतिबंधों ने आम जनता को नुकसान पहुंचाया। सत्ता संरचनाएं और कठोर हुईं। यही खतरा रूस के मामले में भी है। अमेरिकी संसद में पेश होने वाला यह बिल साधारण बहुमत से पारित हो सकता है। इसका मतलब है कि अमेरिका वैश्विक व्यापार को अपने घरेलू राजनीतिक एजेंडे के अनुसार मोड़ना चाहता है। यह भरोसे का संकट पैदा करता है। अमेरिका जो खुद को मुक्त बाजार का संरक्षक कहता था। अब वही सबसे बड़ा बाधक बनता दिख रहा है।

कांतिलाल मांडोत

वरिष्ठ पत्रकार

बीते दिनों अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में टैरिफ से जुड़े मामलों पर फैसला आना था, लेकिन यह फैसले पर फिलहाल सुनवाई टल गई। अब आगे क्या होगा यह तो भविष्य के गर्भ में है, लेकिन यह फैसला वैश्विक संकेत देगा और अगर अदालत भी कार्यपालिका की मनमानी को रोक नहीं पाती, तो यह अमेरिकी लोकतंत्र की सीमाओं को उजागर करेगा। इसका भारत पर संभावित असर गंभीर है। यदि ऐसा टैरिफ लागू होता है, तो वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ेगी। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है। सोने और चांदी के दाम बढ़ सकते हैं। शेयर बाजार में उतार चढ़ाव तेज होगा। आम आदमी पर महंगाई का दबाव बढ़ेगा। इसके बावजूद भारत की स्थिति मजबूत है। भारत नए बाजारों की ओर बढ़ रहा है। मुक्त व्यापार समझौतों का दायरा फैल रहा है। यूरोपीय संघ से लेकर पश्चिम एशिया तक बातचीत चल रही है। निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। अमेरिका अब भी भारत का बड़ा बाजार है। ट्रम्प का पिछला टैरिफ प्रयास भी भारत की रफ्तार नहीं रोक सका।

यह समय वर्ल्ड माइनस वन का है। यानी ऐसी दुनिया, जहां अमेरिका अकेला निर्णायक न हो। मजबूत अर्थव्यवस्थाएं मिलकर नया संतुलन बना सकती हैं। भारत इसमें केंद्रीय भूमिका निभा सकता है। एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के साथ नए गठजोड़ संभव हैं। चीन और ब्राजील भी अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित है। इन देशों के हित कई जगह मिलते हैं। प्रतिस्पर्धा के बावजूद सहयोग की जमीन मौजूद है। नया आर्थिक आदेश टकराव से नहीं साझेदारी से बनेगा। ट्रम्प की राजनीति अल्पकालिक लाभ पर केंद्रित है, लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था दीर्घकालिक भरोसे पर चलती है, जब भरोसा टूटता है, तो पूंजी डरती है। निवेश रुकता है, विकास धीमा होता है। यही स्थिति आज बन रही है। भारत को सतर्क रहना होगा। कूटनीति में संतुलन जरूरी है। अमेरिका के साथ संवाद बना रहना चाहिए, लेकिन आत्मसम्मान से समझौता नहीं होना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना*
05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

टाटा सफारी का पेट्रोल अवतार

किफायती कीमत पर थ्री-रो एसयूवी

टाटा मोटर्स ने भारतीय एसयूवी बाजार में अपनी मजबूत पकड़ को और सशक्त बनाते हुए अपनी लोकप्रिय फ्लैगशिप एसयूवी सफारी का पेट्रोल वर्जन लॉन्च कर दिया है। अब तक केवल डीजल इंजन विकल्प में उपलब्ध रहने वाली यह थ्री-रो एसयूवी अब पेट्रोल इंजन के साथ भी उपलब्ध होगी। कंपनी का यह कदम उन उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर उठाया गया है, जो कम शुरुआती कीमत और पेट्रोल इंजन की सहज ड्राइविंग को प्राथमिकता देते हैं। नई सफारी पेट्रोल को डीजल वेरिएंट की तुलना में कम कीमत पर उतारा गया है, जिससे यह ज्यादा किफायती विकल्प बनकर उभरी है। माना जा रहा है कि इससे शहरों में रहने वाले ग्राहकों और उन परिवारों को खास आकर्षण मिलेगा, जो रोजमर्रा के उपयोग के लिए बड़ी और आरामदायक एसयूवी की तलाश में हैं। अपने दमदार डिजाइन, प्रीमियम इंटीरियर, आधुनिक फीचर्स और बेहतर सेफ्टी तकनीक के साथ सफारी पेट्रोल टाटा मोटर्स की बाजार हिस्सेदारी को और बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकती है।

-फीचर डेस्क

शानदार माइलेज

टाटा मोटर्स के अनुसार, हाल ही में इंदौर स्थित NATRAX रेस ट्रैक पर की गई टेस्टिंग के दौरान नई टाटा सफारी ने अपनी परफॉर्मेंस और एफिशिएंसी दोनों से सभी को चौंका दिया। टेस्ट के दौरान यह एसयूवी 216 किमी प्रति घंटा की टॉप स्पीड तक पहुंचने में सफल रही, जो इसकी दमदार इंजीनियरिंग को दर्शाता है। माइलेज के मामले में भी सफारी पेट्रोल ने शानदार प्रदर्शन किया। कंपनी के मुताबिक, इस एसयूवी ने 25 किमी प्रति लीटर का माइलेज हासिल किया है, जो इस सेगमेंट की बड़ी और पावरफुल एसयूवी के लिए एक उल्लेखनीय आंकड़ा माना जा रहा है। वहीं, टाटा हैरियर ने इसी टेस्ट में 25.9 किमी प्रति लीटर का सर्टिफाइड माइलेज दर्ज किया। इस उपलब्धि के चलते हैरियर का नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज किया गया है, जो टाटा मोटर्स की फ्यूल एफिशिएंसी पर केंद्रित तकनीक को रेखांकित करता है।

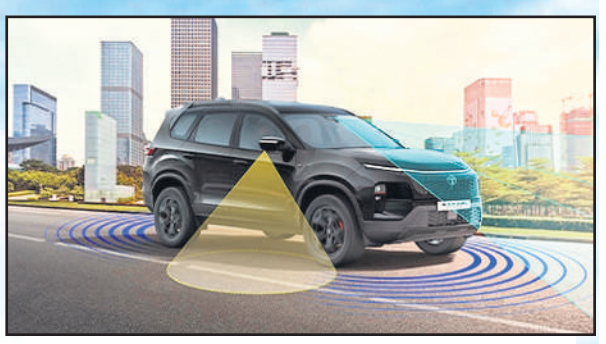

वेरिएंट और सीटिंग ऑप्शन

टाटा मोटर्स ने सफारी पेट्रोल को ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई वेरिएंट्स में पेश किया है। यह एसयूवी स्मार्ट, प्योर एक्स, एडवेंचर एक्स प्लस, अकम्प्लिश्ड एक्स, अकम्प्लिश्ड एक्स प्लस, अकम्प्लिश्ड अल्ट्रा और रेड डार्क जैसे आकर्षक वेरिएंट्स में उपलब्ध है, जिससे खरीदार अपने बजट और फीचर पसंद के अनुसार विकल्प चुन सकते हैं।

सीटिंग कॉन्फिगरेशन की बात करें, तो सफारी पेट्रोल के कुछ चुनिंदा वेरिएंट्स में 6-सीटर और 7-सीटर दोनों विकल्प दिए गए हैं, जो इसे परिवारों और लंबी यात्राओं के लिए अधिक उपयोगी बनाते हैं। ट्रांसमिशन के मोर्चे पर भी कंपनी ने पूरी रेंज में लचीलापन रखा है। सभी प्रमुख वेरिएंट्स में 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के विकल्प उपलब्ध हैं, जिससे ग्राहक अपनी ड्राइविंग पसंद के अनुसार चुनाव कर सकते हैं।

5-स्टार सेफ्टी रेटिंग

हाल ही में भारत न्यू कार असेस्मेंट प्रोग्राम (Bharat NCAP) द्वारा टाटा सफारी पेट्रोल को भी 5-स्टार रेटिंग दी गई है, जो इस एसयूवी के सभी वेरिएंट पर लागू होगी। यानी सेफ्टी के मामले में भी सफरी काफी बेहतर है।

फीचर्स

नई टाटा सफारी पेट्रोल को आधुनिक तकनीक और प्रीमियम कम्फर्ट के साथ लैस किया गया है। इसमें 14.5 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो डॉल्बी एटमॉस ऑडियो सपोर्ट के साथ आता है और केबिन में शानदार साउंड एक्सपीरियंस देता है। सेफ्टी और विजिबिलिटी को बेहतर बनाने के लिए इसमें फ्रंट कैमरा वॉशर की सुविधा दी गई है। इसके अलावा एसयूवी में डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक आईआरवीएम के साथ इनबिल्ट डैशकैम, मेमोरी ओआरवीएम के साथ ऑटो रिवर्स डिप फंक्शन, पावर्ड और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स जैसे प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं। ड्राइविंग को और सुरक्षित बनाने के लिए इसमें लेवल-2 ADAS टेक्नोलॉजी भी दी गई है, जो एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस फीचर्स के जरिए सफर को ज्यादा सुरक्षित और आरामदेह बनाती है।

कीमत और पोजिशनिंग

दमदार इंजन, प्रीमियम फीचर्स और 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ नई टाटा सफारी पेट्रोल सेगमेंट में नई हलचल पैदा करने के लिए तैयार है। कंपनी ने इसे आक्रामक कीमत पर पेश किया है, जिससे इसकी पोजिशनिंग पहले से कहीं अधिक मजबूत हो गई है। टाटा सफारी पेट्रोल की एक्स-शोरूम कीमत 13.29 लाख रुपये से शुरू होकर टॉप वेरिएंट में 25.19 लाख रुपये तक जाती है। इसकी आधिकारिक बुकिंग शुरू हो चुकी है और यह एसयूवी देशभर में बिक्री के लिए उपलब्ध है। मैकेनिकल तौर पर सफारी पेट्रोल में टाटा का नया 1.5 लीटर टर्बो GDI इंजन दिया गया है, जो 168 बीएचपी की पावर और 280 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इस इंजन के साथ 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प मिलता है, जो स्मूद, पावरफुल और आरामदायक ड्राइविंग अनुभव देने का दावा करता है।

काम की बात

1 फरवरी से FASTag नियमों में बड़ा बदलाव खत्म होगी KYV अनिवार्यता

देशभर के लाखों वाहन मालिकों के लिए राहत की खबर है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने घोषणा की है कि 1 फरवरी से नई गाड़ियों के FASTag के लिए Know Your Vehicle (KYV) की अनिवार्यता खत्म कर दी जाएगी। अब तक KYV प्रक्रिया के चलते FASTag जारी होने में देरी होती थी और वाहन मालिकों को बार-बार दस्तावेज जमा करने पड़ते थे। नए नियम के लागू होने से FASTag लेने की प्रक्रिया सरल और तेज हो जाएगी।

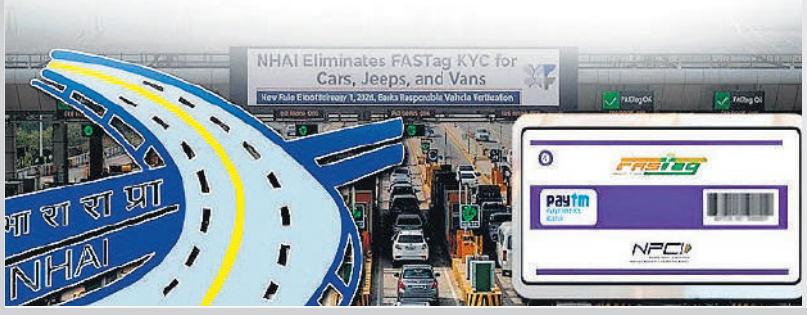

नए FASTag लेने वालों को सीधा फायदा

फरवरी 2026 के बाद कार, जीप या वैन के लिए नया FASTag खरीदने पर KYV की औपचारिकता नहीं करनी होगी। इससे FASTag जल्द जारी होगा और बैंक या डीलर के पास फॉलोअप करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह बदलाव खासतौर पर नए वाहन खरीदारों के लिए बड़ी राहत साबित होगा।

पुराने FASTag यूजर्स को भी राहत

- NHAI ने साफ किया है कि यह नियम केवल नए FASTag तक सीमित नहीं है। जिन वाहन मालिकों के पास पहले से FASTag मौजूद है, उन्हें भी नियमित रूप से KYV कराने की जरूरत नहीं होगी, बशर्ते टैग से जुड़ी कोई शिकायत न हो।

इन मामलों में अब भी जरूरी रहेगा KYV

- यदि FASTag को लेकर कोई शिकायत आती है, जैसे टैग का गलत वाहन पर लगा होना, ढीला होना या किसी तरह का दुरुपयोग, तो ऐसे मामलों में KYV जांच की जा सकेगी।

एक्टिवेशन से पहले VAHAN डेटाबेस से जांच

- एक और अहम बदलाव यह है कि अब FASTag एक्टिवेशन से पहले ही वाहन का विवरण VAHAN डेटाबेस से वेरिफाई किया जाएगा। इससे सिस्टम अधिक पारदर्शी होगा और भविष्य में गड़बड़ियों की संभावना कम हो जाएगी।

मॉय फर्स्ट राइड

लाइफ में रिटेक नहीं होता

मेरी नई-नई शादी हुई थी, मैं अपने ससुराल में थी, जबकि मेरे पति विमल उन दिनों ट्रेनिंग में लखनऊ थे। मैंने अपने ससुर जी से कार चलाना सीखने की इच्छा जाहिर की, उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया और कहा कि ये स्किल तो तुम्हें आनी ही चाहिए। मेरा लर्निंग लाइसेंस बनवाया गया और पास के एक मोटर ड्राइविंग स्कूल में मेरी ट्रेनिंग शुरू हुई। जल्दी ही स्टियरिंग पर कमांड होने लगा, क्लच छोड़ने की कला में भी अगले एक सप्ताह में निपुण हो गई। हालांकि ड्राइविंग स्कूल के ट्रैनर बहुत डांटते थे, मुझे बड़ा गुस्सा भी आता था, लेकिन जैसे-तैसे मैं ड्राइविंग ट्रेनिंग करती रही, दूसरे सप्ताह में ही मुझे आत्मविश्वास होने लगा कि अब मैं बिना ट्रैनर के कार चला सकती हूं।

फिर मेरे पहले ड्राइव का दिन आ गया, मैं अपने पति के साथ अपनी मम्मी से मिलने निकली, उस समय हमारे पास एक मारुति 800 कार हुआ करती थी। मैंने इच्छा जाहिर की और ड्राइविंग सीट में बैठ गई, बगल में विमल बैठे थे, मैंने सीट बेल्ट लगाई, क्योंकि सेफ्टी सबसे पहले है, फिर रियर व्यू अपने हिसाब से सेट किया। सीट एडजस्टमेंट किया। दरअसल ये ट्रेनिंग में मुझे सिखाया गया था कि कार आगे बढ़ने से पहले ही ये सारे एडजस्टमेंट कर लेने चाहिए। चलती गाड़ी में सीट एडजस्टमेंट खतरनाक हो सकता है। क्लच छोड़ा और कार आगे बढ़ने लगी, मेरे पति थोड़ा घबरा रहे थे, बार-बार 'अरे धीरे, आराम से, देखकर' जैसी उनकी कॉमेंट्री चलती रही, लेकिन थोड़ी ही देर में वो रिलैक्स हो गए। कहने लगे कि हां तुम सीख गई हो। मेरा ससुराल हल्द्वानी में नवाबी रोड में और मायका कटघरिया में है। करीब 6 या 7 किलोमीटर की ड्राइव रही थी, जब मैं अपने मायके पहुंचने ही वाली थी, तो सामने से एक ट्रक को बचाते हुए निकलने में कुछ मिस कैल्कुलेशन हुआ और गांव की सड़क के किनारे बने गड्ढे में अगला बायां पहिया चला गया। विमल मुझे डांटते हुए बोले, "मैं कह रहा था किनारे ही रोक लो।"

खैर! ड्राइविंग सीट बदली गई, हस्बैंड ड्राइविंग सीट पर आए। गड्ढे में फंसी कार को निकालने की कोशिश की गई, लेकिन कार गड्ढे में और फंसती गई। मैं बहुत नर्वस ओर शर्मिंदा महसूस कर रही थी। गांव के लोगों ने मुझे पहचान लिया। अरे ये तो आशु की बहन है, क्या हुआ, कैसे हुआ? थोड़ी देर में मेरा भाई ट्रैक्टर लेकर आया। रस्सी से खींचकर जैसे- तैसे कार बाहर निकली। हम घर पहुंचे, मेरा आत्मविश्वास बिखर गया था। मैंने कहा कि अब मैं गाड़ी नहीं चलाऊंगी। विमल ने मुझे समझाया कि "नहीं तुमने सिचुएशन को अच्छे से डील किया था। ट्रक से बचते हुए तुम निकल गई थीं, लेकिन आगे से ध्यान रखो कि ड्राइविंग के दौरान ऐसे मौके आएं, तो खुद को किनारे रोक लो, चांस मत लो। लाइफ में रिटेक नही होता है।"

बस तब से ड्राइविंग में ये फार्मूला मैंने सीख लिया कि चांस मत लो, क्योंकि लाइफ में रिटेक नहीं होता है। लौटते में विमल ने कहा कि कार तुम ही चलाओगी। मैंने अपने आत्मविश्वास को बटोरा ड्राइविंग सीट पर बैठी और मैं एक अच्छी ड्राइवर बन गई।

-गीतिका जोशी पांडेय, खंड शिक्षा अधिकारी, रामगढ़ नैनीताल

इलेक्ट्रिक स्कूटर के जरूरी सेफ्टी टिप्स

अगर आप इलेक्ट्रिक स्कूटर चलाते हैं या निकट भविष्य में इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो कुछ जरूरी बातों को जानना आपके लिए बेहद अहम है। इलेक्ट्रिक स्कूटर राइड करते समय कुछ चीजें पहले से स्पष्ट होनी चाहिए ताकि सफर के दौरान किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। सही जानकारी और थोड़ी सी योजना से आप न सिर्फ सुरक्षित, बल्कि आरामदायक यात्रा भी कर सकते हैं।

राइडिंग रेंज पर रखें नजर

इलेक्ट्रिक स्कूटर लेकर घर से निकलने से पहले उसकी मौजूदा बैटरी चार्ज के आधार पर मिलने वाली राइडिंग रेंज जरूर जांच लें। अगर यात्रा लंबी है और स्कूटर पर्याप्त चार्ज नहीं है, तो रास्ते में बैटरी खत्म होने की समस्या हो सकती है, जिससे असुविधा बढ़ जाती है।

चार्जिंग प्वाइंट की पहले करें जांच

स्कूटर की बैटरी कम होने की स्थिति में रास्ते में चार्जिंग प्वाइंट होना बेहद जरूरी है। इसलिए निकलने से पहले यह जरूर देख लें कि आपके रूट पर चार्जिंग स्टेशन उपलब्ध है या नहीं और वह कितनी दूरी पर है। सही योजना आपको बीच रास्ते रुकने से बचा सकती है।

सड़क की स्थिति भी है अहम

सड़क की हालत भी इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज और परफॉर्मेंस को प्रभावित करती है। खराब, टूटी-फूटी या गड्ढों वाली सड़कों पर स्कूटर की बैटरी जल्दी खर्च होती है। ऐसे में सड़क की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ही अपनी यात्रा की योजना बनाना बेहतर होता है।

सुरक्षा की पहल

दोपहिया वाहनों में एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम

भारत में सड़क हादसों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सरकार दोपहिया वाहनों की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाने जा रही है। इस साल देशभर में स्कूटर और मोटरसाइकिल की बिक्री के लिए एक सख्त नया नियम लागू होने जा रहा है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।

- प्रस्तावित नियम के अनुसार, इस साल भारत में बिकने वाले सभी दोपहिया वाहनों में एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (ABS) को अनिवार्य कर दिया जाएगा। अभी तक ABS केवल 150cc या उससे अधिक इंजन क्षमता वाली मोटरसाइकिलों में जरूरी था, लेकिन नए नियम के लागू होने के बाद यह सुरक्षा फीचर हर स्कूटर और मोटरसाइकिल में दिया जाएगा, चाहे उसकी इंजन क्षमता कुछ भी हो।
- केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इस नियम की जानकारी पहले ही वर्ष 2025 के मध्य में दे दी थी, ताकि वाहन निर्माताओं को तकनीकी बदलाव के लिए पर्याप्त समय मिल सके। इस साल से Hero MotoCorp, Honda, TVS, Bajaj, Suzuki सहित सभी दोपहिया वाहन कंपनियों को अपने मौजूदा और नए मॉडलों में ABS देना अनिवार्य होगा। खासतौर पर 125cc से कम क्षमता वाले वाहनों में यह एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।
- इसके साथ ही एक और महत्वपूर्ण नियम भी लागू किया जाएगा। नई मोटरसाइकिल या स्कूटर की बिक्री के समय दो हेलमेट देना भी अनिवार्य होगा। यानी शोरूम से वाहन खरीदने पर ग्राहक को दो हेलमेट मिलेंगे।
- सरकार का मानना है कि इन नियमों से ब्रेकिंग के दौरान फिसलने की घटनाएं कम होंगी और सिर की चोट से होने वाली मौतों में भी कमी आएगी। कुल मिलाकर, यह फैसला भारत में दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को एक मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान करेगा।

उर्वरकों पर 5% जीएसटी लागू करने का किया आग्रह

नई दिल्ली। इंडियन माइक्रो-फर्टिलाइजर्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने आम बजट से पहले केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि उर्वरक नियंत्रण आदेश (एफसीओ) के तहत अधिसूचित सभी उर्वरकों पर पांच प्रतिशत जीएसटी लागू किया जाए। उद्योग निकाय ने इसके अलावा अतिरिक्त जीएसटी क्रेडिट के रिफंड की प्रक्रिया तेज करने और एक एकीकृत लाइसेंसिंग प्रणाली लागू करने की मांग की। एसोसिएशन ने जीएसटी 2.0 को इस क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक सुधार बताया।

अमृत विचार

अयोध्या, सोमवार, 12 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

एनटीपीसी स्थापित करेगी एसएनजी

नई दिल्ली। एनटीपीसी छत्तीसगढ़ में 10,000 करोड़ के निवेश से कोयला से कृत्रिम प्राकृतिक गैस (एसएनजी) बनाने वाली सुविधा स्थापित करेगी। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कंपनी एसएनजी उत्पादन के तहत कोयले के शोधन और गैसीकरण जैसी विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए प्रौद्योगिकी साझेदारों की तलाश कर रही है। एनटीपीसी ने अक्टूबर 2025 में कोयले से एसएनजी बनाने के लिए इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) के साथ समझौता किया था। एनटीपीसी की अनुसंधान और विकास शाखा नेत्रा ' 'कोयले को हरित बनाने जैसी तकनीकों को बढ़ावा देने के तहत इस पहल का नेतृत्व कर रही है।

आत्मनिर्भरता को बहु तकनीकी नजरिया जरूरी

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के अनुसार भारत की भौगोलिक विविधता और उभरती भू-राजनीतिक स्थितियों को देखते हुए कारों में कई हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। कंपनी ने बहु-तकनीकी नजरिये पर जोर देते हुए कहा कि भौगोलिक विविधता और उपभोक्ता स्वीकार्यता के कारण बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन, हाइब्रिड, फ्लेक्स-ईंधन वाहन और हाइड्रोजन जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों, सभी की अपनी भूमिका है। जापान की टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन और भारत के किर्लोस्कर समूह के संयुक्त उद्यम वाली इस कंपनी ने कहा कि कार्बन उत्सर्जन से निपटने के लिए एक बहु-तकनीकी नजरिये की आवश्यकता है, जिसे अकेले ईवी और हाइब्रिड हल नहीं कर सकते।

सिग्नेचर ग्लोबल की बिक्री बुकिंग 27% घटी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने रविवार को बताया कि घरों की मांग के लिए प्रमुख त्योहारी सत्र होने के बावजूद दिसंबर तिमाही में उसकी बिक्री बुकिंग 27% घटकर 2,020 करोड़ रुपये रह गई। गुरुग्राम स्थित कंपनी ने पिछले साल की समान अवधि में 2,770 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेची थीं। सिग्नेचर ग्लोबल ने शेयर बाजार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उसने 408 इकाइयां बेची थीं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 1,518 इकाइयों की बिक्री हुई थी।

अडाणी समूह करेगा 1.5 लाख करोड़ का निवेश

वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन में करण अडाणी ने की घोषणा, खावड़ा परियोजना को करेंगे पूरा

अहमदाबाद, एजेंसी

अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड (एपीएसईजेड) के प्रबंध निदेशक करण अडाणी ने रविवार को कहा कि अडाणी समूह पांच वर्षों में गुजरात के कच्छ क्षेत्र में 1.5 लाख करोड़ का निवेश करेगा। करण अडाणी राजकोट में कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्रों के लिए आयोजित वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और कई प्रमुख उद्योगपति मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि अडाणी समूह पांच वर्षों में कच्छ में 1.5 लाख करोड़ निवेश करने को प्रतिबद्ध है। हम अपनी खावड़ा परियोजना को पूरा करेंगे और 2030 तक पूरी 37 गीगावाट क्षमता को चालू कर देंगे। साथ ही, हम 10 वर्षों में मुंद्रा में अपनी बंदरगाह क्षमता को भी दोगुना करेंगे। इनमें से प्रत्येक निवेश भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं-

● बोले- 2030 तक 37 गीगावाट क्षमता को चालू करने के साथ मुंद्रा बंदरगाह की क्षमता करेंगे दोगुना

रोजगार सृजन, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा, स्थिरता और दीर्घकालिक मजबूती के अनुरूप है। ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता का सामना कर रही है, भारत उम्मीद की किरण के रूप में उभर रहा है। भारत लगभग 8% की दर से बढ़ रहा है, अपने विनिर्माण आधार का विस्तार कर रहा है। गुजरात भारत के औद्योगिक रूप से उन्नत और वैश्विक स्तर पर जुड़े राज्यों में से एक है। भारत की जीडीपी में गुजरात का योगदान 8% से अधिक है, जबकि औद्योगिक उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी 17% है। करण ने कच्छ को परिवर्तन का शक्तिशाली प्रतीक बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र कभी दूरदराज वाला और चुनौतीपूर्ण था, लेकिन अब भारत के प्रमुख औद्योगिक, लॉजिस्टिक और ऊर्जा केंद्रों में एक बनकर उभरा है। कार्यक्रम में वेलस्पन वर्ल्ड के चेयरमैन बालकृष्ण गोयनका ने कहा कि उनकी कंपनी गुजरात में एक लाख लोगों को रोजगार दे रही है। अमेरिका और ब्रिटेन में वेलस्पन होम टेक्सटाइल की बाजार हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक है।

भू-राजनीतिक स्थिति से उत्पन्न चुनौतियों के बीच भारत अडिग : अंबानी

अहमदाबाद। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने रविवार को कहा कि वैश्विक अस्थिरता और भू-राजनीतिक स्थिति से उत्पन्न चुनौतियों के बीच भारत अडिग है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी नाम की अजेय सुरक्षा दीवार के कारण ये चुनौतियां देश को प्रभावित नहीं कर सकती। राजकोट में कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र के लिए आयोजित वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) को संबोधित करते हुए अंबानी ने जोर देकर कहा कि दुनिया को यह पता चलना चाहिए कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में यह भारत का निर्णायक दशक है। वीजीआरसी का उद्घाटन रविवार दोपहर को प्रधानमंत्री ने किया।

अंबानी ने कहा कि दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है, और वैश्विक राजनीतिक परिस्थितियां नई चुनौतियां और अनपेक्षित उतार-चढ़ाव ला रही हैं। लेकिन भारत के लिए सबसे बड़ी सुरक्षा यह है कि ये चुनौतियां हमारे लोगों को नहीं छू सकतीं या परेशान नहीं कर सकतीं, क्योंकि भारत के पास नरेन्द्र मोदी नाम की अजेय सुरक्षा दीवार है। उन्होंने कहा कि देश केवल भविष्य के लिए तैयारी नहीं कर रहा, बल्कि उसे सक्रिय रूप से आकार दे रहा है। अंबानी ने कहा कि सौराष्ट्र और कच्छ से हम उद्योग जगत के लोग खुश हैं कि हम उस विकास और दिशा में भाग ले रहे हैं, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने हम सभी के लिए दिखाया है। अंबानी ने कहा कि रिलायंस गुजरात को भारत का कृत्रिम मेधा (एआई) केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनियां अगले पांच वर्षों में राज्य में अपना निवेश 3.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर सात लाख करोड़ रुपये कर देंगी। रिलायंस गुजरात को भारत का एआई अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। जामनगर में हम भारत का सबसे बड़ा एआई-रेडी डेटा सेंटर बना रहे हैं, जिसका एकमात्र उद्देश्य हर भारतीय के लिए किफायती एआई उपलब्ध कराना है। अंबानी ने गुजरात में अभूतपूर्व पैमाने पर निवेश करने की प्रतिबद्धता भी जताई।

● मुकेश अंबानी ने वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत के लचीलेपन के लिए मोदी को अजेय दीवार बताया

एनपीए सार्वजनिक करने के पक्ष में आरबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

बैंक ऑफ बड़ौदा, आरबीएल बैंक, यस बैंक और भारतीय स्टेट बैंक ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) से संपर्क कर डिफॉल्टरों और एनपीए की सूची, जुर्माने और निरीक्षण रिपोर्ट जैसी सूचनाओं को सार्वजनिक करने पर आपत्ति जताई है। दूसरी ओर आरबीआई ने कहा कि आरटीआई अधिनियम के तहत इन अभिलेखों का खुलासा किया जा सकता है।

आरटीआई आवेदनकर्ताओं धीरज मिश्रा, वथिराज, गिरीश मित्तल और राधा रामन तिवारी ने आरबीआई में अलग-अलग आवेदन देकर इस बारे में जानकारी मांगी थी। उन्होंने यस बैंक के शीर्ष 100 एनपीए और जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों, एसबीआई और आरबीएल की निरीक्षण रिपोर्ट और बैंक ऑफ बड़ौदा पर वैधानिक निरीक्षण के बाद लगे 4.34 करोड़ रुपये के मौद्रिक जुर्माने से संबंधित दस्तावेजों सहित अन्य जानकारियां मांगी थीं। इन बैंकों ने सीआईसी के पास अपील की, क्योंकि आरबीआई ने पाया कि आरटीआई आवेदनकर्ताओं द्वारा मांगी जानकारी सार्वजनिक की जा सकती है।

● बैंकों ने सीआईसी से संपर्क कर सूचनाओं को सार्वजनिक करने का किया विरोध

अंतिम निर्णय तक रोक

सूचना आयुक्त खुशवंत सिंह सेठी ने बैंकों द्वारा उठाए मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए इस मामले को सीआईसी की बड़ी पीठ के पास भेज दिया। अंतिम निर्णय तक सूचना देने पर रोक लगा दी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस मामले का नतीजा बैंकिंग में पारदर्शिता, जमाकर्ताओं के अधिकार और नियामक जवाबदेही पर लंबी अवधि में बड़ा असर डाल सकता है, खासकर जब एनपीए, जुर्माने और निरीक्षण में कमी पर सार्वजनिक निगरानी बढ़ी हुई है। बैंक ये तर्क दे रहे हैं कि खुलासे से उनके व्यावसाय को नुकसान होगा।

स्पेन, जर्मनी, बेल्जियम और पोलैंड भारत के लिए प्रमुख निर्यात गंतव्य

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार स्पेन, जर्मनी, बेल्जियम और पोलैंड 27 देशों के यूरोपीय संघ ब्लॉक के भीतर भारतीय वस्तुओं के लिए स्थिर और प्रमुख निर्यात गंतव्य के रूप में उभर रहे हैं। भारतीय निर्यात के लिए स्पेन एक उच्च विकास वाला यूरोपीय बाजार बनकर उभरा है।

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान स्पेन को निर्यात में 56% से अधिक की वृद्धि हुई और यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में तीन अरब डॉलर से बढ़कर 4.7 अरब डॉलर हो गया। भारत के कुल निर्यात में स्पेन की हिस्सेदारी बढ़कर 2.4% हो गई, जिसमें 0.5% अंकों की उल्लेखनीय

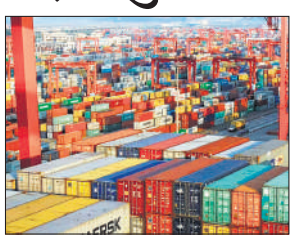

● 27 देशों के यूरोपीय संघ ब्लॉक के भीतर भारतीय वस्तुओं के लिए स्थिर बाजार बना स्पेन

वृद्धि हुई। इसी प्रकार, चालू वित्त वर्ष के आठ महीनों के दौरान जर्मनी को भारत का निर्यात 9.3% बढ़कर 6.8 अरब डॉलर से 7.5 अरब डॉलर हो गया। एक अधिकारी ने कहा कि भारत के कुल निर्यात में 2.6% हिस्सेदारी और 0.2% अंकों की हिस्सेदारी वृद्धि के साथ, जर्मनी भारतीय उत्पादों के लिए स्थिर मांग प्रदान करना जारी रखता है।

अप्रैल-नवंबर 2025-26 के दौरान बेल्जियम को देश से होने वाला निर्यात 4.2 अरब डॉलर से बढ़कर 4.4 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि के दौरान भारत का पोलैंड को निर्यात 7.6% बढ़कर 1.82 अरब डॉलर हो गया, जबकि अप्रैल-नवंबर 2024 में यह 1.69 अरब डॉलर था। अधिकारी ने कहा कि कुल मिलाकर ये रुझान भारत की यूरोप के लिए निर्यात रणनीति को दर्शाते हैं। स्पेन में तेजी से बढ़ती मांग, जर्मनी में स्थिर विकास और बेल्जियम में स्थिरता यह दिखाती है कि भारत का निर्यात संतुलित है, जिसमें पुराने बाजारों में मजबूती और नए बाजारों में विविधीकरण दोनों शामिल हैं।

बोल्ट के जरिए वीजा-मास्टरकार्ड से भुगतान होगा और भी सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

फोनपे पेमेंट गेटवे ने वीजा और मास्टरकार्ड के क्रेडिट और डेबिट कार्ड लेनदेन के लिए फोनपे पीजी बोल्ट पेश किया है। कंपनी ने शनिवार को कहा कि ये समाधान डिवाइस टोकनाइजेशन का इस्तेमाल करता है, जिससे फोनपे के उपयोगकर्ताओं और व्यवसाय साझेदारों को एप के भीतर ही सुरक्षित और कुशल भुगतान अनुभव मिलेगा।

फोनपे के व्यापारिक सेवाओं के मुख्य व्यवसाय अधिकारी (सीबीओ) युवराज सिंह शेखावत ने कहा कि वीजा और मास्टरकार्ड के लिए फोनपे पीजी बोल्ट की शुरुआत करोड़ों भारतीयों के लिए डिजिटल भुगतान को सरल बनाने की कंपनी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण

● फोनपे पेमेंट गेटवे ने फोनपे पीजी बोल्ट किया पेश

कदम है। किसी एप पर कार्ड से भुगतान करने के लिए अक्सर कार्ड नंबर, वैधता तिथि और सीवीवी डालना पड़ता है। बोल्ट इसको खत्म कर देगा।

फोनपे कार्ड के असली नंबर की जगह सुरक्षित कोड (टोकन) बना देता है। असली कार्ड नंबर व्यापारी के पास नहीं जाता और केवल सुरक्षित टोकन जाता है। इससे डेटा चोरी का खतरा कम हो जाता है। शेखावत ने कहा कि डिवाइस टोकनाइजेशन का लाभ उठाकर, हम उपयोगकर्ताओं और व्यापारियों को एक सुरक्षित, वन-क्लिक भुगतान अनुभव की ओर ले जाएंगे।

बीओबी ने आरबीआई के निर्णय को दी चुनौती

बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने आरबीआई के उस निर्णय को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है, जिसमें बैंक पर 4.34 करोड़ रुपये जुर्माने से जुड़े दस्तावेज़ों के खुलासे की अनुमति दी गई थी। आरबीएल बैंक, यस बैंक और एसबीआई ने भी इसी तरह के मामले में जानकारी देने पर आपत्ति जताई। आरबीआई ने साफ किया है कि आरटीआई अधिनियम, 2005 सभी पुराने कानूनों से ऊपर है और इसका उद्देश्य पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। आरबीआई ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने डिफॉल्टरों की सूची और निरीक्षण रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मंजूरी दी है।

जीएसटी सुधारों ने आंशिक-हाइब्रिड एसयूवी को बनाया आकर्षक : वोल्वो

नई दिल्ली। लक्जरी कार विनिर्माता वोल्वो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जीएसटी सुधारों के बाद आंशिक-हाइब्रिड एसयूवी ग्राहकों के लिए और भी आकर्षक हो गई हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी पूरी तरह इलेक्ट्रिक भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है और भारत में बेची जाने वाली हर चार कारों में एक इलेक्ट्रिक है। वोल्वो कार इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) ज्योति मल्होत्रा ने बताया कि जीएसटी 2.0 का कार्यान्वयन महत्वपूर्ण उत्प्रेरक रहा है और इसने कर संरचना को तर्कसंगत बनाकर लक्जरी खंड को सुव्यवस्थित किया है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पूरी तरह इलेक्ट्रिक भविष्य के लिए हमारी प्रतिबद्धता अपरिवर्तित है, और हम इन आंकड़ों को एक स्थिर आधार के रूप में देखते हैं।

राष्ट्रीय

सत्ता के लिए मैच-फिक्सिंग करते हैं वामपंथी-कांग्रेस

स्थानीय निकायों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों की बैठक को केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने किया संबोधित

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर तीखा हमला करते हुए उन पर मैच फिक्सिंग, परस्पर समझौते और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि केरल में निश्चित तौर पर भाजपा की सरकार बनेगी। शाह ने स्थानीय निकायों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ दशकों से राजनीतिक नाटक कर रहे हैं और जब भी चुनावी गणित की जरूरत पड़ी, दोनों एक-दूसरे के बचाव में खड़े हुए।

उन्होंने आरोप लगाया कि पांच दशकों से यह चलन बना हुआ है कि जब कांग्रेस बहुमत हासिल नहीं कर पाती, तो वामपंथी उसका समर्थन करते हैं। जब त्रिपुरा में वामपंथियों को राजनीतिक समर्थन की जरूरत पड़ी, तो कांग्रेस ने दिया। शाह ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल और केरल में एक साथ चुनाव होने से ही कांग्रेस और कम्युनिस्ट वहां औपचारिक गठबंधन में नहीं आए, अन्यथा दोनों साथ चुनाव लड़ते। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट दोनों शून्य सीटों की ओर बढ़ रहे हैं और वहां भाजपा सरकार बनाने की स्थिति में है। केरल में भाजपा के संगठनात्मक विस्तार पर उन्होंने कहा कि पार्टी ने अब तक 30 ग्राम पंचायतें और दो नगरपालिकाएं जीती हैं। उन्होंने कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में आज भाजपा का मेयर होना पार्टी की राजनीतिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

निकायों के नव निर्वाचित प्रतिनिधियों को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

शाह ने श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में की पूजा-अर्चना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रसिद्ध श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की और कहा कि उनका यह दौरा तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा के महापौर पद पर जीत हासिल करने के लिए आभार व्यक्त करने के वास्ते था। शाह शनिवार रात एक दिवसीय दौरे पर तिरुवनंतपुरम पहुंचे और उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर और जिला अध्यक्ष करमना जायन के साथ आज सुबह मंदिर में दर्शन किए। पारंपरिक धोती और कसवु (रेशमी) शॉल पहने शाह का मंदिर के अधिकारियों और त्रावणकोर शाही परिवार के सदस्य आदित्य वर्मा ने मंदिर में स्वागत किया। दौरे के बाद मंदिर के अधिकारियों ने उन्हें उपहार भेंट किए, जिनमें भगवान श्री पद्मनाभ को समर्पित एक औपचारिक चित्रित धनुष ' ओनाविल्लू ' भी शामिल था।

शबरिमला सोना चोरी मामले की निष्पक्ष एजेंसी से कराएं जांच

तिरुवनंतपुरम। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को शबरिमला मंदिर में सोने की चोरी को लेकर मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन की आलोचना की और जांच एजेंसी से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। स्थानीय निकायों के नवनिर्वाचित भाजपा प्रतिनिधियों और केरल में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के मिशन 2026 कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए शाह ने कहा कि जो लोग शबरिमला की संपत्तियों की रक्षा करने में विफल रहे, वे लोगों के धर्म की रक्षा नहीं कर सकते। केरल में श्रद्धालुओं की आस्था की रक्षा केवल भाजपा ही कर सकती है। शबरिमला में सोने की चोरी केवल केरल के लोगों के लिए ही नहीं बल्कि हर श्रद्धालुओं के लिए चिंता का विषय है। शाह ने कहा कि उन्होंने इस मामले में प्राथमिकी देखी है और जिस तरह से इसे तैयार किया गया है, उससे स्पष्ट है कि इसका उद्देश्य आरोपियों को बचाना है। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) से जुड़े दो व्यक्तियों पर संदेह जताते हुए भाजपा नेता ने पूछा कि ऐसी परिस्थितियों में निष्पक्ष जांच कैसे संभव हो सकती है। कांग्रेस को भी दोषमुक्त नहीं किया जा सकता क्योंकि उसके नेताओं की संलिप्तता के सबूत सामने आए हैं। शाह ने विजयन का जिक्र करते हुए कहा, मैं मांग करता हूं कि मुख्यमंत्री इस मामले की जांच किसी निष्पक्ष जांच एजेंसी को सौंप दें।

अल फलाह विवि परिसर को कुर्क कर सकती है ईडी

नई दिल्ली। ईडी हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह विवि के परिसर को कुर्क कर सकती है। अल फलाह दिल्ली में पिछले साल लाल किले के पास हुए कार बम विस्फोट के बाद एजेंसियों की जांच के घेरे में है।

सूत्रों ने रविवार को बताया कि ईडी इसकी जांच कर रही है कि क्या विवि के निर्माण के लिए धनराशि अपराध से अर्जित की गई थी। ईडी ने अल फलाह ट्रस्ट से संचालित शिक्षण संस्थानों के छात्रों के साथ धोखाधड़ी में अल फलाह समूह के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी को पिछले साल नवंबर में धनशोधन में गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी ने दावा किया था कि इन शिक्षण संस्थानों के पास वैध मान्यता नहीं थी। मामले में चिह्नित अपराध से अर्जित आय के हिस्से का इस्तेमाल फरीदाबाद के धौज इलाके में स्थित अल फलाह विवि की विभिन्न इमारतों के निर्माण में किए जाने का संदेह है।

● लाल किले के पास कार बम विस्फोट के बाद से एजेंसियों की जांच के घेरे में है अल फलाह

व्यक्तिगत हित विरोध करने का आधार नहीं : सीजेआई

एकीकृत न्यायिक न्यायालय परिसर की डमी को देखते एसजेआई सूर्यकांत, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा व अन्य।

गुवाहाटी, एजेंसी

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को असम के उत्तरी गुवाहाटी क्षेत्र में नए एकीकृत न्यायिक अदालत परिसर की गुवाहाटी हाईकोर्ट बार संघ के विरोध किए जाने पर हैरानी जताई। सीजेआई ने इस परिसर की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि नए बुनियादी ढांचे के विकास का विरोध करने के लिए व्यक्तिगत निहित स्वार्थ वैध आधार नहीं होने चाहिए।

उत्तरी गुवाहाटी के रंगमहल में इस परिसर की आधारशिला रखने के बाद सीजेआई ने कहा कि एकीकृत न्यायिक अदालत परिसर को भविष्य की आकांक्षाओं के अनुरूप बनाया गया है। देश की न्यायपालिका के प्रमुख के रूप में न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि वह इस पेशे में आने वालों की जरूरतों को पूरा करने के लिए बाध्य हैं। सीजेआई ने कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि गुवाहाटी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन (जीएचसीबीए) नए एकीकृत अदालत परिसर का विरोध कर रही है, जिसमें गुवाहाटी हाईकोर्ट भी स्थित होगा।

● नए एकीकृत न्यायिक अदालत परिसर का गुवाहाटी हाईकोर्ट बार संघ के विरोध से हुए हैरान

बंदी के फिर से अपराध में लिप्त होने की आशंका हिरासत के लिए पर्याप्त नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि हिरासत में लेने वाले अधिकारी की यह आशंका कि यदि किसी बंदी को जमानत पर रिहा किया जाता है, तो वह अपराधों में फिर से लिप्त हो सकता है, एहतियाती हिरासत का आदेश देने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हो सकता। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और एएस चंदूरकर की पीठ ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें हैदराबाद की महिला की हिरासत के आदेश दिए गए थे, जिसे 1986 के तेलंगाना खतरनाक गतिविधियों की रोकथाम के तहत तस्करी में लिप्त पाया गया था।

पीठ ने यह फैसला इस आधार पर लिया कि हिरासत के आदेश में यह स्पष्ट नहीं किया गया

● तेलंगाना उच्च न्यायालय के आदेश को उच्चतम न्यायालय ने किया रद्द

था कि लोक व्यवस्था पर किस प्रकार से प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था या पड़ने की आशंका थी, जिसके कारण बंदी को हिरासत में रखा गया था। पीठ ने 8 जनवरी के अपने आदेश में कहा कि ऐसे हिरासत में लेने वाले अधिकारी ने सिर्फ यह आशंका जताई कि यदि बंदी को जमानत पर रिहा कर दिया जाता है, तो वह इस प्रकार के अपराधों में लिप्त हो सकती है।

संशोधन के छह साल बाद भी मध्यस्थता परिषद का गठन नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कानून में संशोधन के छह साल बाद भी देश में संस्थागत मध्यस्थता को विनियमित करने और बढ़ावा देने के लिए भारतीय मध्यस्थता परिषद का गठन नहीं किया है।

केंद्रीय कानून मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि कॉरपोरेट और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को वाणिज्यिक विवादों के निपटारे के लिए तदर्थ मध्यस्थता को छोड़कर संस्थागत मध्यस्थता को अपनाने में वर्षों लग गए। प्रस्तावित मध्यस्थता परिषद को संस्थागत मध्यस्थता को विनियमित करने का दायित्व सौंपा गया है। एक अधिकारी ने कहा कि जब भारत में संस्थागत मध्यस्थता ने आकार ही नहीं लिया है, तो मध्यस्थता परिषद किसे विनियमित करेगी? अब इसने आकार ले लिया है और इसी वर्ष के भीतर प्रस्तावित परिषद का गठन हो जाएगा।

● प्रस्तावित मध्यस्थता परिषद को संस्थागत मध्यस्थता को विनियमित करने का दायित्व सौंपा

समय के साथ विकसित हो रहा है आरएसएस : भागवत

● संघ के 100 साल के सफर का वर्णन करती फिल्म शतक के गीत संग्रह कार्यक्रम को किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भगवत ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बदल नहीं रहा है, बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे विकसित हो रहा है और बस सामने आ रहा है। आरएसएस प्रमुख यहां संगठन के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जो आगामी फिल्म शतक के गीत संग्रह के विमोचन के लिए आयोजित किया गया था। यह फिल्म आरएसएस के 100 साल के सफर का वर्णन करती है।

संघ की यात्रा को दर्शाने वाली फिल्म के गानों की लॉचिंग पर मौजूद मोहन भगवत।

इस दौरान गायक सुखविंदर सिंह, निर्देशक आशीष मॉल, सह-निर्माता आशीष तिवारी और आरएसएस के पदाधिकारी भैयाजी जोशी उपस्थित थे। भागवत ने कहा कि संगठन (आरएसएस) अपनी शताब्दी मना रहा है, लेकिन जैसे-जैसे संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है, लोग इसे बदलते हुए देखते हैं। वास्तव में यह बदल नहीं रहा है- यह बस धीरे-धीरे विकसित हो रहा है। जिस प्रकार बीज से अंकुर निकलता है और फल-फूलों से लदा परिपक्व वृक्ष एक अलग रूप धारण कर लेता है, उसी प्रकार ये दोनों रूप भिन्न हैं। फिर भी, वृक्ष मूलतः उसी बीज के समान है जिससे वह उगा है।

संघ और डॉक्टर हेडगेवार साहब पर्यायवाची शब्द

भागवत ने कहा कि आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जन्मजात देशभक्त थे। संघ और डॉक्टर साहब पर्यायवाची शब्द हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार महज 11 साल के थे जब उनके माता-पिता की प्लेग से मृत्यु हो गई, लेकिन उन्हें उस उम्र में या बाद में भी संवाद करने या मन की बात कहने के लिए कोई नहीं मिला। जब इतनी कम उम्र में ऐसा बड़ा सदमा लगता है, तो व्यक्ति अकेला हो जाता है और उसके स्वभाव और व्यक्तित्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना होती है, लेकिन हेडगेवार के साथ ऐसा नहीं हुआ। उनके व्यक्तित्व में ऐसी क्षमता थी कि वे अपने विश्वास को जरा भी विचलित किए बिना बड़े से बड़े झटकों को भी सह सकते थे- यह उत्कृष्ट मानसिक स्वास्थ्य, मजबूत और स्वस्थ मन का संकेत था।

वर्ल्ड ब्रीफ

फ्रांस में हिमस्खलन में दो स्कीयरों की मौत

पेरिस। फ्रांस के सावोई विभाग (क्षेत्र) के वैल-डी 'इसेरे में ऑफ-पिस्ट स्कीइंग करते समय हिमस्खलन में फंसने से शनिवार को दो फ्रांसीसी स्कीयरों की मौत हो गई। फ्रांस के दैनिक अखबार ले फिगारो ने वैल-डी 'इसेरे पर्यटन के बयान का हवाला देते हुए कहा कि दोनों पीड़ित 2.5 मीटर बर्फ के नीचे दबे हुए थे और बचाव दल उन्हें ढूंढने और उन तक पहुंचने में कामयाब होने के बाद भी उन्हें बचा नहीं पाए। बयान में कहा गया है कि दोनों स्कीयर के पास हिमस्खलन ट्रांसीवर नहीं थे और उन्हें केवल उनके मोबाइल फोन के जरिए ही ढूंढा जा सका और बचाव दल को उन्हें 10 गुणा 15 मीटर के क्षेत्र में ढूंढने के लिए बर्फ के ढेर की जांच करनी पड़ी। कहा गया है कि दोनों पीड़ितों को दिल का दौरा पड़ा था और बचाव दल की कोशिशों के बावजूद उन्हें वापस नहीं लाया जा सका।

म्यांमार में सैन्य संघर्ष के बीच मतदान जारी

यंगून। म्यांमार में पांच साल के बाद हो रहे पहले आम चुनाव के दूसरे चरण के लिए रविवार को मतदान आरंभ हुआ। इस चरण में सैन्य सरकार और सशस्त्र विद्रोहियों के बीच जारी गृह युद्ध से प्रभावित कुछ इलाकों में भी मतदान हो रहा है। देश के सैगाइंग, मैगवे, मंडाले, बागो, तनिनथारयी क्षेत्र और मोन, शैन, काचिन, कयाह व कायिन राज्यों में स्थानीय समयानुसार सुबह छह बजे मतदान शुरू हुआ। अधिकतर इलाकों में हालिया महीनों में झड़प हुई हैं। सशस्त्र संघर्षों के कारण यह चुनाव तीन चरणों में कराया जा रहा है। पहला चरण 28 दिसंबर को देश की कुल 330 टाउनशिप में से 102 में हुआ था। इसके बाद रविवार को दूसरे चरण का मतदान जारी है। अंतिम चरण का मतदान 25 जनवरी को होना है।

जहाज की टक्कर से रूसी महिला की मौत

बैंकॉक। थाईलैंड के तट के पास रविवार को एक पर्यटक नाव और एक मछली पकड़ने वाली नाव के बीच टक्कर में एक रूसी महिला की मौत हो गई, जबकि 21 लोग घायल भी हुए। थाई अखबार 'रथ' ने बताया कि 18 साल की रूसी नागरिक एलिजावेता स्तारिख की इस टक्कर में मौत हो गई। रूसी महावाणिज्य दूत येगोर इवानोव ने कहा, दुर्भाग्य से, रूसी महिला की मौत हो गई है। हम घायल लोगों के बारे में जानकारी साफ कर रहे हैं। फुकेट प्रांतीय प्रशासन के अनुसार, यह टक्कर रविवार को स्थानीय समय के अनुसार सुबह करीब नौ बजे फी फी द्वीप समूह के पास हुई। टक्कर के समय, पर्यटक नाव पर 52 विदेशी पर्यटक थे, जिनमें रूसी भी शामिल थे, साथ ही तीन थाई क्रू सदस्य भी थे।

मचाडो ट्रंप को नहीं दे सकतीं अपना नोबेल शांति पुरस्कार

- नोबल इंस्टीट्यूट ने मचाडो के बयान के बाद साफ की स्थिति

वाशिंगटन। नोबेल इंस्टीट्यूट ने स्पष्ट किया है कि वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो हाल ही में मिला नोबेल शांति पुरस्कार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नहीं दे सकतीं।

नॉर्वियन नोबेल इंस्टीट्यूट ने यह बयान मचाडो के यह कहने के बाद जारी किया है कि वह अपना पुरस्कार ट्रंप को देना या उनके साथ साझा करना चाहेंगी, जिन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के अभियान की निगरानी की है। इंस्टीट्यूट ने शुक्रवार को बयान में कहा कि नोबेल पुरस्कार की घोषणा के बाद इसपर न तो रोक लगाई जा सकती है, न किसी को सौंपा या साझा किया जा सकता है। मचाडो ने सोमवार को कहा था, मैं व्यक्तिगत रूप से उनसे कहना जरूर चाहूंगी कि हम यह मानते हैं कि यह पुरस्कार वेनेजुएला के लोगों का है और वे निश्चित रूप से इसे उन्हें देना या उनके साथ साझा करना चाहते हैं। पुरस्कार की घोषणा के तुरंत बाद मचाडो ने इसे ट्रंप और वेनेजुएला की जनता को समर्पित कर दिया था। ट्रंप लंबे समय से नोबेल पुरस्कार की इच्छा जताते रहे हैं।

नए परिदृश्य में बदलते विकल्प

नई वैश्विक चुनौतियों में ऊर्जा सुरक्षा दुनिया के सारे देशों के लिए सबसे बड़ी और कठिन चुनौती है। अमेरिकी प्रतिबंधों के दबाव में भारत को रूस से कच्चे तेल का आयात कम करना पड़ा है, इसके बाद वेनेजुएला पर अमेरिका के हमले और उसके तेल भंडारों पर कब्जे से भारत के लिए स्थितियां और ज्यादा प्रभावित हुई हैं। रूस और वेनेजुएला से भारत सस्ते तेल का आयात कर रहा था। लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक परिवर्तनों के कारण भारत की ऊर्जा रणनीति और तेल निर्भरता में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। अब ये दोनों विकल्प मजबूत नहीं रहे हैं। इसके चलते भारत अब एक राजनयिक संतुलन स्थापित करने की कोशिश कर रहा है, इसके तहत वह रूसी तेल से मिलने वाली छूट और अमेरिकी प्रतिबंधों के जोखिम के बीच अपनी ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है।

भारत की ऊर्जा निर्भरता

भारत के तेल आयात में बदलाव

- रूस से भारत 35-40% तेल खरीद रहा था, अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत ने ऊर्जा सुरक्षा के लिए अमेरिका से कच्चे तेल का आयात 92% तक बढ़ा दिया है।
- अमेरिका के कारण वेनेजुएला से भारत का आयात 0.3% के नगण्य स्तर पर आ गया है। मई 2025 से भारतीय रिफाइनरियों ने वेनेजुएला के तेल से दूरी बना ली है।
- अमेरिका ने भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदने की सशर्त अनुमति देने के संकेत दिए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियां अमेरिकी प्रशासन से मंजूरी मांग रही हैं।
- ऊर्जा निर्भरता सुरक्षित करने के लिए भारत ने तेल आपूर्ति वाले देशों की संख्या 30 से बढ़ाकर 40 कर दी है, जिसमें मध्य पूर्व, अफ्रीका और अमेरिका शामिल हैं।

भारतीय कंपनियों पर दबाव

- रिलायंस और नायरा एनर्जी जैसी कंपनियों के ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन पर दबाव पड़ेगा क्योंकि कच्चा तेल अब महंगा मिल रहा है।
- अमेरिकी प्रतिबंधों वाली संस्थाओं के साथ लेनदेन से बचने को भारतीय कंपनियों को नए और सुरक्षित भुगतान के मार्ग खोजने पड़ रहे हैं।
- सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ने पर घरेलू कीमतें स्थिर रखने के कारण वित्तीय नुकसान होने की संभावना है।
- कंपनियों को रिफाइनरियों की तकनीकी सेटिंग्स में बदलाव करना पड़ रहा है ताकि वे अलग-अलग ग्रेड के कच्चे तेल को प्रोसेस कर सकें।

भारत के पास विकल्प

- भारत अमेरिका, ब्राजील और गुयाना जैसे गैरपारंपरिक स्रोतों से तेल खरीद बढ़ा रहा है ताकि एक क्षेत्र पर निर्भरता कम हो सके।
- रूस से सप्लाई में बाधा आने पर सऊदी अरब, इराक, यूएई जैसे पुराने भागीदारों से फिर दीर्घकालिक अनुबंध बढ़ा रहा है।
- भारत ने भूमिगत तेल भंडारों को भरने का लक्ष्य तय किया है जो भविष्य की कीमतों में उछाल से बचने की रणनीति का हिस्सा है।
- सरकार का इथेनॉल ब्लेंडिंग, इलेक्ट्रिक वाहन और ग्रीन हाइड्रोजन पर जोर, ताकि कच्चे तेल की खपत को कम किया जा सके।

अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

- भारत 85% तेल आयात करता है। आयात बिल बढ़ने से विदेशी मुद्रा भंडार प्रभावित होता है और चालू खाता घाटा बढ़ सकता है।
- यदि सरकार तेल की बढ़ती कीमतों का बोझ जनता पर न डालकर सब्सिडी बढ़ाती है तो सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ेगा।
- ऊर्जा की उच्च लागत औद्योगिक उत्पादन व उपभोक्ता खर्च धीमा कर सकती है, जिससे आर्थिक विकास पर असर पड़ सकता है।

ईरान की चेतावनी... हम पर हमला हुआ तो अमेरिका-इजराइल को निशाना बनाएंगे

संसद में अमेरिका मुर्दाबाद के नारों के बीच कट्टरपंथी ईरानी नेता कालिबाफ ने की घोषणा

दुबई, एजेंसी

ईरान में देशव्यापी प्रदर्शन रविवार को राजधानी और देश के दूसरे बड़े शहर में भी फैल गए। हालांकि इंटरनेट और फोन लाइन काट दिए जाने के कारण ईरान में प्रदर्शन का वास्तविक अनुमान लगाने में मुश्किल आ रही है। इस बीच ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कालिबाफ ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका इस्लामिक गणराज्य पर हमला करता है तो अमेरिकी सेना और इजराइल उसका वैध निशाना बनेंगे। कालिबाफ ने यह चेतावनी ईरान की संसद में अमेरिका मुर्दाबाद के नारों के बीच दी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में जारी प्रदर्शनों को लेकर हमले की धमकी दी है। कालिबाफ की टिप्पणियों ने पहली बार संकेत दिया है कि उन्होंने ईरानी हमले के संभावित लक्ष्यों की सूची में इजराइल को भी शामिल किया है। कट्टरपंथी नेता कालिबाफ ने यह धमकी तब दी, जब ईरान की संसद में सांसद 'अमेरिका मुर्दाबाद' के नारे लगाते हुए आसन के समीप पहुंच गए। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने संसद सत्र का सीधा प्रसारण किया। कालिबाफ ने अपने संबोधन में पुलिस और ईरान के अर्द्धसैन्य बल रिवोल्यूशनरी गार्ड, विशेष रूप से उसके स्वयंसेवी बासिज की प्रदर्शनों के दौरान दृढ़ता से खड़े रहने के लिए प्रशंसा की। कालिबाफ ने कहा, ईरान के लोगों को पता होना चाहिए कि हम उनके साथ सबसे सख्त तरीके से निपटेंगे और गिरफ्तार किए गए लोगों को दंडित करेंगे।

उन्होंने इजराइल और अमेरिका को चेताते हुए कहा, ईरान पर हमले की स्थिति में कब्जे वाले क्षेत्र और इस क्षेत्र में स्थित सभी अमेरिकी सैन्य केंद्र, अड्डे और जहाज हमारे वैध लक्ष्य होंगे। कालिबाफ ने कहा, हम केवल कार्रवाई के बाद प्रतिक्रिया देने तक सीमित नहीं रहेंगे। हम किसी भी खतरे के स्पष्ट संकेत मिलने पर तुरंत कार्रवाई करेंगे। ट्रंप ने भी चेताया है कि वह शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों की रक्षा के लिए ईरान पर हमला करने को तैयार हैं। ट्रंप ने कहा, ईरान आजादी चाहता है, जो शायद उसने पहले कभी नहीं देखी थी। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' और 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से शनिवार रात बताया कि ट्रंप को ईरान पर हमले के लिए सैन्य विकल्प दिए गए थे लेकिन उन्होंने अब तक निर्णय नहीं लिया है।

बढ़ते दमन के बीच सड़क पर एक अलाव के चारों ओर नाचते और नारे लगाते प्रदर्शनकारी।

देशव्यापी प्रदर्शनों में अब तक 203 लोग मारे गए

दुबई। ईरान में जारी राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में करीब 203 लोग मारे गए हैं, हालांकि मृतकों की वास्तविक संख्या इससे भी कहीं ज्यादा होने की आशंका जताई गई है क्योंकि ईरान में इंटरनेट और फोन सेवाओं के बंद होने के कारण विदेशों से प्रदर्शनों की स्थिति का आकलन करना मुश्किल हो गया है। अमेरिका स्थित 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी' के अनुसार प्रदर्शनों में जान गंवाने वालों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। एजेंसी के अनुसार, मृतकों में 162 प्रदर्शनकारी और 41 सुरक्षा बलों के सदस्य शामिल हैं। ईरान सरकार ने प्रदर्शनों में हताहतों की संख्या जारी नहीं की है। इंटरनेट और अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल बंद होने से संख्या का सटीक आकलन नहीं हो पा रहा है।

बात सुनने को तैयार लेकिन समाज को तबाह नहीं करने देंगे: पेजेश्कियन

दुबई। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा है कि अधिकारी प्रदर्शनकारियों की बात सुनेंगे, लेकिन प्रदर्शनकारी पूरे इस्लामी गणराज्य में फैल रहे हैं और दंगाई पूरे समाज को तबाह करने का प्रयास कर रहे हैं। जनता को शांत करने में असमर्थ रहे पेजेश्कियन ने कठोर रुख के साथ यह टिप्पणी की। कहा, अगर हमारा कर्तव्य है तो हमें लोगों के साथ बैठकर उनकी चिंताओं का समाधान करना चाहिए। लेकिन इससे भी बड़ा कर्तव्य यह है कि हम दंगाइयों के एक समूह को आकर पूरे समाज को तबाह करने की अनुमति न दें। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने रविवार को राष्ट्रपति का साक्षात्कार प्रसारित किया।

इसरो का पीएसएलवी-सी 62 प्रक्षेपण को तैयार

- पृथ्वी अवलोकन उपग्रह के साथ कई और उपग्रह ले जाएगा अंतरिक्ष में

हैदराबाद। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) सोमवार को पीएसलवी-सी62 मिशन अंतरिक्ष में भेजने वाला है, जिसके साथ भेजने के लिए हैदराबाद के स्टार्टअप और स्कूली छात्रों ने भी उपग्रह एवं उन्नत पेलोड तैयार किए हैं।

इस मिशन में अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाला स्टार्टअप 'ध्रुव स्पेस' अपना 'पोलर एक्सेस-1' (पीए-1) मिशन भेज रहा है, जिसमें इसका आपदा संचार उपग्रह 'थायबोल्ट-3' भी शामिल है। एक अन्य स्टार्टअप 'इयोन स्पेस लैब्स' ने 'टेकमी2स्पेस' कंपनी के सहयोग से 'एमओआई-1' विकसित किया है, जो इसरो के इस मिशन के साथ ही अंतरिक्ष में भेजा जाने वाला है। यह 14 किलोग्राम का क्यूबसैट है, जिसे भारत की ओर से अंतरिक्ष में भेजा जाने वाला पहली 'एआई प्रयोगशाला' बताया जा रहा है। इस छोटे से उपग्रह में देश का सबसे हल्के उन्नत मल्टीस्पेक्ट्रल अर्थ ऑब्जर्वेशन पेलोड 'मीरा' लगा हुआ है, जो एआई का उपयोग करके अंतरिक्ष में ही इमेजिंग डेटा का विश्लेषण करने में सक्षम है।

17 छात्रों ने बनाया है क्यूबसैट पेलोड

हैदराबाद के 'ब्लू ब्लॉक्स मोंटेसरी स्कूल' के 17 माध्यमिक स्कूली छात्रों ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए एक क्यूबसैट पेलोड डिजाइन और निर्मित किया है। स्कूल स्तर पर भारत में अपनी तरह की इस पहली परियोजना को भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) से मंजूरी भी मिल गई है।

जापान की पीएम ने दिए संसद भंग करने के संकेत

- जापान इनोवेशन पार्टी के नेता हिरोफूमी ने मीडिया से बातचीत में किया दावा

टोक्यो। जापान इनोवेशन पार्टी (निप्पॉन इशिन नो काई) के नेता हिरोफूमी योशिमुरा ने कहा है कि प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने उनके साथ बातचीत के दौरान संसद को जल्दी भंग करने का संकेत दिया था।

योशिमुरा ने एनएचके प्रसारक पर लाइव बातचीत के दौरान कहा, संसद को भंग करने का फैसला प्रधानमंत्री का अधिकार है। अगर ऐसा कोई फैसला लिया जाता है, तो हम किसी भी समय लड़ने के लिए तैयार हैं। परसों थोड़ी देर के लिए हमारी निजी बातचीत हुई थी। हमारी बातचीत में एक पल ऐसा आया, जब हमने कहा कि माहौल बदल गया है', लेकिन प्रधानमंत्री ने साल की शुरुआत की इस बातचीत में संसद भंग करने की कोई खास तिथि नहीं बताई थी, इसलिए संसद भंग होने की संभावना की मीडिया रिपोर्टों से मैं हैरान नहीं हूं।

भारत सिंगापुर में जहाज सुरक्षा एजेंसी से अपने संबंध और मजबूत करेगा

- एशिया में समुद्री जहाजों में डकैती और लूटपाट से निपटने की योजना

सिंगापुर, एजेंसी

एशिया में समुद्री जहाजों में डकैती और हथियारबंद लूटपाट से निपटने के लिए क्षेत्रीय सहयोग (आरईसीएएपी) के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत समूह के सिंगापुर स्थित सूचना साझाकरण केंद्र (आईएससी) के साथ अपने जुड़ाव को और गहरा करेगा।

समूह के कार्यकारी निदेशक विजय डी चाफेकर ने शनिवार को बताया, हम एशिया में सुरक्षित समुद्रों (नौवहन) को बढ़ावा देने के लिए आरईसीएएपी के भारतीय केंद्र बिंदु, समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) के साथ घनिष्ठ सहयोग की उम्मीद करते हैं। भारत 21 देशों के आरईसीएएपी के संस्थापक सदस्यों में से एक है, जिसे समुद्री सुरक्षा और जहाज सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक क्षेत्रीय, सरकार-से-सरकार संस्था के रूप में स्थापित किया गया था। चाफेकर ने कहा कि इस समूह में एशिया के बाहर के देश भी रुचि दिखा रहे हैं। भारतीय तटरक्षक बल के सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक ने कहा, जहाजों पर होने वाले अधिकतर हमले अब इंजन और मशीनरी के पुर्जों की चोरी के लिए होते हैं, जिनकी समानांतर बाजारों में मांग है। हाल के वर्षों में चालक दल के अपहरण या जहाजों के अपहरण की कोई घटना नहीं हुई है। वह तीन साल से आरईसीएएपी की अगुवाई कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आरईसीएएपी अब अपनी स्थापना के 20 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में समारोह मनाने की तैयारी कर रहा है जो मार्च में सिंगापुर में आयोजित होगी।

रूस के वोरोनेझ में ड्रोन हमले में महिला की मौत, तीन घायल

मॉस्को। यूक्रेन के एक ड्रोन हमले में रूस के वोरोनेझ शहर में एक महिला की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव ने टेलीग्राम पर यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि शनिवार को हुए हमले के दौरान ड्रोन का मलबा एक घर पर गिरने से घायल हुई एक युवती की अस्पताल की आईसीयू में रात को मौत हो गई। उन्होंने बताया कि तीन लोग घायल हुए हैं और 10 से अधिक अपार्टमेंट इमारतों, निजी घरों तथा एक उच्च विद्यालय को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने यह भी बताया कि वायु रक्षा प्रणालियों ने वोरोनेझ के ऊपर 17 ड्रोन मार गिराए। यह शहर लगभग 10 लाख से अधिक आबादी वाला है और यूक्रेनी सीमा से करीब 250 किलोमीटर दूर स्थित है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इसके एक दिन पहले रूस ने शुक्रवार तड़के यूक्रेन पर सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइल दागीं। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में राजधानी कीव में कम से कम चार लोगों की मौत हुई।

अमेरिकी हिरासत से मादुरो का बेटे को संदेश- मैं योद्धा की तरह मजबूत

काराकस, एजेंसी

- वकीलों के जरिए उदास न होने और एकजुट बने रहने का किया आह्वान

वेनेजुएला के सांसद निकोलस मादुरो ग्वेरा ने कहा कि उनके पिता राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अपने वकीलों के जरिए संदेश भेजा है। इसमें कहा गया है कि वह ठीक हैं और अमेरिकी हिरासत में होने के बावजूद मजबूत बने हुए हैं।

ग्वेरा ने वेनेजुएला की सत्ताधारी यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी के नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, वकीलों ने हमें बताया कि वे मजबूत हैं और हमें उदास नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया पिता ने संदेश में कहा है, हमलोग ठीक हैं, मैं योद्धा हूं। राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस फिलहाल अमेरिका में हैं। अमेरिकी सेना ने गत तीन जनवरी को राजधानी काराकस और अन्य शहरों में सैन्य अभियान चलाकर उन्हें अगवा कर लिया था। इन हमलों की दुनिया भर में निंदा की गई और चिंता जताई गई है। ग्वेरा ने कहा कि उनके पिता टूटे नहीं हैं, साथ में यह भी जोड़ा कि सरकार और उसके समर्थक एकजुट हैं और मजबूती से खड़े हैं।

उन्होंने कहा, शाविज्मो (पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज की विचारधारा) की ताकत एकता में है। चाहे कुछ भी हो जाए, हमें एकजुट रहना होगा। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने शनिवार को मादुरो और उनकी पत्नी की वापसी सुनिश्चित करने का वादा किया।

मिसीसिपी में युवक ने एक के बाद एक 6 को गोली से उड़ाया

वेस्ट प्वाइंट। अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के एक ग्रामीण इलाके में 24 वर्षीय युवक ने तीन अलग-अलग स्थानों पर छह लोगों की हत्या कर दी। मृतकों में उसका पिता, भाई, दो रिश्तेदार, एक गिरजाघर के पादरी और पादरी के भाई शामिल हैं।

आरोपी डारिका एम. मूर को शुक्रवार देर रात लगभग बारह बजे से पहले सीडरब्लफ में एक पुलिस नाके पर गिरफ्तार किया गया। क्ले काउंटी के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी स्कॉट कोलम ने कहा कि वह मृत्युदंड की मांग करेंगे। क्ले काउंटी के शेरिफ एडी स्कॉट ने कहा कि साक्ष्यों और गवाहों से स्पष्ट है कि मूर अकेला हमलावर था। हमले के पीछे की मंशा स्पष्ट नहीं है। मूर ने शुक्रवार को सबसे पहले पश्चिमी क्ले काउंटी में अपने परिवार के एक अस्थायी मकान में अपने पिता ग्लेन मूर (67), भाई क्विंटन मूर (33) और एक रिश्तेदार विली एड गाइन्स (55) की हत्या की। इसके बाद वह अपने भाई का ट्रक लेकर एक रिश्तेदार के घर गया, जहां उसने अंदर घुसकर यौन अपराध का प्रयास किया और सात साल की बच्ची की गोली मारकर हत्या कर दी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 12 जनवरी, सोमवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी 12.42 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

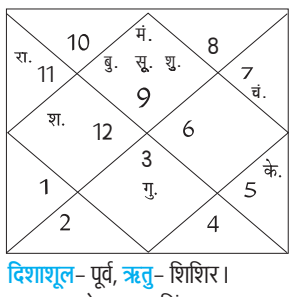

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृतिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- स्वाती 21.05 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष - आज प्रेम संबंधों को लेकर दिन अत्यंत शुभ है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आंखों में कुछ परेशानी हो सकती है। मन में परोपकार की भावना रहेगी। लंबी दूरी की यात्रा करने के योग बन रहे हैं। आलस्य से आपको बचना चाहिए।

वृष - आज लेन-देन के मामलों में सावधानी रखें। लोग आपके कार्यों की प्रशंसा करेंगे। साझेदारी वाले व्यापार में आपको धन लाभ होगा। अति महत्वपूर्ण कार्यों को आप समय पर पूरा करेंगे। परिवार में किसी कारण अशांति हो सकती है।

मिथुन - आज घर का वातावरण अत्यंत सुखद रहने वाला है। धार्मिक स्थल में जाने का विचार बनेगा। जीवनसाथी को आप उपहार दे सकते हैं। संतान के व्यवहार से आपका मन गदगद हो जायेगा। घर के बुजुर्गों से सहयोग मिलेगा।

कर्क - आज कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। नकारात्मक विचार आपको परेशान कर सकते हैं। अनावश्यक बातों पर अधिक ध्यान न दें। उच्च तकनीक के प्रति आप आकर्षित रहेंगे। आपका मन किसी कारण अशांत रहेगा।

सिंह - आज व्यवसाय में मित्रों का सहयोग ले सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आप किसी महत्वपूर्ण कार्य से जुड़ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आपको प्रेमीजन से बड़ा उपहार मिल सकता है। विद्यार्थी अपने करियर को लेकर एकाग्र रहेंगे।

कन्या - आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कुछ लोग आपके काम में हस्तक्षेप कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में दुविधापूर्ण स्थितियां निर्मित हो सकती हैं। मौसमी बीमारियों से बचकर रहें। पारिवारिक जीवन बहुत ही सुखदायक रहने वाला है।

तुला - आज विपरीत लिंग के लोगों के प्रति आकर्षित रहेंगे। युवा अपने करियर को लेकर अत्यंत गंभीर रहेंगे। आपकी कोई पुरानी इच्छा पूर्ण हो सकती है। संपत्ति के क्रय-विक्रय से धन लाभ होगा। बड़े प्रकल्पों में आप निवेश कर सकते हैं।

वृश्चिक - आज आपका मनोबल थोड़ा कमजोर हो सकता है। असंयमित भोजन के कारण आपका स्वास्थ्य खराब रहेगा। शत्रु आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिजनों के साथ आपको अपना व्यवहार अच्छा रखना चाहिए।

धनु - आज नए अनुबंध होने के योग बन रहे हैं। परिवार का वातावरण सुखद रहेगा। व्यापार से आपको धन लाभ मिल सकता है। आपकी कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पैतृक कारोबार में धन लाभ होगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मकर - आज कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिलने की संभावना बन रही है। लोग स्वार्थवश आपके संपर्क में रहना चाहेंगे। नया रोजगार शुरू कर सकते हैं। शेयर मार्केट में किए गए पूर्व निवेश से लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य कुछ कमजोर हो सकता है।

कुंभ - आज नई नौकरी ढूंढ रहे हैं, तो आपको सफलता मिलेगी। आप की उपलब्धियों से आपके अधिकारी अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। आपके कार्य अपेक्षाकृत देरी से पूरे होंगे। बच्चों की शिक्षा को लेकर आप काफी ध्यान देंगे। दांपत्य संबंध अत्यंत प्रगाढ़ रहने वाले हैं।

मीन - आज किसी भी काम में अधिक मन नहीं लगा पाएंगे। वर्तमान वातावरण को लेकर आपको अत्यधिक ध्यान रखना चाहिए। आपको काफी व्यस्त रहना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में मशीनरी संबंधी समस्या हो सकती है। अनजान लोगों पर अधिक विश्वास न करें।

सुडोकू -30

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			9				7	8
	8			1		2	4	
6		2	3					1
		6		5			8	
4		8				7		5
	9		7		8		6	
	5							6
8				9		5	1	
	7		8				3	

सुडोकू - 29 का हल

1	4	6	9	8	3	2	7	5
3	8	5	7	6	2	9	1	4
9	2	7	4	5	1	3	8	6
4	6	2	3	9	8	1	5	7
8	7	9	2	1	5	4	6	3
5	3	1	6	4	7	8	9	2
6	1	8	5	2	4	7	3	9
2	5	3	8	7	9	6	4	1
7	9	4	1	3	6	5	2	8

स्वस्थ शरीर मजबूत नेतृत्व की नींव होता है। साइकिलिंग हमें नेतृत्व के अहम सबक सिखाती है, यह बताती है कि कब तेज चलना है, कब धीमा होना है और सबसे महत्वपूर्ण, जीवन में आगे बढ़ते रहने के लिए संतुलन कैसे बनाए रखना है।
–मनसुख मांडविया, खेल मंत्री

स्टेडियम

अयोध्या, सोमवार, 12 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

वर्ल्ड नंबर वन शी चोट के कारण बाहर विटिडसर्न बने चैंपियन

कुआलालंपुर। चीन के वर्ल्ड नंबर वन शी यूकी रविवार को थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न के खिलाफ मलेशिया ओपन फाइनल के दौरान पीठ की चोट के कारण रिटायर हो गए। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन शी दर्द में खेल रहे थे, लेकिन पहला गेम 21-23 से हारने के बाद उन्होंने मैच छोड़ दिया। महिला सिंगल्स फाइनल में, दक्षिण कोरिया की ओलंपिक चैंपियन एन से-यंग ने चीन की वांग झेई को 21-15, 24-22 से हराया। वांग ने कहा कि दूसरे गेम में उनके पास मैच पलटने के मौके थे, लेकिन अहम पलों में वह चूक गईं।

पयास ने जीता मिक्स्ड डबल्स का खिताब

वडोदरा। पयास जैन डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज 2026 में यहां सामा इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में ट्रिपल क्राउन जीतने की कोशिश करेंगे, क्योंकि उन्होंने सिंड्रेला दास के साथ मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता और रविवार सुबह पुरुष सिंगल्स के फाइनल में भी पहुंच गए।

मुंबई मैराथन में भाग लेंगे शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय धावक

मुंबई। पिछले चरण के उप विजेता मेरहावी केसेटे (पुरुष वर्ग) और इथियोपिया की मेडिना डेमे आर्मिनो (महिला वर्ग) सहित एलीट एथलीट 18 जनवरी को होने वाली टाटा मुंबई मैराथन में हिस्सा लेंगे जो विश्व एथलेटिक्स की गोल्ड लेबल की रोड रेस है। यह मुंबई मैराथन का 21वां सत्र है जिसमें पुरुषों और महिलाओं के वर्ग में पहले तीन स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः 50000, 25000 और 15000 डॉलर की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके अलावा जो भी अपने वर्ग में मौजूदा स्पर्धा का रिकॉर्ड तोड़ेगा, उसे 15000 डॉलर दिए जाएंगे।

विराट पारी से भारत ने न्यूजीलैंड को पहले वनडे में चार विकेट से हराया

तीन मैचों की सीरीज में टीम इंडिया ने 1-0 से बढ़त हासिल की

वड़ोदरा, एजेंसी

विराट कोहली (93), कप्तान शुभमन गिल (56) और श्रेयस अय्यर (49) की शानदार पारियों की बदौलत भारत ने रविवार को पहले एकदिवसीय न्यूजीलैंड को चार विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

301 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत के लिए रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने 39 रन जोड़े। नौवें ओवर में काइल जैमीसन ने रोहित शर्मा को आउट कर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। रोहित शर्मा ने 29 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 26 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 118 रन जोड़े। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे किये। 27वें ओवर में आदित्य अशोक ने शुभमन गिल को फिलिप्स के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। शुभमन गिल ने 71 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 56 रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये श्रेयस अय्यर ने मोर्चा संभाला और उन्होंने विराट कोहली के साथ तीसरे विकेट के लिए 77 रन जोड़े। इसी दौरान शतक के करीब विराट कोहली जेमीसन का शिकार बन गये। विराट कोहली ने 91 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 93 रनों की पारी खेली। इसी ओवर में जेमीसन ने रवींद्र जड़ेजा (चार) को भी अपना शिकार बनाकर भारत को चौथा झटका दिया। 42वें ओवर में जेमीसन ने अर्धशतक की ओर बढ़ रहे श्रेयस अय्यर को बोल्ड कर भारत को संकट में डाल दिया। श्रेयस अय्यर ने 24 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 49 रन बनाये। 47वें ओवर में क्लार्क ने हर्षित राणा को विकेट के पीछे कैच आउटकर कर मैच को रोमांचक मोड़ दे दिया। हर्षित राणा ने 23 गेंदों दो चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 29 रन बनाये। केएल राहुल ने 49वें ओवर में दो चौकों के बाद ओवर की आखिरी गेंद पर विजयी छक्का लगाकर भारत का स्कोर छह विकेट पर 306 कर चार विकेट से जीत दिला दी। केएल राहुल ने 21 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 29 रन बनाये। वॉशिंगटन सुंदर सात रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड के लिए काइल जेमीसन ने चार विकेट लिये। आदित्य अशोक और क्रिस्टियन क्लार्क ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले सलामी बल्लेबाजों डेवन कॉन्वे (56) और हेनरी निकल्स (62) के अर्धशतकों के बीच 117 रनों की ओपनिंग साझेदारी के बाद डैरिल मिचेल के तूफानी 84 रनों की बदौलत न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ 50 ओवरों में आठ विकेट पर 300 रन का मजबूत स्कोर बनाया। मिचेल ने 71 गेंदों में अपनी तूफानी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाये। कॉन्वे ने 67 गेंदों में छह चौके और एक छक्का मारा जबकि निकल्स ने 69 गेंदों में आठ चौके लगाये। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट लिये। कुलदीप यादव ने 52 रन देकर एक बल्लेबाज को आउट किया। आज यहां भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। 20 ओवरों के बाद भारतीय गेंदबाजों (हर्षित राणा) ने पिच पर जम चुके न्यूजीलैंड के दोनों सलामी हेनरी निकल्स और डेवन कॉन्वे के विकेट झटक कर अपनी टीम की मैच में वापसी कराई। इसके बाद मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन अन्य विकेट लेकर न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को दबाव में लाकर उनके रनों की रफ्तार पर लगाम लगाई। विल यंग (12), ग्लेन फिलिप्स (12), मिचेल हे 18 रन बनाकर आउट हुये। क्रिस्टियन क्लार्क ने 17 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से नाबाद 24 रन बनाये और न्यूजीलैंड को 300 तक पहुंचाया। इसके बाद कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने डैरिल मिचेल के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया।

रन लेते विराट कोहली (दाएं) और श्रेयस अय्यर। प्रतिक्रिया देते न्यूजीलैंड के काइल जैमीसन (बीच में)। एजेंसी

न्यूजीलैंड

300/8 (50 ओवर)

डेवोन कॉनवे बो हर्षित राणा	56
निकोल्स का राहुल बो राणा	62
विल यंग का राहुल बो सिराज	12
डेरिल मिचेल पगबाधा बो कृष्णा	84
फिलिप्स का अय्यर बो कुलदीप	12
मिचेल हे बो प्रसिद्ध कृष्णा	18
माइकल ब्रेसवैल रन आउट	16
जाक फोक्स बो सिराज	01
क्रिस्टियन क्लार्क नाबाद	24
काइल जैमीसन नाबाद	08

गेंदबाजी : मोहम्मद सिराज 8-0-40-2, हर्षित राणा 10-0-65-2, वाशिंगटन सुंदर 5-0-27-0, प्रसिद्ध कृष्णा 9-0-60-2, कुलदीप यादव 9-0-52-1, रविंद्र जडेजा 9-0-56-0

विकेट के बीच दौड़ते केएल राहुल (दाएं) और हर्षित राणा ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। एजेंसी

चोटिल पंत की जगह जुरेल टीम में शामिल

वडोदरा, एजेंसी

ध्रुव जुरेल को रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने चोटिल ऋषभ पंत की जगह ली है। विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार लय में चल रहे जुरेल रविवार से शुरू हो रही श्रृंखला के लिए टीम से जुड़ चुके हैं। ऋषभ पंत को शनिवार को नेट सत्र में बल्लेबाजी अभ्यास के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। बीसीसीआई ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा विकेटकीपर ऋषभ पंत को शनिवार दोपहर वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में भारतीय टीम के अभ्यास सत्र के दौरान बल्लेबाजी करते समय पेट की दाईं ओर मांसपेशियों में अचानक दर्द महसूस हुआ।

बीसीसीआई के अनुसार पंत को तुरंत एमआरआई स्कैन के लिए ले जाया गया। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने विशेषज्ञों

के साथ उनकी क्लीनिक और रेडियोलॉजिकल रिपोर्ट पर विस्तृत चर्चा की। जांच में पंत को साइड स्ट्रेन (ऑब्लिक मसल टियर) पाया गया है, जिसके चलते उन्हें वनडे श्रृंखला से बाहर होना पड़ा है। इसके बाद पुरुष चयन समिति ने ध्रुव जुरेल को पंत के स्थान पर टीम में शामिल किया है और वह टीम से जुड़ चुके हैं। जुरेल इस वनडे टीम में रिजर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका निभाएंगे। वह शानदार लय में है। उन्होंने उन्होंने पिछली सात पारियों में छह बार 50 से अधिक रन बनाए हैं, जिनमें दो शतक भी शामिल हैं।

गुजरात ने दिल्ली को दिया 210 रनों का विशाल लक्ष्य

महिला प्रीमियर लीग

नवी मुंबई, एजेंसी

सोफी डिवाइन के तूफानी अर्धशतक से गुजरात जाइंट्स ने महिला प्रीमियर लीग में रविवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 209 रन बनाए। डिवाइन ने 42 गेंद में आठ छक्कों और सात चौकों से 95 रन की पारी खेलने के अलावा बेथ मूनी (19) के साथ पहले विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी भी की। एशलेग गार्डनर ने भी 49 रन बनाए। उन्होंने 26 गेंद की अपनी पारी में तीन छक्के और चार चौके मारे।

दिल्ली की ओर से नंदिनी शर्मा सबसे सफल गेंदबाज रहीं जिन्होंने अपना तीसरा डब्ल्यूपीएल मैच खेलते हुए 33 रन पर पांच विकेट चटकाए। उन्होंने पारी के अंतिम ओवर में हैट्रिक सहित चार विकेट चटकाकर गुजरात की पारी को समेटा।श्री चरणी और चिनेल हेनरी ने दो-दो विकेट हासिल किए लेकिन अपने चार ओवरों में क्रमशः 42 और 43 रन लुटाए। दिल्ली की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जिसके बाद डिवाइन ने टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई।

बेथ मूनी ने मारिजेन कैप की मैच की पहली गेंद पर चौका जड़ा जबकि डिवाइन ने हेनरी पर दो चौके मारे। डिवाइन ने नंदिनी का स्वागत लगातार दो चौकों और एक छक्के के साथ किया। उन्होंने छठे ओवर में स्नेह राणा पर लगातार दो चौकों और चार छक्कों से 32 रन जोड़े जिससे यह डब्ल्यूपीएल के इतिहास का सबसे महंगा ओवर साबित हुआ है।

डिवाइन ने इस दौरान 25 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और पावर प्ले में टीम का स्कोर बिना विकेट खोए 80 रन तक पहुंचाया। श्री चरणी ने नौवें ओवर में मूनी को अपनी ही गेंद पर लपककर गुजरात जाइंट्स को पहला झटका दिया लेकिन डिवाइन ने इसी ओवर में तीन छक्कों के साथ टीम के रनों का शतक पूरा किया। जॉर्जिया वेयरहैम भी सिर्फ तीन रन बनाकर चरणी का शिकार बनीं। अनुष्का शर्मा (13) ने शेफाली वर्मा की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर नंदिनी को कैच दे बैठीं। मीनू मणि की गेंद पर भारती फुलमाली (03) को जीवनदान मिला लेकिन वह अगले ओवर में हेनरी की गेंद पर लॉरा वोलवार्ट को कैच दे बैठीं। एशलेग गार्डनर ने इस बीच मीनू और चरणी पर छक्के मारे। उन्होंने हेनरी पर भी छक्का जड़ा लेकिन इसी तेज गेंदबाज की गेंद पर वोलवार्ट को कैच दे बैठीं। नंदिनी ने अंतिम ओवर की दूसरी गेंद पर केशवी गौतम (14) को आउट करके बाद अंतिम तीन गेंद पर कनिका आहूजा (04), राजेश्वरी गायकवाड़ (00) और रेणुका सिंह (00) को पवेलियन भेजकर हैट्रिक पूरी की।

शॉट लगातीं गुजरात जाइंट्स की सोफी डिवाइन। एजेंसी

- सोफी डिवाइन ने खेली 95 रनों की तूफानी पारी

आरसीबी और यूपी वारियर्स का मुकाबला आज

नवी मुंबई। मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने पहले मुकाबले में कड़ी परीक्षा से गुजरने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) सोमवार को यहां सितारों से सजी यूपी वॉरियर्स के खिलाफ अपनी लय जारी रखने की कोशिश करेगी। स्मृति मंधाना की अगुआई वाली साल 2024 की चैंपियन टीम ने शुक्रवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुश्किल स्थिति से उबरते हुए तीन विकेट की जीत दर्ज की। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की हरफनमौला खिलाड़ी नादिन डि क्लर्क ने आखिरी चार गेंदों पर दो चौके और दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई थी। आरसीबी की जीत ने मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर को भी स्तब्ध कर दिया था। मंधाना और आरसीबी के लिए वह पल बेहद खास था और टीम डि क्लर्क से यूपी वॉरियर्स के खिलाफ भी ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट जीतने के बाद पोलैंड की टीम ट्रॉफी के साथ। एजेंसी

पोलैंड ने पहली बार जीता यूनाइटेड कप

सिडनी, एजेंसी

ह्यूबर्ट हुरकाज ने चोट से वापसी करते हुए एक भावुक जीत हासिल की और यूनाइटेड कप फाइनल में पिछले दो सालों की निराशा को मिटा दिया, जब उन्होंने रविवार रात सिडनी में मिक्स्ड टीम इवेंट में स्विट्जरलैंड पर पोलैंड की 2-1 की करीबी चैंपियनशिप जीत में अहम भूमिका निभाई।

घुटने की सर्जरी के बाद सात महीनों में अपना पहला टूर्नामेंट खेलते हुए, पूर्व वर्ल्ड नंबर 6 को इगा स्विएटेक के बेलिंडा बेनसिक से 3-6, 6-0, 6-3 से हारने के बाद अपनी टीम को जीवित रखने के लिए स्टैन वावरिंका पर 6-3, 3-6, 6-3 से जीत की जरूरत थी, जिन्होंने टूर्नामेंट को 5-0 के सिंगल्स रिकॉर्ड के साथ खत्म किया। खिताब दांव पर होने पर, जान जिलिंस्की एक बार फिर शानदार फॉर्म में थे, जब उन्होंने कतरज़ीना कावा के साथ मिलकर अपना पांचवां मिक्स्ड डबल्स खिताब 6-4, 6-3 से जीता, जो पहले से अजेय रहे जैकब पॉल और बेनसिक के खिलाफ था, जो मैच प्ले में 10-0 के परफेक्ट रिकॉर्ड के साथ टूर्नामेंट खत्म करने की कोशिश कर रही थीं। बेनसिक को यूनाइटेड कप फाइनल्स की सबसे मूल्यवान खिलाड़ी चुना गया। यह 40 वर्षीय स्विस कप्तान वावरिंका के लिए एक भावुक रात थी, जो अपने विदाई सीजन की शुरुआत एक अप्रत्याशित यूनाइटेड कप खिताब के साथ करने की उम्मीद कर रहे थे।

रेलवे ने पुरुषों व केरल ने महिला वर्ग में जीता राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिताब

संवाददाता, वाराणसी

अमृत विचार। भारतीय रेलवे की टीम ने रविवार को यहां सिगरा स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में संपन्न 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप का पुरुष वर्ग में सर्वजेता का गौरव अर्जित किया। वहीं महिला वर्ग में गत चैम्पियन केरल ने अपनी असंदिग्ध श्रेष्ठता बरकरार रखी और लगातार छठी बार उपाधि जीत ली।

पुरुषों के फाइनल में रेलवे से संघर्ष नहीं कर सका केरल वाराणसी नगर निगम के सहयोग से रोमांच की पराकाष्ठा तक पहुंचे इस आठ दिवसीय आयोजन का सर्वाधिक दिलचस्प पहलू यह था कि दोनों वर्गों के फाइनल में रेलवे व केरल की टीमें आमने सामने थीं।

अंतिम दिन पुरुष वर्ग के फाइनल में रेलवे के स्मैशर्स ने केरल की चुनौती को एकतरफा अंदाज में ध्वस्त कर सीधे सेटों में 3-0 (25-19, 25-17, 25-19) की जीत से खिताब हासिल किया।

केरल की महिलाओं ने लगातार छठी बार जीती उपाधि उधर महिला वर्ग के रोमांचक फाइनल में केरल ने गत उपजेता रेलवे को दो घंटे से भी ज्यादा खिचें संघर्ष में 3-2 (22-25, 25-20, 25-15, 22-25, 15-8) से हराकर लगातार छठी बार बाजी मारी।

पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं उत्तर प्रदेश वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष व उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक आदि मौजूद रहे।

खिताब के साथ रेलवे की टीम। एजेंसी

वर्ल्ड क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में 40वें स्थान पर रहे गुलवीर

टलहासी (अमेरिका)। भारत के लंबी दूसरी के धावक गुलवीर सिंह वर्ल्ड क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप 2026 में सीनियर पुरुषों की दौड़ में 40वें स्थान पर रहे। अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत के टलहासी शहर में शनिवार को हुई इस चैंपियनशिप में 30:39 सेकंड समय के साथ 40वें स्थान पर रहे।

यह गुलवीर सिंह के करियर में क्रॉस कंट्री रेस में उनका दूसरा सबसे अच्छा समय था, इससे पहले उन्होंने दो साल पहले बेलग्रेड में हुई पिछली वर्ल्ड क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में 30:07 का समय निकाला था। गुलवीर के साथी भारतीय एथलीट सावन बरवाल 31:37 का समय निकालकर टलहासी 2026 में 60वें स्थान पर रहे। टोक्यो 2020 ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता युगांडा के जैकब किप्लिमो ने 28:18 का समय निकालकर लगातार तीसरा वर्ल्ड क्रॉस कंट्री खिताब जीता।

शानदार फाइनल में कोस्तयुक को सीधे सेटों में हराया

सबालेंका ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल खिताब जीता

ब्रिस्बेन, एजेंसी

शीर्ष रैंकिंग पर काबिज एरीना सबालेंका ने रविवार को मार्ता कोस्तयुक को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरी बार ब्रिसबेन इंटरनेशनल का खिताब अपने नाम किया जो उनकी कुल मिलाकर 22वीं ट्रॉफी है।

यह लगातार तीसरा साल था जब सबालेंका फाइनल में पहुंचीं और बेलारूस की इस खिलाड़ी ने पैट रैफ्टर एरिना में सिर्फ एक घंटे 17 मिनट में 6-4, 6-3 से जीत हासिल की ब्रिसबेन इंटरनेशनल 18 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए एक तैयारी टूर्नामेंट है। कोस्तयुक ने शुरुआत में ही सबलेंका की दूसरी सर्विस पर आक्रामक खेल दिखाया और शानदार ड्रॉप शॉट्स से शुरुआती ब्रेक हासिल कर लिया बेलारूस की खिलाड़ी वापसी शानदार खेल से वापसी करने में ज्यादा समय नहीं लिया। उनके जोरदार बेसलाइन रैलियों का कोस्तयुक के पास कोई जवाब नहीं था।

सबलेंका ने दूसरे सेट में अपनी गति बढ़ाते हुए दमदार ग्राउंड स्ट्रोक और ड्रॉप शॉट्स के मिश्रण से यूक्रेन की खिलाड़ी को लगातार गलतियां करने पर मजबूर किया।

स्वितोलिना ने ऑकलैंड खिताब अपने नाम किया

वेलिंगटन। टॉप-सीड एलिना स्वितोलिना ने रविवार को अपना 19वां डब्ल्यूटीए खिताब जीता, उन्होंने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एसीबी क्लासिक फाइनल में चीन की वांग शिन्यू को 6-3, 7-6(8) से हराया।

मेदवेदेव ने फाइनल में जगह बनाई

ब्रिस्बेन। दानिल मेदवेदेव ने फाइनल में पहुंचकर यह सुनिश्चित किया कि ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में उन्हें गौरव हासिल करने का एक और मौका मिलेगा। टॉप सीड और 2019 के रनर-अप ने शनिवार को अमेरिकी एलेक्स मिशेलसेन पर 6-4, 6-2 से कड़े सेमीफाइनल में जीत हासिल करके अपने 41वें टूर-लेवल फाइनल में जगह बनाई। हालांकि मेदवेदेव ने 27 अनफोर्स्ड एरर किए, लेकिन उन्होंने दूसरे सेट में सामना किए गए सभी चार ब्रेक पॉइंट्स को कुशलता से बचाया, जिससे उन्होंने सक्रिय खिलाड़ियों में दूसरे सबसे ज़्यादा फाइनल के लिए अलेक्जेंडर ज़्वेरेव के साथ अपनी बराबरी तोड़ी, जो केवल नोवाक जोकोविच (144) से पीछे हैं। मेदवेदेव ने कहा यह बिल्कुल भी आसान नहीं था।